हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

17 मार्च, 1997

खण्ड 1, अंक 913

अधिकृत विवरण

विशय सूची

सोमवार, 17 मार्च, 1997

पृश्ठ संख्या

भाोक प्रस्ताव	(9)1
तारांकित प्र न एवं उत्तर	(9)3
नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गए	(9)21

तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर	
माफिया व्यक्तियों के आपसी झगड़े में मारे गए व्यक्तियों के नाम सप्लाई करने सम्बन्धी मामला	(9)23
वैयक्तिक स्पश्टीकरण– श्री निर्मल सिंह द्वारा	(9)28
सदस्य का नाम लेना	(9)29
वाक आउट	(9)29
अभिकथित वि ोशाधिकार भंग का प्र न	(9)30
वैयक्तिक स्पश्टीकरण– कृशि मंत्री द्वारा	(9)30
वर्श 1997–98 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(9)31
वैयक्तिक स्पश्टीकरण– (ii) श्री ओम प्रका ा चौटाला द्वारा	(9)49
(iii) वित्त मंत्री द्वारा	(9)49
(iv) चिकित्सा ि ाक्षा राज्य मंत्री द्वारा	(9)49
वर्श 1997–98 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(9)50

वैयक्तिक स्पश्टीकरण– मुख्य मंत्री द्वारा	(9)53
वर्श 1997–98 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(9)53
वाक आउट	(9)56
वर्श 1997–98 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(9)57
बैठक का समय बढ़ाना	(9)63
वर्श 1997–98 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(9)64
बैठक का समय बढ़ाना	(9)75
वर्श 1997–98 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(9)75
बैठक का समय बढ़ाना।	(9)89
वर्श 1997–98 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(9)89
नियम 104 का निलंबन तथा सदन की सेवा से सदस्य का निलंबन।	(9)92
वाक–आउट।	(9)93
वर्श 1997–98 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)।	(9)93

हरियाणा विधान सभा

सोमवार, 17 मार्च, 1997

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ़ में प्रातः 14.00 बजे हुई। अध्यक्ष (प्रो0 छत्तर सिंह) ने अध्यक्षता की।

भाोक प्रस्ताव

Mr. Speaker: Now the Chief Minister will make obituary referecne.

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल): अध्यक्ष महोदय, हमारी पिछली सिटिंग और इस सिटिंग के बीच में श्री वीरेन्द्र सिंह इस संसार से चले गए हैं उनके लिए मैं भाोक प्रस्ताव पे ा करता हूं।

यह सदन कर्नाटक के भूतपूर्व मुख्य मंत्री श्री वीरेन्द्र सिंह पाटिल के 14 मार्च, 1997 को हुये दु:खद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म सन् 1924 में हुआ। कानून की डिग्री लेने के बाद, उन्होंने भारत छोड़ो आन्दोलन में सक्रिय भाग लिया और हैदराबाद राज्य विधान सभा के सदस्य के रूप में अपना राजनैतिक जीवन भाुरू किया। वह 1957 से 1971 तक तथा पुनः 1989 में कर्नाटक विधान सभा के सदस्य बने। वे 1957 से 1968 तक कर्नाटक मंत्रिमण्डल में मन्त्री पद पर रहे। श्री पाटिल 1968 से

1971 तक तथा 1989 से 1990 तक दो बार कर्नाटक राज्य के मुख्यमंत्री रहे। श्री पाटिल 1972 से 1978 तक राज्य सभा के सदस्य रहे तथा वे 1980 तथा 1984 में लोक सभा के लिये भी चुने गये। श्री पाटिल ने 1980 से 1985 तक केन्द्रीय मन्त्री के रूप में दे ा की सेवा की।

उनके निधन से दे ा एक वयोवृद्ध स्वतन्त्रता सेनाना, योग्य प्र ाासक तथा प्रख्यात सांसद की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत नेता के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवदेना प्रकट करता है।

श्री धीरपाल सिंह (बादली): अध्यक्ष महोदय, हाउस के नेता ने जो भाोक प्रस्ताव रखा है मैं भी उसके समर्थन के लिए खड़ा हुआ हूं। इसी सै ान के दौरान यह तीसरा भाोक प्रस्ताव आया है और कुदरत कुछ हमसे नाराज भी है, जो इस दे ा के चोटी के राजनीतिज्ञ हमसे आहिस्ता आहिस्ता जुदा हो रहे हैं। दे ा उनकी सेवाओं से वंचित होता जा रहा है। उनके निधन से हमारे प्रदे ा को और पूरे दे ा को अत्यंत दुख पहुंचा है। उनका जन्म सन् 1924 में हुआ और उन्होंने लॉ–ग्रेजुएट की डिग्री लेने के बाद भारत छोड़ो आन्दोलन में महात्मा गांधी और दे ा के दूसरे लोगों के साथ सक्रिय भाग लिया। उन्होंने अपना राजनैतिक जीवन हैदराबाद विधान सभा के सदस्य के रूप में भाुरू किया और उसके बाद 1957 से 1971 तक और दोबारा 1989 में कर्नाटक विधान सभा के सदस्य बने। कर्नाटक में मंत्री का पद भी संभाला

और राज्य सभा के सदस्य भी रहे। वे दे ा की सर्वोच्च पंचायत यानी लोक सभा के सदस्य भी रहे और केन्द्र में मंत्री पद पर भी रहे। पाटिल जी दे ा भक्त थे, फ्रीडम फाइटर थे, प्र ाासक थे और उन्होंने अपने जीवन का जो जवानी का समय था वह दे ा की और भारत माता की बेड़ियां काटने में लगाया। यह दे ा और इस दे ा की 92 करोड़ की आबादी उनकी सेवाओं की ऋणी रहेगी। वे हमारे पथ प्रद र्क थे उनसे यह दे ा बहुत कुछ सीखता था। वर्तमान मे वह राजनीति का अध्याय थे। अध्यक्ष महोदय, उनके निधन से यह दे ा एक अच्छे प्र ाासक, सांसद और फ्रीडम फाइटर की सेवाओं से महरूम हो गया है। मैं अपनी पार्टी और अपनी तरफ से उस महान सपूत को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और दु:खी परिवार के दु:ख में सम्मिलित होता हूं। मैं परम पिता से प्रार्थना करता हूं कि हे भगवान उस सच्चे सपूत को अपने चरणों में स्थान दें। उनके प्रति हमारी यह सच्ची श्रद्धांजलि है कि जो उन्होंने अपना जीवन गांधी के साथ बिताया था, उनके बताये रास्ते पर हम सच्ची भावना से चलें यही उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि है। धन्यवाद।

श्री भजन लाल (आदमपुर): अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री चौधरी बंसी लाल जी ने जो भाोक प्रस्ताव इस सदन में पे ा किया है मैं उसके समर्थन में खड़ा हुआ हूं। अध्यक्ष महोदय, यह सदन कर्नाटक के भूतपूर्व मुख्यमंत्री श्री वीरेन्द्र पाटिल के 14 मार्च, 1997 को हुये दु:खद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म सन् 1924 में हुआ। कानून की डिग्री लेने के बाद उन्होंने भारत छोड़ो आन्दोलन में सक्रिय भाग लिया और हैदराबाद राज्य विधान सभा के सदस्य के रूप में अपना राजनैतिक जीवन भाुरू किया। वह 1957 से 1971 तक तथा पुनः 1989 में कर्नाटक विधान सभा के सदस्य बने। वे 1957 से 1968 तक कर्नाटक मंत्रिमण्डल में मन्त्री पद पर रहे। श्री पाटिल 1968 से 1971 तक तथा 1989 से 1990 तक दो बार कर्नाटक राज्य के मुख्यमंत्री रहे। श्री पाटिल 1972 से 1978 तक राज्य सभा के सदस्य रहे तथा वे 1980 तथा 1984 में लोक सभा के लिये भी चुने गये। श्री पाटिल ने 1980 से 1985 तक केन्द्रीय मन्त्री के रूप में दे ा की सेवा की। उनके निधन से दे ा एक वयोवृद्ध स्वतन्त्रता सेनानी, योग्य प्र ाासक तथा प्रख्यात सांसद की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत नेता के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवदेना प्रकट करता है।

ि ाक्षा मंत्री (श्री रामबिलास भार्मा): स्पीकर सर, इस सदन के नेता ने जो भाोक प्रस्ताव रखा है मैं भी उनके समर्थन में खड़ा हुआ हूं। श्री वीरेन्द्र पाटिल के उठ जाने से दे ा ने एक राजनेता और स्वतंत्रता सेनानी को खो दिया है। मैं उनके भाोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करता हूं तथा अपनी और अपने दल की तरफ से परम पिता परमात्मा से प्रार्थना करता हूं कि दिवंगत आत्मा को अपने चरणों में स्थान दें और उनके परिवार को यह दुःख सहने की भाक्ति प्रदान करें।

श्री अध्यक्षः मान्यवर सदस्यगण, सदन के माननीय नेता एवं अन्य माननीय सदस्यों द्वारा श्री वीरेन्द्र पाटिल, पूर्व मुख्यमंत्री कर्नाटक राज्य के असामयिक दुखःद निधन पर रखे गए भाोक प्रस्ताव में मैं भी दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। मैं परम पिता परमात्मा से प्रार्थना करता हूं कि वह भाोक संतप्त परिवार को इस असहनीय दुख को सहन करने की भाक्ति दे तथा दिवंगत महान आत्मा को सद्गति प्रदान करे। श्री वीरेन्द्र पाटिल का जन्म 1924 में गुलबर्गा जिले के चिंचिली गांम में एक साधारण परिवार में हुआ। वे आरम्भ से राश्ट्रीय कांग्रेस के पूर्वाकलिक सदस्य बन गये। और आयुपर्यन्त मां भारती की सेवा में तल्लीन रहे। उनका लम्बा राजनैतिक जीवन स्वच्छ और अनुकरणीय रहा। वे 1952 से 1966 तक हैदराबाद विधानसभा के सदस्य रहे और 1968 से 1971 तक कर्नाटक के मुख्यमंत्री रहे तथा 1989 और 1990 में कर्नाटक के दोबारा मुख्यमंत्री रहे। उन्होंने कर्नाटक राज्य का सर्वांगीण विकास करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वे सातवीं और आठवीं लोक सभा के सदस्य रहे। वे 1972 से 1978 तक राज्य सभा के सदस्य भी रहे। वे ऐसे राजनैतिज्ञों में से थे जो भ्रश्टाचार मुक्त प्र ाासन देने में खरे उतरे। कर्नाटक राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए उनका नाम सदैव ही स्मरणीय रहेगा। उन्होंने चितमंगलूर के लोकसभा चुनाव में सिद्ध कर दिया था कि वे राजनीतिक विद्वेश की भावनर से दूर थे। उन्होंने एक अनुपम राजनीतिज्ञ का परिचय देकर भारतीय राजनीति में एक वि ाश्ट स्थान बनाया था। श्री वीरेन्द्र पाटिल एक उच्च कोटि के नेता थे।

उनके निधन से यह राश्ट्र एक कु ाल प्र ाासक, अनुभवी विधायक तथा सांसद की सेवाओं से वंचित हो गया है। मैं एक बार पुनः इस महान आत्मा के निधन पर दुःख व्यक्त करते हुए उनके प्रति हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। मैं उनके भाोक संतप्त परिवार के सदस्यों को इस सदन की तरफ से उनके निधन पर हार्दिक संवेदना सम्प्रेशित कर दूंगा। अब मैं माननीय सदस्यों से प्रार्थना करूंगा कि इस महान् आत्मा को अपनी श्रद्धांजलि देने हेतु दो मिनट का मौन धारण करने के लिए खड़े हो जाएं।

(इस समय सदन ने खड़े होकर दिवंगत के सम्मान में दो मिनट का मौन धारण किया)

तारांकित प्र न एवं उत्तर

Mr. Speaker: Now the question hour.

Construction of Stadium at Julana (Jind)

Sh. Sat Narain Lather: Will the Minister of state for Sports be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a Sports Stadium at Julana.

खेल राज्य मन्त्री (श्री रामसरूप रामा): स्पीकर सर, यह जो लाठर साहब द्वारा जुलाना में खेल स्टेडियम के निर्माण के बारे में पूछा गया है, इस बारे में सरकार का अभी कोई विचार नहीं है।

श्री सत नारायण लाठरः स्पीकर सर, पूर्व खेल मंत्री श्री कर्ण सिंह दलाल साहब ने मुझे इस बारे में लिखकर भिजवाया था तथा नगरपालिका ने प्रस्ताव भी पास कर दिया था। वहां पर जमीन भी उपलब्ध है। इसलिए मेरी सरकार से प्रार्थना है कि वहां पर स्टेडियम जल्दी से जल्दी बनाने की कोि ा ा करें।

श्री रामसरूप रामाः स्पीकर सर, जुलाना मंडी की और से जो प्रस्ताव आया था, उसमें न तो जमीन के बारे में कोई कागज पत्र हमारे पास आया तथा जो कार्यवाही नगर पालिका की ओर से होनी थी वह भी अभी तक हमारे पास नहीं पहुंची है। इसलिए इस बारे में अभी तक कोई विचार नहीं है। अगर लाठर साहब ये सब चीजें हमें भिजवा देंगे तो हम विचार कर सकते हैं।

Construction of Mini Secretariat, Charkhi Dadri.

***223. Shri Sat Pal Sangwan:** Will the Minister for Revenue be pleased to state-

(a) whether it is a fact that the building housing the Sub-Divisional level officers at Charkhi Dadri has been declared unsafe; and

(b) whether there is any proposal consideration of the Government to construct a new building for the said office?

राजस्व मंत्री (श्री सूरजपाल सिंह):

(क) जी, हां।

(ख) उक्त कार्यालयों को वर्तमान जगह से बदलने के लिए एक भवन अभिग्रहण करने का प्रस्ताव राज्य सरकार के विचाराधीन है, धन की उपलब्धता पर इस कार्यालयों के लिये नया भवन बनाने पर भी यथा समय विचार किया जायेगा।

श्री सतपाल सांगवानः स्पीकर सर, आप भी उसी तहसील से बिलोंग करते हैं। चरखी दादरी में इन इमारतों में एक भी ईंट नहीं लगी है। वैसे तो वहां पर एक्वायर करने के लिए कोई बिल्डिंग नहीं है। अगर यह बात मंत्री जी के नोटिस में है तो ठीक है। आपके माध्यम से मेरी मंत्री जी से प्रार्थना है कि जितना जल्दी हो सके इस कार्य के लिए धन उपलब्ध करवाने की कृपा करें।

श्री सूरजपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, चरखी दादरी में जिस इमारत में उप–मण्डल का कार्यालय है वह भवन बिल्कुल नकारा हो चुका है। उस दफ्तर को वहां से ि ाफ्ट करने के बारे में दो–तीन दफा प्रपोजन रखी गई थी किन्हीं कारणव ा वह दफ्तर ि ाफ्ट नहीं हो सका। अब एक भवन एक ट्रस्ट के माध्यम से मिल रहा है। उस भवन को जल्दी ही अधिग्रहण कर लिया जाएगा और इस दफ्तर को जल्दी ही उस बिल्डिंग में ि ाफ्ट कर दिया जाएगा।

श्री सतपाल सांगवानः अध्यक्ष महोदय, जहां तक मेरी नोलेज है जिस भवन को ये अधिग्रहण करने जा रहे हैं उसमें

भाायद होस्पीटल बनाने की प्रपोजल है। उस बिल्डिंग में सब डिविजन के औफिस को नहीं ि ाफ्ट किया जाएगा।

श्री सूरजपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, अगर उस भवन में होस्पीटल हो गया तो उसके लिए दूसरी जगह पर साढ़े बारह एकड़ जमीन एक्वायर करेंगे और वहां सब डिविजन के औफिस को ि ाफ्ट कर दिया जाएगा। ये दोनों प्रोपोजल विचाराधीन है।

श्री अध्यक्षः माननीय मंत्री जी, माननीय सदस्य सतपाल सांगवान जी ने जो प्र न उठाया है वह सब डिविजन इनका, नरपेन्द्र जी का और का और मेरा तीनों का है। इस समय सब–डिविजन का औफिस जिस बिल्डिंग में है वह मराठों के समय का किला बना हुआ है, उसमें है। वह बिल्डिंग अनसेफ घोशित हो चुकी है इसलिए उस बिल्डिंग में बैठने वाले लोगों के जीवन को भी खतरा है। पिछले 20 साल से वहां के सब डिविजन औफिस के लिए कोई बिल्डिंग का प्रबंध नहीं हो पाया है और आज फिर आपने कह दिया कि धन की उपलब्धता पर इन कार्यालयों के लिए नया भवन बनाने पर विचार किया जाएगा। इसलिए मैं चाहूंगा कि आप थोड़ी उदारता पर परिचय देकर वहां के सब डिविजन के औफिस की बिल्डिंग बनाने के लिए फण्ड अवेलेबल कराएं और इस बारे में जल्दी से जल्दी कार्यवाही करें।

श्री सूरजपाल सिंहः माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं सदन के माध्यम से आपको वि वास देता हूं कि उसके लिए जितनी

जमीन चाहिए उसके प्रस्ताव का सरकार ने अनुमोदन कर दिया है और भूमि अधिग्रहण अधिनियम 1894 की धारा 4 के तहत अधिसूचना जारी की जा चुकी है। उसकी बिल्डिंग बनाने का कार्य जल्दी से जल्दी भुरू कराएंगे।

श्री जगबीर सिंह मलिकः अध्यक्ष महोदय, गोहाना में तहसील के औफिस की बिल्डिंग काफी साल से असुरक्षित घोशित की हुई है। मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या गोहाना में तहसील की बिल्डिंग बनाने के बारे में विचार किया जाएगा।

श्री सूरजपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, अभी इस समय इस बारे में कोई विचार नहीं है। जैसे ही हमारे पास फण्ड अवेलेबल होंगे वहां पर बिल्डिंग बनाना भुरू करेंगे।

श्री आनन्द कुमार भार्माः अध्यक्ष महोदय, बल्लभगढ़ में तहसील का कार्यालय एक रैस्ट हाउस में चल रहा है। बल्लभगढ़ तहसील सबसे पुरानी तहसील है। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि क्या बल्लभगढ़ में तहसील के कार्यालय की बिल्डिंग बनाई जाएगी?

श्री सूरजपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि इस वर्श 1997–98 के दौरान कम्पलैक्सिज और तहसीलों को भवनों के निर्माण हेतु 571.68 लाख रुपये का

प्रावधान किया गया है। जैसे जैसे जमीन उपलब्ध होगी वहां पर भवनों के निर्माण का कार्य भाुरू करवा दिया जाएगा।

श्री भागी रामः अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि सारे हरियाणा प्रदे ा में ऐसे कितने सब डिविजन के औफिस हैं जिनके पास अपने सरकारी भवन नहीं हैं। इसके साथ साथ मैं यह भी जानना चाहता हूं कि अगले आने वाले साल में जो आप सब डिविजन औफिसिज के लिए भवनों का निर्माण करने जा रहे हैं वे कौन कौन से सब डिविजन हैं?

श्री सूरजपाल सिंहः माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहता हूं कि इस वक्त हमारे लघु सचिवालय का रिवाड़ी, कैथल, यमुनानगर और पंचकूला में निर्माण कार्य चल रहा है। उस मण्डल कम्पलैक्स का काम सफीदों और लोहारू में चल रहा है। तहसील का काम भााहबाद और रतिया में चल रहा है। उस तहसील का काम मोरनी में चल रहा है। माननीय सदस्य के उतर में मैं पहले ही यह बात कह चुका हूं कि जैसे ही हमारे पास पैसे अवेलेबल होंगे, बाकि जगहों पर भी काम भाुरू हो जाएगा।

Upgradation of Government High School, Naunaund

***262. Shri Balwant Singh:** Will the Minister for Education be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to upgrade the Government

High School for Boys, Naunaund in Rohtak district to 10+2 level; and

(b) if so, the time by which the said school is likely to be upgraded?

ि ाक्षा मंत्री (श्री राम बिलास भार्मा):

(क) वर्तमान में विद्यालय को स्तरोन्नत करने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

(ख) प्र न ही नहीं उठता।

श्री बलवंत सिंह: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि क्या इनको इस बात का पता है कि वह स्कूल अपग्रेडे ान के सारे नार्म्ज पूरे करता है या नहीं। मैं फिर भी इनकी जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि वह स्कूल सारे नार्मज पूरे करता है और वहां पर बच्चों की संख्या भी पूरी है, कमरे भी पूरे बने हुए हैं। दूसरे मैं यह कहना चाहूंगा कि यह स्कूल काफी पुराना है। इसलिए मैं आपके माध्यम से मंत्री जी को कहना चाहूंगा कि वे अपनी नजर ठंडी करके इस तरफ ध्यान देकर इसको अपग्रेड करने की कृपा करें।

श्री राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, मैंने इसी सदन में और माननीय सदस्य श्री मायना जी के सवाल के जवाब में एक बात बड़ी स्पश्ट की है कि जो विद्यालय नार्म्ज पूरे करते होंगे और जहां पर छात्रों की संख्या पूरी होगी, गांव की आबादी के हिसाब

से सही बैठता होगा और खेल कूद के हिसाब से वह स्कूल नार्म्ज पूरे करता होगा तो हम उसको दर्जा जरूर बढ़ाने पर विचार करेंगे।

श्री बलवंत सिंहः क्या मंत्री जी बताएंगे कि इस स्कूल में कितने कमरे हैं, कितने बच्चे हैं और क्या यह स्कूल नार्म्ज पूरे करता है या नहीं?

श्री राम बिलास भार्माः स्पीकर साहब, नोनंद गांव के स्कूल में कमरों की संख्या नार्म्ज के मुताबिक पूरी है। मैं बताना चाहूंगा कि इसमें एक जमीन का क्राईटेरिया है, फांसल का क्राईटेरिया है कि दूसरा स्कूल कितने किलोमीटर पर है। इस स्कूल से कोई डेढ़ किलोमीटर के फांसले पर एक 10+2 स्कूल है। हमने सारा सर्वेक्षण करवाया है उसके हिसाब से कमरों की संख्या पूरी है लेकिन इसके साथ में जो स्कूल है उस को ध्यान में रखते हुए इस स्कूल को अपग्रेड करने पर हम विचार नहीं कर रहे।

श्री बलवंत सिंहः अध्यक्ष महोदय, जिस स्कूल का ये जिक्र कर रहे हैं, वह बहुत दूर पड़ता है और बच्चों को दूर जाना पड़ता है। (विध्न) हमारे राज में इसको मिडिल से हाई स्कूल अपग्रेड कर दिया गया था। हम इसको अब प्लस टू का स्कूल अपग्रेड करवाना चाहते हैं। वह भी इसलिए करवाना चाहते है क्योंकि यह स्कूल सारे नार्म्ज पूरे करता है।

श्री राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, मैं पहले ही मानता हूं कि इस स्कूल में नार्म्ज के हिसाब से कमरों की संख्या पूरी है। इस स्कूल में 26 कमरें हैं जबकि नार्म्ज के हिसाब से हमें 14 कमरों की आव यकता होती है। मेरे कहने का मतलब है कि कमरों के हिसाब से यह स्कूल पूरा है लेकिन हम किसी स्कूल को अपग्रेड करते समय जो सरकार ने छः क्राईटेरिया बनाये हुए हैं उनमें से यह स्कूल 3 पूरे करता है औश्र 3 नहीं। इन तीन क्राईटेरिया को ध्यान में रखते हुए हम इस साल इस पर विचार नहीं कर रहे हैं।

श्री ओम प्रका I चौटाला: अध्यक्ष महोदय, अभी मंत्री जी ने अपने जवाब में किसी स्कूल को अपग्रेड करने के लिए नार्म्ज का जिकर किया है। साथ ही यह भी कहा है कि जिस स्कूल के फांसले से डेढ़ किलोमीटर पर दूसरा स्कूल है, तो हम उस स्कूल को अपग्रेड नहीं करते हैं। मैं जानना चाहता हूं कि क्या यह डेढ़ किलोमीटर के फांसले वाला क्राईटेरिया इन्होंने भाहरों में भी रखा हुआ है। क्या डेढ़ किलोमीटर के फांसले वाली बात कह कर सरकार ने देहात में और अर्बन एरिया में कुछ फर्क रखने का प्रयास नहीं किया है।

श्री राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, गांव में और भाहरों में जो क्राईटेरिया है उस बारे में मैं बताना चाहता हूं कि आबादी भाहरों में ज्यादा होती है और किसी स्कूल को अपग्रेड करने के लिए आबादी एक प्रमुख कारण है। भाहरों में और भी

कई संस्थाएं स्कूल चलाती हैं लेकिन मैं यह कहना चाहता हूं कि किसी स्कूल को अपग्रेड करने में कोई हार्ड एण्ड फास्ट नीति नहीं है। जहां पर ज्यादा आव यकता होती है वहां पर स्कूल को अपग्रेड कर दिया जाता है।

श्री ओम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, मेरे प्र न का संतोशजनक उत्तर नहीं आया है। मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि यह जो फांसले वाली भार्त है क्या इसमें अर्बन और रूरल एरिया बराबर हैं या कोई अन्तर है, ि ाक्षा मंत्री जी इस बारे में बताने की कृपा करें।

श्री राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब ने जो सवाल किया था उसका जवाब मैंने दे दिया है लेकिन वे मेरे उतर देने से सन्तुश्ट नहीं हैं यह मेरा दुर्भाग्य है, मैं इनको सन्तुश्ट करने के लिए अपने उत्तर को फिर से दोहराऊंगा और बताना चाहूंगा कि भाहर और गांव में डिस्टैंस के बारे में इन्होंने जो पूछा है कि दोनों बराबर हैं या फर्क है। मैंने माननीय सदन के समक्ष यह कहा है कि दोनों केसों में अन्तर है गांव और भाहर की आबादी तथा आव यकता को देखते हुए ही इस प्रकार का कोई फंसला लिया जाता है। आबादी के साथ यह भी देखना पड़ता है कि कहां आव यकता कम और कहा आव यकता ज्यादा है। इन बातों के लिए कोई हार्ड एण्ड फास्ट रूल नहीं है आव यकता के हिसाब से या आबादी के हिसाब से नॉमर्ज देख कर ही उस बारे में सरकार विचार करती है।

श्री भागी रामः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय ि ाक्षा मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि पिछले साल में और इस साल में जिन हल्कों में ज्यादा स्कूल बनाए हैं वे झज्जर, तो ाहम और ि ाक्षा मंत्री महोदय के अपने हल्के के एरियाज में बनाए हैं। क्या इस साल में उन हल्कों पर भी ध्यान दिया जाएगा जो कि विपक्ष के हल्के हैं और क्या उन हल्कों के साथ बिना भेदभाव के स्कूलों की संख्या बराबर करेंगे?

श्री अध्यक्षः यह इर–रैलेवैन्ट सवाल है।

Setting up of Sugar Mills at Assandh

***231. Shri Krishan Lal:** Will the Minister for Co-operation be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to set up a new Sugar Mill at Assandh in District Karnal?

सहकारिता मंत्री (श्री नरबीर सिंह): जी नहीं।

श्री कृश्ण लालः अध्यक्ष महोदय, वर्श 1990–91 में किसानों की कठिनाइयों को मद्देनजर रखते हुए सरकार ने असन्ध में एक चीनी मिल लगाने की योजना बनाई थी। मंत्री जी ने मेरे प्र न के उत्तर में ''नहीं'' कहा है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि इस नहीं का कारण क्या है, क्या यह विपक्षी हल्का है, इसके कारण तो कोई भेदभाव इस हल्के के साथ नहीं किया जा रहा है?

श्री नरबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, हरियाणा सरकार ने 4 भूगर मिलों की परपोजल सैंटर गवर्नमैंट को भेजी थी। ये परपोजल सिरसा, असन्ध, गोहाना और कुरूक्षेत्र जिला के गांव मुर्तजापुर के लिए थी। गवर्नमैंट ऑफ इण्डिया की एक सक्रीनिंग कमेटी द्वारा इसको सैंक ान दी जानी होती है उस ने इन चार मिलों में से गोहाना की केवल एक मिल की मन्जूरी दी है बाकी की तीनों स्थानों की परपोजल को रिजैक्ट कर दिया था।

श्री कृश्ण लालः स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से यह जानकारी चाहूंगा कि असन्ध में भूगर मिल लगाने के बारे में क्या सरकार फिर से विचार करेगी?

श्री नरबीर सिंहः ये दरख्वास्त दे दें सरकार उस पर फिर से विचार कर लेगी।

श्री रामपाल माजराः अध्यक्ष महोदय, भूगर मिल जो गोहाना में मन्जूर हुआ है उसका काम कब तक भुरू होगा। क्या मंत्री जी इस बारे में बताने की कृपा करेंगे?

श्री नरबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, यह सवाल परसों के लिए लगा हुआ है, उस दिन इनका पूर्ण जवाब दे दिया जाएगा।

श्री जसविन्द्र सिंह संधुः अध्यक्ष महोदय, जो 4 भूगर मिलें लगाने की परपोजल थी उनमें से मेरे हल्के के गांव मुर्तजापुर में भी मिल लगनी थी जो कि मंत्री जी ने बताया है कि सैंटर गवर्नमैंट ने इस परपोजल को रिजैक्ट कर दिया है। मैं

माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि क्या वे गांव मुर्तजापुर में भूगर मिल लगाने के लिए फिर से प्रस्ताव सैंटर गवर्नमैंट के पास भिजवाने के बारे में विचार करेंगे?

श्री नरबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, ये दोबारा से दरख्वास्त दे दें इस पर विचार करवा लेंगे।

Loss suffered by Haryana Roadways

***275. Shri Anil Vij:** Will the Minister for Transport be pleased to state the depot-wise details of the loss suffered by Haryana Roadways during the year 1991-92, 1992-93, 1993-94, 1994-95, 1995-96 and 1996-97?

परिवहन मंत्री (श्री कृश्ण पाल गुर्जर): विवरणी सदन के पटल पर रखी है।

विवरणी

Statement showing Profitability/Losses Depot-wise for last five years

(Rs. Lacs)

S. No.	Depot	As per Balance Sheet	As per Balance Sheet	As per Reconciled A/C	As per Reconciled A/C	As per Reconciled A/C	Tentative
1	2	3	4	5	6	7	8

Tata							
1.	Ambala	25.24	167.93	125.16	11.81	-37.54	-198.45
2.	Chandigarh	-223.52	201.15	266.77	234.56	113.60	-101.04
3.	Karnal	-74.42	56.76	17.40	-117.58	-163.77	-68.21
4.	Jind	-4.80	-28.67	-99.20	-66.68	-206.43	-113.38
5.	Kaithal	-86.58	4.69	12.92	-23.33	-206.87	-68.34
6.	Sonipat	77.84	194.89	108.51	-98.11	-301.48	-107.46
7.	Y. Nagar	-14.33	32.91	82.72	70.29	-102.68	-44.36
8.	Delhi	53.54	193.38	379.35	300.65	179.41	124.02
9.	Kuruksh etra	-134.70	133.05	120.20	61.28	-11.92	-97.65
10	Panipat	-	16.04	52.95	1.23	-124.24	-126.16
	Sub Total	-378.73	972.13	1066.78	374.12	-961.92	-801.03
1	2	3	4	5	6	7	8
Leyland							
11	Gurgaon	24.99	102.02	124.37	129.22	2.21	-177.14
12	Rohtak	-191.97	-41.67	-69.93	-295.15	-322.79	-238.80
13	Hisar	-161.46	-	-67.27	-153.02	-259.76	-251.14

			164.99				
14	Rewari	-82.93	-28.46	-111.64	-100.57	-103.81	-346.31
15	Bhiwani	-163.04	-123.58	-116.85	-107.41	-223.20	-338.30
16	Sirsa	-72.86	-62.14	-76.80	-103.63	-330.38	-307.38
17	Faridabad	0.04	32.59	0.43	-109.23	-191.64	-111.66
18	Fatehabad	-41.85	20.89	-52.18	-23.92	-75.88	-105.85
19	Dadri	-151.75	-159.19	-79.10	-146.00	-248.53	-188.09
Sub Total (L)		-84.83	-424.53	-448.97	-909.71	-1753.78	-2064.67
G Total (1-19)		-1219.56	547.60	617.81	-535.59	-2715.70	-2865.70

अध्यक्ष महोदय, पिछले छः सालों में कितने डिपोज घांटे में और लाभ में रहे इस बारे में मैं आपको बता देता हूं। वर्श 1991–92 में 13 लौस में और 5 लाभ में रहे, वर्श 1992–93 में 7 लौस में और 12 प्रोफिट में रहे, 1993–94 में 8 लौस में और 11 प्रोफिट में रहे, 1994–95 में 12 लौस में और 7 प्रोफिट

में रहे, 1995–96 में 16 लौस में और 3 प्रोफिट में रहे तथा अप्रैल 1996 से जनवरी 1997 तक 18 लौस में और एक प्रोफिट में रहा।

श्री अनिल विजः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने जो विवरणी प्रस्तुत की है इसको देख कर और इन्होंने जो बताया है उससे पता लगता है कि अनेकों डिपोज में कई वर्शों से घाटा है। जिसमें रोहतक, जींद, हिसार, रिवाड़ी, भिवानी, सिरसा, फतेहाबाद और दादरी लगभग 6–7 सालों से घाटे में चल रहे हैं। मेरा साधारण सा सवाल है कि इनकी दुकान पिछले कई सालों से घाटे में चल रही है इसका क्या कारण है?

श्री कृश्ण पाल गुर्जरः अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य को यह बताना चाहूंगा कि यह घाटा काफी अर्से से चल रहा है और इसका कारण अव्यस्था है जिसको पिछले लोग खराब करके चले गए हैं। उसका विवरण मैं आपको दूंगा। अध्यक्ष महोदय, जब से हरियाणा में चौधरी बंसी लाल जी के नेतृत्व में हविपा और भाजपा के गठबन्धन की सरकार आई है और यह सरकार व्यवस्था परिवर्तन के लिए मूल रूप से आई है। जो घाटा आया है वह पिछली व्यवस्था की वजह से आया है। जिन कमियों की वजह से घाटा आया है उन कमियों को मूल रूप से देखा जाएगा। यह जो रोड़वेज का विभाग है इसको घाटे में नहीं कहा जा सकता है।

परिवहन विभाग केवल लाभ कमाने के लिए नहीं है अपितु इस विभाग द्वारा लोगों को पर्याप्त बस सेवा प्रदान करना प्रथम कर्तव्य है। जैसाकि कई रूटों पर आय कम होने के बावजूद भी बस सेवा प्रदान करनी पड़ती है।

हरियाणा में पैसेन्जर टैक्स दे ा में (60 प्रति ात) सबसे अधिक है यदि इस आय को साथ मिलाया जाए तो रोड़वेज में कोई घाटा नहीं है। वर्श में सरकार को विभाग लगभग 100 करोड़ रुपये के करीब पेसैन्जर टैक्स देता है।

इसके अतिरिक्त सो ाल औबलीगे ान के तौर पर विभिन्न श्रेणियों के यात्रियों को मुफ्त व रियायती बस सेवा प्रदान की जाती है। जिससे रोड़वेज पर लगभग 100 करोड़ रुपये का प्रति वर्श भार पड़ता है। मुफ्त सेवा प्राप्त करने वालों में एम0एल0ए0, एम0पी0, स्वतन्त्रता सेनानी, बार विडोज, मान्यता प्राप्त प्रत्रकार, 100 प्रति ात विकलांग, अर्जुन इनाम विजेता खिलाड़ी, थेलासिमीया वाले रोगी तथा साक्षात्कार के लिए प्रार्थी।

रियायती यात्रा करने वाले जैसा किः

(क) विद्यार्थी, पुलिस कर्मचारी, कर्मचारी पास।

(ख) पंचकूला/चण्डीगढ़ में रहने वाले कर्मचारियों को अपने कार्यालय में जाने व आने के लिए केवल एक तरफ का 2 रु0 का किराया चार्ज किया जाता है जोकि वास्तविक खर्चे से भी कम है

(ग) स्कूलों के बच्चों के जाने व आने के लिए वि ोश बस सेवा प्रतिदिन उपलब्ध की हुई है जिसमें की आय की मात्रा बहतु कम आती है।

(घ) प्रातः तथा सांय को नजदीक के गांवों से भाहर में आने तथा जाने के लिए बस सेवा प्रदान की जाती है। चाहे उसमें 10 या 20 सवारी हों।

उपरोक्त के अतिरिक्त हानि के मुख्य कारण निम्नलिखित हैं:

1. अक्तूबर 1993 से जुलाई 1996 तक बसों के किराये में कोई बढ़ोतरी नही की गई है जबकि सभी मदों के खर्चे में बढ़ोतरी आती रही है।

2. कर्मचारियों के वेतन में ही वार्शिक वृद्धि अतिरिक्त मंहगाई भत्ता, अन्तरिम राहत, स्टैण्डर्ड स्केल, मैडिकल सुविधा इत्यादि की वजह से खर्चे की बढ़ोतरी हुई है। कुल खर्चे का एक तिहाई से अधिक केवल कर्मचारियों पर खर्च होता है।

3. प्रति वर्श कल पुर्जों, टायर टयूब व अन्य मदों में लगातार लगभग 10 प्रति ात प्रति वर्श की वृद्धि होती रही है।

4. जुलाई से डीजल की कीमतों में 15 प्रति ात की वृद्धि हुई है।

5. बस चैसिज व बाडी बनाने की कीमतों में वृद्धि के कारण पूंजी पर ब्याज व डैपरीसिऐ ान में लगभग 100% वृद्धि आई है।

ये सारे कारण हैं जो मैं माननीय सदस्य को बताना चाहता था।

श्री अध्यक्षः माननीय मंत्री जी, आपने जो 1991 से लेकर लगातार बाद के सालों का रोड़वेज के घाटे के बारे में अपने जवाब में बताया है तथा इस विवरण में जो आपने 1994–95 के आंकडे द ार्ाए हैं उनको देखकर लगता है कि इसमें बहुत भारी हानि हुई है और स्थिति बहुत हृदय विदारक है। क्या आप बताएंगे कि 1994–95 एवं 1995–96 में कौन से ऐसे हालात थे जिनकी वजह से दूसरे सालों के मुकाबले में रोड़वेज को बहुत ज्यादा घाटा उठाना पड़ा?

श्री कृश्ण पाल गुर्जरः स्पीकर साहब, पहली बात तो इस बारे में यह है कि 1994–95 में रोड़वेज में किरायों की बढ़ोतरी नहीं हुई और 1995–96 में प्रदे ा में भयंकर बाढ़ भी आई जिसकी वजह से भी रोड़वेज को काफी घाटा हुआ। इसके अलावा पिछली सरकारों में मिनी बसिज की भी जो खरीद हुई उसकी वजह से भी हरियाणा रोडवेज को लगभग आठ करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। अध्यक्ष महोदय, ये मिनी बसिज टैक्नीकल कमेटी की रिपोर्ट को अनदेखी करके खरीदी गयी थी। बाद में इन बसिज

को बंद भी करना पड़ा था तथा इनको सस्ते दामों पर बेचना भी पड़ा। कुछ मिनी बसिज अभी भी ऐसे ही पड़ी हुई हैं।

श्री विजेन्द्र सिंह कादयानः अध्यक्ष महोदय, पिछली सरकारों के समय में हरियाणा रोडवेज में डुप्लीकेट टिकटें बिकती रहीं। क्या यह बात सत्य है और अगर यह बात सत्य है तो क्या मंत्री जी बताएंगे कि उन लोगों के खिलाफ क्या कार्यवाही की गयी?

श्री कृश्ण पाल गुर्जरः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि पिछली सरकारों मे क्या–क्या होता रहा है वैसे इस बारे में तो चौधरी भजन लाल जी एवं ओम प्रका ा चौटाला साहब ही बता सकते हैं, वे यहां पर बैठे हुए हैं लेकिन जिस पर्टीकुलर क्वै चन के बारे में इन्होंने पूछा है तो मैं इनको बताना चाहूंगा कि 1988–89 में चण्डीगढ़ डिपों में कुछ जाली टिकटें पकड़ी गयी। अब यह मामला कोर्ट में लम्बित है। इसके अलावा 58,370 रुपये की और जाली टिकटें पकड़ी गयीं। इस मामले में निमय 7 के अंतर्गत विभागीय कार्यवाही की जा रही है।

श्री अनिल विजः अध्यक्ष महोदय, इस क्षेत्र में हमारी बहुत ज्यादा पूंजी लगी हुई है और उसके बावजूद भी ये इसमे इतना घाटा दिखा रहे हैं। इन्होंने कुछ कारण देते हुए बताया कि पिछले पांच वर्शों में लगभग 33 करोड़ रुपये का घाटा हुआ है।

क्या मंत्री जी ऐसे घाटे को मुनाफे में बदलने के लिए भी कोई उपाय करने जा रहे हैं एवं उन्होंनं अभी तक इस बारे में क्या क्या तरीके अपनाने की योजना बतायी है।

श्री कृश्ण पाल गुर्जरः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि जैसे मैंने भाुरू में भी कहा कि चौधरी बंसीलाल के नेतृत्व में हविपा और भाजपा की सरकार व्यवस्था परिवर्तन के लिए आयी है। हमें विरासत में अनेक वर्शों का चरमराया हुआ ढांचा मिला है। अनके वर्शों की खराब हुई व्यवस्था को सुधारने में हमें कुछ समय तो लगेगा ही। हम इस बारे में कुछ पग उठा रहे हैं। यह मैं इनको वि वास दिलाता हूं। चौधरी बंसी लाल के नेतृत्व में यह सरकार इस व्यवस्था को जल्दी ही ठीक करेगी।

श्री रामफल कुंडूः स्पीकर सर, मैं आपके द्वारा मंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि इन्होंने जो यह कहा कि इनके कुछ डिपोज प्रोफिट में भी चल रहे हैं तो क्या वहां पर कर्मचारियों का वेतन नहीं बढ़ाया गया, क्या वहां पर स्वतंत्रता सेनानी या एम0एल0एज0 बसिज में यात्रा नहीं करते, क्या वहां पर स्टूडैंट्स बसिज में नहीं बैठते, और क्या वहां पर बसिज का किराया नहीं बढ़ाया गया? अध्यक्ष महोदय, अगर वहां पर ये सारी बातें हुई थीं तो फिर ये डिपो कैसे प्रोफिट में आए?

श्री कृश्ण पाल गुर्जरः अध्यक्ष महोदय, मैं अभी बताया था कि जहां इस घाटे के कुछ अन्य कारण रहे हैं, वहां ये बातें भी घाटे में भाामिल थीं। अध्यक्ष महोदय, पिछले तीन वर्शों से बसिज के किरायों में बढ़ौतरी नहीं की गयी जिसकी वजह से रोडवेज में घाटा हुआ। सर, यह घाटे का मूल कारण है।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य श्री रामफल कुण्डू के सवाल के जवाब में मंत्री जी ने कहा है कि इन–इन डिपुओं में मुनाफा रहा और इन–इन में इस वजह से घाटा रहा कि एम0एल0ए0 और स्वतंत्रता सैनानी उन डिपोज की बसों में बैठते हैं तथा कर्मचारियों की तनख्वाह कढ़ती रही। सवाल यह है कि जो डिपोज मुनाफे में रहे क्या उन डिपोज की बसों में विधायक नहीं बैठे, स्वतंत्रता सैनानी नहीं बैठे या उन डिपोज में कर्मचारियों की तनख्वाह नहीं बढ़ी इस बारे में मंत्री जी विवरण दें।

श्री कृश्ण पाल गुर्जरः मैं माननीय चौटाला साहब को बताना चाहूंगा कि मैंने जो सवाल का जवाब दिया था वह उन तमाम डिपोज के बारे में दिया था कि कौन–कौन से डिपोज प्रोफिट में रहे और कौन–कौन से घाटे में रहे और उनके पिछे क्या कारण है वह मैंने गिनाए हैं। सिर्फ एम0पी0, एम0एल0ए0 की ही बात नहीं है, बहुत से लोगों को ये सुविधाएं दी गई है। जो लौस मैंने बतलाया है वह अगर असलियत में देखा जाए तो घाटज्ञ

नहीं है क्योंकि हमने कहा है कि 100 करोड़ रुपया प्रतिवर्श हम पैसेन्जर टैक्स के रूप में सरकार को देते हैं।

श्री अध्यक्षः मंत्री जी, माननीय सदस्य और विपक्ष के नेता जो आपसे जानकारी चाहते हैं वह केवल इतनी बात है कि दिल्ली का डिपो तो मुनाफे में रहा और सोनीपत का डिपो घाटे में रहा, इसका क्या कारण है?

जन स्वास्थ्य मंत्री (श्री जगननाथ): सर, जिन डिपुओं से लम्बे रूट की बसें चलती हैं जैसे चंडीगढ़, अम्बाला, फरीदाबाद और दिल्ली वे बसें लम्बे रूट पर जैसे जम्मू–क मीर, ि ामला, हरिद्वार, ग्वालियर और जयपुर जाती हैं यानी लम्बे रूट पर जाती हैं, उनमें फायदा है और जिन डिपुओं में छोटे रूटस होते हैं जैसे जींद इत्यादि हैं उनमें घाटा रहता है।

Providing of Ganga Water

***322. Shri Dhir Pal Singh:** Will the Chief Minister be pleased to state whether Government has formulated any scheme to construct a canal which of takes from the Ganga river near Haridwar (U.P.) to Yamuna near Karnal has been surveyed by Govt. of India.

श्री धीर पाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी ने मेरे लिखित प्र न का जो अभी रिप्लाई दिया है, उसमें जो प्रका ा डाला है, उसे देखने के बाद महसूस होता है कि यह स्कीम कभी बनी थी। उसके बाद केन्द्र सरकार और उत्तर प्रदे ा सरकार ने

उसको रिजैक्ट कर दिया। मुख्य मंत्री जी ने चुनाव से पहले मेरे इलाके में कहा था कि आपका इलाका भिवानी की तरफ खु क है इसलिए वहां पर गंगा का पानी देने की बात इन्होंने कही थी। पानी गंगा का है नहीं, इस तरह की कोई स्कीम भी नहीं है और कोई इस तरह का प्रस्ताव भी नहीं है। (विध्न) बाद में वह स्कीम रद्द हो गई थी। आप कृप्या बताएं कि भारत सरकार ने इस बारे में जो सहमति व्यक्त नहीं की थी वह तारीख क्या है?

श्री बंसी लालः तारीख इस वक्त मेरे पास नहीं है लेकिन अध्यक्ष महोदय, जैसा मैंने कहा कि भाारदा नदी के पानी को गंगा क्रोस करके यमुना में मिलाने का प्रोपोजल भारत सरकार की है और उसको राजस्थान तथा मध्य प्रदे ा ले जाने का प्रोग्राम है। यह जो भाारदा नदी जिसका मैंने जिक्र किया है यह भी गंगा नदी की ही ट्रिब्यूटरी है जिसमें सबसे ज्यादा पानी है।

श्री धीरपाल सिंहः स्पीकर सर, मैं आपके द्वारा मुख्य मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि जब यह हरिद्वार का फालतू पानी नहीं था तो चुनाव के दौरान गंगा का पानी लाने का वायदा किस आधार पर किया गया था। आज भाारदा नदी के पानी को लाने की बात की गई है कृपया बतायें कि भाारदा नदी का पानी लाने की प्रोपोजल कब बनी?

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, यह जो गंगा का पानी है इसके केस को हम आज भी भारत सरकार के साथ टेक अप

करने जा रहे हैं। साल में 92 दिन यानि तीन महीने और दो दिन भारदा नदी का पानी एवेलेबल रहता है। हम इस केस को भारत सरकार से पर यू करने जा रहे हैं। भारदा नदी के पानी को यमुना में लाने का प्रोग्राम करीब तीन साल से चल रहा है और इसकी एक मीटिंग इस महीने की चार तारीख को हुई थी।

Construction of Building of G.H.S. Dekhora (Rohtak)

***351. Shri Nafe Singh Rathee:** Will the Minister for Education be pleased to state that the time by which the building of Government High School in Village Dekhora (District Rohtak) is likely to be constructed/completed?

ि ाक्षा मंत्री (श्री राम बिलास भार्मा): राजकीय उच्च विद्यालय, देखोरा (रोहतक) में मुरम्मत/नव निर्माण का कार्य प्रगति पर है तथा निकट भविश्य में पूर्ण हो जायेगा।

श्री नफे सिंह राठी: अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि निकट भविश्य में क्या कोई समय बताने का कश्ट करेंगे कि यह काम कब तक पूरा हो जायेगा और बहादुरगढ़ मण्डल में ऐसे कितने स्कूल हैं जिनमें काम पूरा नहीं हुआ है?

श्री राम बिलास भार्मा: स्पीकर सर, मैं माननीय सदस्य को बताना चाहता हूं देखोरा स्कूल की मुरम्मत पर अब तक 75 हजार रुपये खर्च किये जा चुके है। और 60 हजार रुपये अप्रैल तक खर्च कर दिये जायेंगे तथा तब तक इस काम की पूरा होने की संभावना है।

श्री नफे सिंह राठी: अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि बहादुरगढ़ मण्डल में ऐसे कितने स्कूल हैं जिनका काम पूरा नहीं हो पाया है और कब तक पूरा होने की संभावना है?

श्री राम बिलास भार्मा: स्पीकर सर, माननीय सदस्य इस बारे में सैप्रेट नोटिस दे दें तो माननीय सदस्य को इस बारे में बता दिया जायेगा।

Construction of Bridge

***355. Shri Sri Krishan Hooda:** Will the Minister for PWD (B&R) be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a bridge on Asan Drain between Kansala to Kansrati (District Rohtak); and

(b) if so, the time by which the aforesaid bridge is likely to be constructed?

लोक निर्माण मंत्री (श्री धर्मबीर यादव): कनसाला कंसरैटी सड़क पर पुल बनाना को कोई प्रस्ताव लोक निर्माण विभाग के पास इस समय विचाराधीन नहीं है।

श्री सिरी कृश्ण हुड्डा: स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से प्रार्थना करूंगा कि यह आम रास्ता है इस पुल पर बनाने की अगर गुंजाइ ा नहीं है तो कम से कम एक पाईप ही दबवा दें।

श्री धर्मबीर यादवः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य की प्रार्थना पर विचार किया जायेगा।

श्री जसविन्द्र सिंह संधुः अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि पिछली सरकार के वक्त मेरी कांस्टीच्यूंसी पेहवा में गांव क्यूंकर से जकेला के बीच एक पुल बनाने का फैसला हुआ था तथा उस वक्त के मंत्री ने वहां पर आधारि ाला भी रखी थी वह पुल कब पूरा करवायेंगे?

श्री धर्मबीर यादवः अध्यक्ष महोदय, स्थिति का जायजा लिया जाएगा और उसके मुताबिक उस पर काम किया जाएगा।

Sir Chhotu Ram Stadium Rohrak

***297. Shri Balbir Singh:** Will the Minister for Sports be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a Hall for Indoor games and to provide modern facility in Sir Chhotu Ram Stadium at Rohtak?

खेल राज्य मंत्री (श्री राम सरूप रामा): हां श्रीमान जी।

श्री बलबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि कितने दिन में यह स्टेडियम तैयार हो जाएगा और क्या वहां पर आधुनिक सुविधाएं भी उपलब्ध करवाई जाएंगी अथवा नहीं?

श्री राम सरूप रामाः अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय साथी को आपके माध्यम से बताना चाहूंगा कि सर छोटूराम स्टेडियम रोहतक में इण्डोर खेलों की आधुनिक सुविधाएं प्रदान करने हेतु बहु–उद्दे ीय हाल के निर्माण का प्रस्ताव अगस्त, 1994 से सरकार के विचाराधीन है। इस बहुउद्दे ीय हाल की अनुमानित लागत 77,75,000 रुपए आंकी गई है। प्रस्ताव ड्राईंग सहित भारत सरकार को अगस्त, 1994 में वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतु प्रस्तुत किया गया था। उन्होंने अपने पत्र दिनांक 22–9–94 द्वारा ड्राईंग्ज में कुछ कमियां बताई थीं जिनको दूर करने हेतु जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी जो कि जिला खेल परशिद के सदस्य सचिव होते हैं, को कहा गया था। इन कमियों को दूर करने संबंधी मामला अभी तक जिला खेल परिशद, रोहतक के स्तर पर विचाराधीन है। मैं माननीय साथी को यह भी बताना चाहता हूं कि बहु–उद्दे ीय हाल टेबल टैनिस, बैडमिंटन, जुड्डो, कु ती, जिम्नास्टिक, तलवारबाजी, योगा और बाक्सिंग इण्डोर खेलों के लिए प्रयोग किया जाएगा।

Providing of Transport facility to the Chairman, Panchayat Samitis

***343. Shri Kailash Chander Sharma:** Will the Minister for Development & Panchayats be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to provide the transport facility to the Chairman of Panchayat Samitis for attending to the Public grievances in their constituencies?

Development Minister (Shri Kanwal Singh): Community Development Blocks in the State have been provided with a Jeep each which can be used by the Chairman, Panchayat Samiti, along with other officials, for official journeys. Chairman, Panchayat Samitis have also been given the facility of Travelling allowance.

श्री कैला ा चन्द भार्मा: अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री महोदय को आपके माध्यम से बताना चाहता हूं कि पंचायत समितियों को जो जीपें दी हुई हैं, उन जीपों को खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी ज्यादातर इस्तेमाल करते हैं और वे चेयरमैन, पंचायत समिति को प्रयोग में नहीं लाने देते हैं। इसलिए मेरी मंत्री जी से प्रार्थना है कि इसके लिए या तो कोई समय सीमा निर्धारित की जाए या कोई अन्य उपाय किया जाए क्योंकि पंचायत समितियों से इस प्रकार की ि ाकायतें प्राप्त हुई हैं।

श्री कंवल सिंह: अध्यक्ष महोदय, बी0डी0पी0ओ0 ब्लॉक का एग्जीक्यूटिव ऑफिसर भी होता है, इसलिए उसके पास ज्यादा काम होता है तथा ज्यादातर वह इस जीप का प्रयोग करता है। लेकिन चेयरमैन भी इस जीप को यूज कर सकता है।

श्री कृश्ण लाल: स्पीकर साहब, ब्लाक हैड क्वार्टर को जो जीप प्रचेज की जाती है क्या उसके लिए ऐसा कोई प्रावधान है कि उसके लिए पंचायतों से पैसा लिया जाए क्योंकि बी0डी0पी0ओज0 जीप के लिए पंचायतों से पैसा ले लेते हैं और उसकी रसीद काट देते हैं।

श्री कवल सिंहः स्पीकर साहब, हमारे पास ब्लाक्स में जितनी जीपें हैं उनमें से कुछ जीपें पंचायत के पैसे से खरीदी हुई हैं और कुछ जीपें गवर्नमैंट की तरफ से खरीदी हुई हैं। आयंदा जो जीपें खरीदेंगे वे एच0आर0डी0एफ0 के पैसे से खरीदेंगे।

Illegal Possession on HUDA Land

***366 Shri Bhagi Ram:** Will the Minister for Town & Country Planning be pleased to state-

(a) whether it is fact that the land of HUDA in Ellenabad Sub Division is under illegal possession. If so, the total acreage thereof; and

(b) the steps, if any, taken or proposed to be taken to get the said land vacated?

नगर एवं ग्रामीण विकास मंत्री (सेठ सिरी कि ान दत्त):

(ए) हां श्रीमान् मण्डी टाऊनि ाप ऐलनाबाद में हुड्डा की 250.33 एकड़ भूमि पर अवैध कब्जा है।

(बी) अवैध कब्जाधीन 250.33 एकड़ भूमि में से 68 एकड़ भूमि विभिन्न सिविल न्यायालयों के स्थगन आदे ाों के आधीन है। हुड्डा द्वारा भूमि को वापिस लेने के लिए इन कोर्ट केसों की पैरवी की जा रही है, भोश 182.33 एकड़ भूमि का कब्जा लेने के लिए हुड्डा एक्ट के अन्तर्गत पहले ही नोटिस जारी किए जा चुके हैं।

श्री भागी रामः अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी ने मेन सवाल के जवाब में बताया है कि 68 एकड़ का मामला कोर्ट में है और 182 एकड़ जमीन ऐसी है जिसके बारे में कोई मामला नहीं है। मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि 182 एकड़ जमीन के कब्जे के लिए हुड्डा एक्ट के तहत कब नोटिस जारी किए और इस जमीन पर कब से कब्जा चला आ रहा है?

सेठ सिरी कि ान दत्तः स्पीकर साहब, 182 एकड़ जमीन पर नाजायज कब्जा है। इस जमीन के बारे में कोर्ट से फैसला नहीं हुआ है परन्तु कानूनी कार्यवाही करके कब्जा लिया जा सकता है।

श्री भागी रामः अध्यक्ष महोदय, जिस जमीन के बारे में कोर्ट में कोई मामला नहीं है उसका कब्जा तो लिया जा सकता है।

श्री अध्यक्षः मंत्री जी की तरफ से जवाब आया है कि कानूनी कार्यवाही करके कब्जा लिया जा सकता है।

श्री भागी रामः अध्यक्ष महोदय, 182 एकड़ जमीन ऐसी है जिस के बारे में कोर्ट के अन्दर कोई मामला नहीं है। अध्यक्ष महोदय, इस जमीन के बारे में करोड़ों रुपए का घपला है। औफिसर्ज की मिलीभगत से यह जमीन 100–100 और 150–150 रुपये एकड़ के हिसाब से पट्टे पर फर्जी दी गई दिखाई गई है जबकि उस जमीन का एक साल का एक साल का एक एकड़ का

पांच हजार से सात हजार रुपए तक का ठेका मिल सकता है। सरकार ने उस जमीन को अपने कब्जे में ले रही है और न ठेके पर दे रही है तथा न ही उसकी कोई नीलामी कर रही है। उस 182 एकड़ जमीन पर लोगों का नाजायज कब्जा है। मैंने इस बारे में सिरसा से जो मंत्री हैं उनसे बात की थी उन्होंने कहा था कि यह सरकार की ज्यादती है।

Mr. Speaker: The matter is subjudice. Please take your seat.

Construction of a Bridge on Drain No. 8

***370. Shri Virender Pal Ahalawat:** Wil the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct/repair the damaged bridge of Drain No. 8 on Jahajgarh Palra road; and

(b) if so, the time by which the said bridge is likely to be constructed/repaired?

Chief Minister (Shri Bansi Lal):

(a) The construction work of a new bridge on Jahajgarh-Palra Road has been started on 18-2-97.

(b) The construction of this bridge is planned to be completed by 15-7-97.

श्री जसविन्द्र सिंह संधु: स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मुख्य मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि पिछली सरकार के वक्त

में जिन पुलों के निर्माण के लिए एस्टिमेटस बन गए थे और पैसा भी मंजूर हो गया था तथा उनका पी0डब्ल्यू0डी0 मिनिस्टर ने ि ालान्यास रख दिया था क्या उन पुलों को प्रायर्टी बेस पर बनाया जाएगा। मेरे हल्के के गांव टिक्यूर से जखोला के बीच में जो पुल बनना है क्या वह बनाया जाएगा?

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, हम तो किसी विपक्षी दल के आनरेबल मैम्बर के हल्के के साथ भेदभाव नहीं करेंगे। अभी मैंने जिस सवाल का जवाब दिया है वह भी तो डॉक्टर वीरेन्द्र पाल विपक्षी हल्के के हैं। हम जिस जगह का ठीक समझेंगे उस पुल को जरूर बनवाएंगे। आप मुझे उस पुल के बारे में लैटर लिख देना अगर वह पुल जरूरी बनाना है तो उसको जरूर बनवाएंगे।

Number of Sarpanches under Suspension

***382. Shrimati Kartar Devi:** Will the Minister for Development and Panchayat be pleased to state-

(a) the number of Sarpanches under suspension or dismissed in the State till to-date, separately; and

(b) the number of Sarpanches out of those as referred to in part (a) above, who are women. Scheduled Castes and Backward Classes, separately?

Development Minister (Shri Kanwal Singh):

(a) 75 Sarpanches are under suspension (as on 25-2-97). 12 Sarpanches have been dismissed during 16th January, 1995 to 25th February, 1997.

(b) Out of 75 suspended Sarpanches, 22 are women; and 23 and 6 belong to Scheduled Castes and Backward Classes respectively.

Out of 12 dismissed Sarpanches, 2 are women; and 4 and 1 belong to Scheduled Castes and Backward Classes respectively.

15.00 बजे

श्रीमती करतार देवी: अध्यक्ष महोदय, पंचायती राज एक्ट की मं ाा यह थी कि जो कमजोर वर्ग हैं, चाहे वे महिलाएं हैं, एस0सीज0 हैं या बी0सीज0 हैं उनको भी गांवों के विकास में पूरी भागीदारी मिलेगी और पूरा सम्मान मिलेगा। लेकिन मंत्री महोदय ने जो जवाब दिया है उसमें इन्होंने 22 महिलाएं, 23 एस0सीज0 और 6 बी0सीज0 सरपंच को निलंबित बताया है यानि 51 के करीब संस्पैंड बताया है। मैं मंत्री जी के नोटिस में लाना चाहूंगी इन निलंबित सरपंचिज में से 8–10 केसिज तो मेरे नोटिस में है। जिनके खिलाफ कोई सीरियस एलीगे ान नहीं है लेकिन फिर भी उनको निलंबित किया हुआ है। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहती हूं कि क्या इन कमजोर वर्गों को संरक्षण देने के लिए सरकार कोई कारगर कदम उठायेगी और बी0डीओज0 को

आदे ा जारी करेगी कि उनको पूरा को–आप्रेट किया जायेगा तथा उनको बेवजहा सस्पैंड नहीं किया जाएगा।

श्री कंवल सिंहः इन्होंने जो एक क्यूरी लगा दी कि 22 आरक्षित महिला सरपंच को सस्पैंड किया गया है। मैं इनकी जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि जो फिगर्स मैंने 22.23 और 6 की दी हैं उनमें जनरल कैटेगरी की महिला सरपंच भी भाामिल हैं।

श्रीमती करतार देवीः अध्यक्ष महोदय, मैंने यह नहीं कहा कि 22 महिला सरपंच आरक्षित वर्ग की निलंबित की गई हैं मैं इनको रिजर्व कैटेगिरी में नहीं बांट रही। मेरा कहना तो यह है कि महिलाएं तो महिलाएं हैं चाहे वे किसी भी वर्ग की हैं। उनको पूरा दर्जा और सम्मान नहीं मिल रहा चाहे वे किसी भी वर्ग की हों। मेरा कहना यही है कि क्या सरकार इनको संरक्षण देगी?

श्री कवंल सिंहः अध्यक्ष महोदय, सरकार की तरफ से पूरा संरक्षण है। यदि कोई गलत काम करेगा तो उसके खिलाफ जरूर कार्यवाही की जायेगी चाहे वह किसी भी वर्ग से संबंधित क्यों न हो।

श्री बिजेन्द्र सिंह कादयानः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि यदि किसी सरपंच के खिलाफ सारी पंचायत हो तो क्या उसके खिलाफ कोई कार्यवाही की जा सकती है या नहीं?

श्री कवंल सिंहः कानून में इस बात का प्रावधान है कि कोई गलत काम करेगा तो उसके खिलाफ कार्यवाही की जा सकती है। यदि किसी सरपंच के खिलाफ सारी पंचायत है तो वह उसके खिलाफ अवि वास का रैज्योल्यू ान ला सकती है और जब तक वह पंच उसके साथ नहीं होंगे तब तक वह कोई काम नहीं कर पायेगा (विध्न) अध्यक्ष महोदय, यदि किसी सरपंच को हटाना हो तो बाकायदा कानून में प्रावधान है कि दो तिहाई सदस्य उसको हटाने के लिए लिख कर दे सकते हैं, तो उसे हटाया जा सकता है। (विध्न) यदि गांव की पंचायत के दो तिहाई सदस्य उसके खिलाफ हैं, तो उसको हटाया जा सकता है। (विध्न) यदि ग्राम पंचायत की मीटिंग बुलाकर उसके खिलाफ 51 परसेंट वोट देते हैं तो उसको हटाया जा सकता है।

श्री आनन्द कुमार भार्माः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी को यह बताना चाहूंगा कि महिलाओं को जो आरक्षण मिला हुआ है उनके अगेन्सट जो महिलाएं सरपंच का काम कर रही ह। उनमें से महिलाओं के पति या उन के भाई असल काम कर रहे हैं। क्या मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि कितनी महिला सरपंचों का काम उनके पति या भाई कर रहे हैं?

श्री कवंल सिंहः अध्यक्ष महोदय, वैसे तो यह क्वै चन रैलेवैन्ट क्वै चन नहीं है फिर भी माननीय साथी का जानकारी के लिए बता दूं कि अगर कोई महिला सरपंच खुद काम न करके

अपने पति अथवा भाई या ससुर की मदद से काम चलाती है तो उसकी सारी जिम्मेदारी उसी महिला सरपंच की बनती है और अगर कोई अनियमितता होगी तो उसके लिए जिम्मेदारी महिला सरपंच की ही होगी।

श्री अध्यक्षः श्रीमती करतार देवी जी ने जो सवाल पूछा था वह बहुत ही महत्वपूर्ण है इसलिए उसका जवाब आना चाहिए अतः मैं मंत्री जी से यह कहूंगा कि वे सारा प्रोविजन देख लें और कल जीरो आवर में इस बारे में बता दें।

जन–स्वास्थ्य मंत्री (श्री जगननाथ): अध्यक्ष महोदय, सरपंच के लिए जो आरक्षण मिला हुआ है उसमें चाहे वे महिलाएं भौडयूल्ड कास्ट की है, बैकवर्ड क्लासिज की हैं या जनरल हैं ज्यादातर अनपढ़ हैं। अंगूठा लगा देती हैं, वे खुद पढ़ तो नहीं सकती इसलिए उसके भाई, ससुर आदि जो उनकी मर्जी होती है उन कोरे कागजों पर लिखकर उनसे मनमाना काम करवाते हैं। लेकिन कानूनी तौर पर रिकार्ड के हिसाब से अंगूठा तो महिला सरपंच के सामने लगा होता है जिस के कारण बाद में कोई गड़बड़ या अनियमितता पाए जाने पर रिकार्ड के अनुसार महिला सरपंच की जिम्मेदारी बनती है। वास्तव में उनकी कोई गलती तो नहीं होती है लेकिन उनके हस्वैंड, भाई या ससुर के ननाम पर कोई कार्यवाही नहीं हो पाती जो भी कार्यवाही या जवाब देही है वह तो महिला सरपंच की ही होती है।

श्रीमती करतार देवीः अध्यक्ष महोदय, मैं मन्त्री महोदय से एक गुजारि ा करना चाहती हूं कि इस प्रकार के जितने भी केसिज अब तक मेरे नोटिस में आए हैं उनके बारे में मैं इनको बता दूंगी। क्रप् ान के कुछ केसिज ऐसे भी हो सकते हैं जो कि मेरे नोटिस में नहीं आए हैं। ज्यादातर केसिज जो मेरे नोटिस में आए हैं वे ऐसे हैं कि कन्सर्ड सैक्रेटरी ने किताबों में एण्ट्री नहीं की इसलिए उसमें जिम्मेदारी सैक्रेटरी की होनी चाहिए क्योंकि किताबों में एण्ट्री का काम तो सैक्रेटरी का होता है। उसकी लापरवाही के कारण भी केसिज बन गए हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मन्त्री जी से यह पूछना चाहूंगी कि क्या केवल विरोधी पक्ष के होने के कारण तो किसी के साथ भेदभाव नहीं किया गया है। इसी के साथ मैं मंत्री जी से यह जानकारी भी चाहूंगी कि जहां पर महिला सरपंच के लिए आरक्षित सीट से किसी महिला सरपंच को हटाया गया हो तो क्या उस का चार्ज किसी महिला सरपंच को ही दिया जाएगा क्योंकि वह सरपंच का पद महिला के लिए आरक्षित है चाहे वह एस0सी0 हो या बी0सी या जनरल कैटेगरी से हो।

श्री कवंल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी माननीय विधायिका बहन करतार देवी जी को बताना चाहूंगा कि जो भी महिला सरपंच हो या कोई दूसरा सरपंच हो, जो भी कोई गलत काम करेगा उसके खिलाफ कानून के अनुसार कार्यवाही तो होगी

ही। अगर किसी को सस्पैंड किया गया हो तो उसका चार्ज उप–सरपंच को दिया जाता है।

Privatisaiton of Haryana Roadways

***380. Shri Jai Singh Rana:** Willl the Minister for Transport be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to privatise the Haryana Roadways?

परिवहन मंत्री (श्रीकृश्ण पाल गुर्जर): जी, नहीं।

श्री जय सिंह राणा: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि जब से यह सत्ता में आई है कितनी प्राईवेट सोसाईटीज को रूट परमिट्स दिए गए हैं? जिन रूट्स पर प्राईवेट बसें चल रही है उनकी संख्या क्या है और कितने किलोमीटर ऐरिया को ये बसें कवर करती हैं?

श्री कृश्ण पाल गुर्जर: अध्यक्ष महोदय, यह सवाल मेन सवाल से एराईज नहीं होता है ये इसके लिए अलग सवाल दे दें इनको जवाब दे दिया जाएगा।

Digging of Kichhana and Kasan Drains

***398. Shri Ram Pal Majra:** Willl the Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to dig out the following drains in Kaithal District:-

(i) Kichhana Drain; and

(ii) New Kasan Drain.

Chief Minister (Shri Bansi Lal):

Yes Sir, there is a proposal under consideration of Government to dig out the following drains in Kaithal District.

(i) Kichhana Drain

(ii) Songal Drain (instead of New Kasan Drain), which connects village Kasan. This is planned to be executed during 1998-99 on availability of funds.

श्री रामपाल माजराः स्पीकर सर, सोंगल ड्रेन, किछाना सुदकन ड्रेन के नीचे से जाती है उसका पानी लिफ्ट करके रजवाहों में डाला जाता है। रजवाहों के नीचे बड़े पाईप दबे हुए हैं जो कि अक्सर बन्द हो जाते हैं जिनके कारण पानी आगे नहीं जा पाता है। मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्य मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि क्या इन पाईपों की जगह पर साईफन बनाने बारे सरकार विचार करेगी। दूसरे में यह जानना चाहता हूं कि बिजली कम आने के कारण पानी लिफ्ट करने के काम में दिक्कत होती है क्या उस दिक्कत को दूर करने के लिए जैनरेटर लगाने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है?

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, जनरेटर लगाने का कोई मामला विचाराधीन नहीं है। जहां पर जरूरत पड़ती है वहां पर जरनेटर फौरन भेजते हैं। जहां तक इनका सवाल साईफन बनाने का है या और कोई प्रबन्ध करने का है, हम पानी निकालने का

जो भी तरीका होगा उस हर तरीके को इस्तेमाल करेंगे। जो इनकी कसान ड्रेन है यह एक करोड़ 62 लाख रु0 की है। सांगल ड्रेन गांव कसान को भी कवर कर लेगी, इस पर 1 करोड़ 67 लाख रु0 लगेंगे। यह पहले किसी स्कीम में नहीं थी। थोड़े दिन पहले हमने आई0डी0बी0आई0 की स्कीम बनाकर भेजी है और हम उम्मीद करते हैं कि जल्दी ही वह स्कीम पास होकर वापिस आएगी।

श्री अनिल विजः अध्यक्ष महोदय, सांगल ड्रेन पहले ही है। यह ड्रेन उल्टी खुदी हुई है और उल्टी चलती है। मैं इनसे यह जानना चाहता हूं कि क्या ये इस ड्रेन को नैचुरल फलों के हिसाब से चलवाएंगे?

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, इस बारे में कोि ा ा की जाएगी।

Vacant Posts of Headmastres

***421. Shri Mani Ram:** Will the Minister for Education be pleased to state the names of Schools functioning without Headmaters in district Sirsa, if any, togetherwith the time by which these posts are likely to be filled up?

ि ाक्षा मंत्री (श्री राम बिलास भार्मा): सूचना सदन के पटल पर रखी जाती है।

सूचना

1. राजकीय उच्च विद्यालय, कुरंगावाली

2. राजकीय उच्च विद्यालय, अली मोहम्मद

3. राजकीय कन्या उच्च विद्यालय, चाहरवाला

4. राजकीय उच्च विद्यालय, डींग

5. राजकीय उच्च विद्यालय, रंधावा

6. राजकीय उच्च विद्यालय, रामपुर ढिलों

7. राजकीय उच्च विद्यालय, बेदवाला

8. राजकीय उच्च विद्यालय, पन्नीहारी

9. राजकीय उच्च विद्यालय, सुखचैन

10. राजकीय उच्च विद्यालय, कुत्ताबढ़

11. राजकीय उच्च विद्यालय, मिर्जापुर

12. राजकीय उच्च विद्यालय, ममरखेड़ा

13. राजकीय उच्च विद्यालय, धनूर

14. राजकीय कन्या उच्च विद्यालय, रानियां

15. राजकीय उच्च विद्यालय, चक्कां

16. राजकीय उच्च विद्यालय, तलवाड़ा खुर्द

17. राजकीय उच्च विद्यालय, ढोल पालिया

18. राजकीय उच्च विद्यालय, बन्नी

19. राजकीय उच्च विद्यालय, हरीपुर

20. राजकीय उच्च विद्यालय,धोलड़

21. राजकीय उच्च विद्यालय, भीवां

22. राजकीय उच्च विद्यालय, कालुवाना

23. राजकीय उच्च विद्यालय, पन्नीवाल मोरिका

24. राजकीय उच्च विद्यालय, रत्ताखेड़ा

25. राजकीय उच्च विद्यालय, दरबाकलां

26. राजकीय उच्च विद्यालय, मोजुखेड़ा

27. राजकीय उच्च विद्यालय, अलिका

28. राजकीय उच्च विद्यालय, लुडेसर

29. राजकीय कन्या उच्च विद्यालय, पन्नीवाला मोटा

30. राजकीय उच्च विद्यालय, राजकीय प्राथमिक अध्यापक प्रि ाक्षण संस्थान, ऐलनाबाद।

उपरोक्त रिक्त पद भीघ्र ही भर दिये जायेंगे।

अध्यक्ष महोदय, सूचना सदन के पटल पर है। इसके साथ ही मैं माननीय सदस्य को यह भी बताना चाहूंगा कि 30 विद्यालय ऐसे थे जिसमें अध्यापक नहीं थे। 31–1–97 को 9 विद्यालयों में पद्दोन्नति के बाद मुख्य अध्यापक भेजे जा चुके हैं और जो 21 रह गए हैं वहां पर अगले सत्र में भेजेंगे।

श्री मनी रामः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी यह बताएं कि उन स्कूलों की संख्या कितनी है और महेन्द्रगढ़ जिले में ऐसे कितने स्थान हैं जहां पर अध्यापकों के पद खाली पड़े हैं।

श्री अध्यक्षः अब प्र न काल समाप्त हुआ।

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर

Posting of Teachers

***396. Shri Ramji Lal:** Will the Minister for Education be pleased to state whether there are schools, if any, in Bilaspur and Sadhorura Block of Yamuna Nagar district which are functioning without teachers; if so, the names thereof, togetherwith the time by which the teachers are likely to be posted therein?

ि ाक्षा मंत्री (श्री राम बिलास भार्मा): यमुना नगर जिले के सढ़ौरा एवं बिलासपुर खण्डों में ऐसा कोई स्कूल नहीं जो बिना अध्यापक से चल रहा है।

Digging of Kalwa Kinana Drain

***419. Shri Rampal Kundu:** Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to dig out the Kalwa Kinana drain in district Jind; if so, the time by which it is likely to be dug out?

Chief Minister (Shri Bansi Lal): There is a scheme for constructing Kalwa Kinana Drain in district Jind costing about Rs. 177.00 lacs. This is likely to be executed in the financial year 1998-99 subject to availability of funds.

Dadupur-Nalvi Canal

***291. Shri Banta Ram Balmiki:** Will the Chief Minister be pleased to state the present stage of construction of Dadupur Nalvi Canal in District Kurukshetra?

Chief Minister (Shri Bansi Lal): The scheme is under consideration and work has not been started as yet.

Number of Tubewell Connections Released

***230. Capt. Ajay Singh Yadav:** Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) The number of Tubewell connections released during the years 1990-91, 1991-92, 1992-93, 1993-94, 1994-95 and 1995-96; and

(b) whether Government has fixed any target to release tubewell connections during the year 1996-97, if so, the number of tubewell connections released during the said period?

Chief Minister (Shri Bansi Lal):

(a) The number of tubewell connections released during the aforesaid years were as follows:-

1990-91 10260

1991-92 23269

1992-93 14376

1993-94 4234

1994-95 3233

1995-96 2647

(b) Against a target of releasing 10000 tubewell connections during the year 1996-97, 1469 tubewell connections have been released ending December, 1996.

माफिया व्यक्तियों के आपसी झगड़े में मारे गए व्यक्तियों के नाम सप्लाई करने संबंधी मामला

श्री सतपाल सांगवानः अध्यक्ष महोदय, चौधरी भजन लाल जी ने 6–7 दिन पहले हाउस में कहा था कि भिवानी जिले में सात सैक्टर हैं और वहां पर 10 आदमी मारे गए हैं। तो ये उन आदमियों के नाम बताएं कि वे कौन कौन थे। (ाोर एवं व्यवधान) ये इतने सीनियर लीडर हैं और यह जो चार्ज इन्होंने लगाया है या तो ये उन भाब्दों को विदड्रा करें या इनके खिलाफ प्रिबलेज मो ान लाया जाए। अध्यक्ष महोदय, यह आपका भी जिला है और मुख्य मंत्री जी का भी जिला है। (ाोर) अध्यक्ष महोदय, मैं

भजन लाल जी को यह कहना चाहूंगा कि यह सदन है, यह कोई गांव नहीं है कि जो चाहा लोगों को कह दिया। यह हाउस है और इसे हाउस समझें। यह जो इन्होंने असत्य बात बोली है या तो ये इस बारे में सदन में सॉरी कहें या इनके अगेन्स्ट प्रिवलेज मो ान लाया जाए।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, न तो मैंने हाऊस हाउस को गुमराह किया है और न ही कोई गलत बात कही है। मुझे यह रिपोर्ट मिली है और यह मैंने कहा है कि वहां पर 10–12 आदमियों की झगड़े में मौत हुई है।

श्री अध्यक्षः भजन लाल जी आपने बड़े एम्फैटिकली 3 बार हाऊस में कहा कि वहां पर 10–12 आदमी मरे हैं। मैंने भी आपसे तीन बारी उनके नाम बताने को कहा था और मैंने यह आपको व्यक्तिगत रूप में कहा था। आपने हमारे जिले पर आरोप लगाया है, आपने उस वक्त बड़ी फिराख दिली से कहा था कि मेरे पास नाम हैं तो मैंने कहा था और आज भी कह रहा हूं कि अगर आपके पास नाम हैं तो आप सदन की टेबल पर वे नाम रखें और अगर नाम नहीं हैं तो आप अपने उन भाब्दों को वापिस लें। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मैंने डिटेल मंगवा रखी है। वह रिपोर्ट कल या परसों आ जायेगी। मैं आपको वह पूरी डिटेल दूंगा। अध्यक्ष महोदय, मैं हाऊस में वे भाब्द विदड्रा नहीं

करूंगा। जो मैंने आपको कहा है वह बिल्कुल सत्य कहा है और मैं आपको यह साबित करके दिखाऊंगा। (विध्न)

गृह मंत्री (श्री मनीराम गोदारा): अध्यक्ष महोदय, एक जगह मैंने पढ़ा था कि झूठ बोलना भी एक बीमारी है तो यह बीमारी इनको भी है। इसलिए इनको माफ किया जाए। (विध्न)

श्री सतपाल सांगवानः अध्यक्ष महोदय, यह कोई छोटा मामला नहीं है। इन्होंने उस दिन बड़े ठाठ से इस हाऊस में यह कह दिया कि भिवानी जिले को सात सैक्टर्ज में बांट रखा है और उन सात सैक्टर्ज वालों में आपस में टकराव होने के कारण ही दस आदमी वहां पर मारे गए। अध्यक्ष महोदय, वे दस आदमी तो अभी नहीं मरे। (विध्न) अध्यक्ष महोदय, अगर ये एक नाम भी साबित कर दें कि उसकी वहां पर मौत हुई है या फिर ये कहें कि मैंने उस दिन असत्य बोला था। (विध्न) अध्यक्ष महोदय, या तो ये अपने भाब्द विदड्रा करें नहीं तो इनके अगेन्स्ट प्रिवलेज मो ान मूव करना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, अगर आप ऐसा नहीं करेंगे। तो कल को कोई भी इस हाऊस में ऐसे ही बोल जाएगा। क्या यह इनके घर का राज है? (विध्न) अध्यक्ष महोदय, मेरे को तो पता नहीं है कि वहां पर कोई मरा है या नहीं। लेकिन अगर ऐसा है तो ये एक भी नाम प्रूव कर दें कि यह आदमी मरा है। ऐसे तो कोई भी झूठ बोल सकता है।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, अगर ये सुबह से लेकर भााम तक असत्य बोलें तो बताईये फिर क्या करें। (विध्न)

श्री सतपाल सांगवानः अध्यक्ष महोदय, मैं असत्य नहीं बोल रहा हूं। ये दस नामों में से एक भी नाम बात दें। ये एक नाम तो बताएं कि उसकी वहां पर मौत हुई। (विध्न) अध्यक्ष महोदय, ऐसे तो कोई भी किसी पर चार्ज लगा सकता है। यह हाउस है। लोगों ने इनको बड़े अच्छे ढंग से यहां पर चुनकर भेजा है लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि जो भी दिल में आ जाए, उसको ये बोल दें। (विध्न) ये अपने आपको सीनियर नेता मानते हैं लेकिन फिर भी ये झूठ बोलते हैं। मैं तो नया मैम्बर हूं लेकिन मैं झूठ नहीं बोलता हूं। (विध्न) अध्यक्ष महोदय, या तो ये साबित करें कि वहां पर फलाने फलाने आदमी मरे हैं, नहीं तो इनको माफी मांगनी चाहिए। अगर ये ऐसा नहीं करते हैं तो असत्य बोलने के खिलाफ इनके विरूद्ध प्रिवलेज मो ान मूव होना चाहिए।

श्री निर्मल सिंहः अध्यक्ष महोदय, सांगवान साहब बिल्कुल ठीक फरमा रहे हैं। अगर यहां पर कोई भी सदस्य गल्त बोलता पकड़ा जाए तो कम से कम आपको कोई कार्यवाही तो करनी चाहिए। मैं तो यह चाहूंगा कि इनके कुकर्मों को लेकर हाउस में एक घंटे के लिए अलग से डिस्क ान के लिए टाईम रखा जाना चाहिए। (विध्न) अध्यक्ष महोदय, हरियाणा की जनता इनके बारे में जानना चाहती है। ये बार बार बीच में बोलते हुए हर आदमी को डिस्टर्ब करते रहते हैं और उसका ध्यान अपनी

तरफ से हटाने की कोि ा ा करते हैं। इसलिए मैं चाहूंगा कि इनके कुकर्मों को लेकर हाउस में एक घंटे की डिस्क ान होनी चाहिए। (विध्न)

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, चौधरी निर्मल सिंह जी मेरे साथ मंत्री भी रहे हैं। मेरे दिल में इनकी बहुत इज्जत है।

श्री सतपाल सांगवानः अध्यक्ष महोदय, अभी आपने और मैंने जो कहा है, उसका जवाब नहीं दिया है।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, हम तो समझते थे कि जेल में जाने के बाद निर्मल सिंह बड़े भले हो गए होंगे। (विध्न) स्पीकर साहब, क्या इनका यह बात करने का यह कोई तरीका है। (विध्न)

श्री अध्यक्षः आप सभी बैठें। निर्मल सिंह जी आप भी बैठें।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मैंने गलत नहीं कहा। हम तीन दिन के अंदर–अंदर आपको आंकड़े दे देंगे। (विध्न)

श्री अध्यक्षः मैं माननीय चौधरी भजन लाल जी से व्यक्तिगत रूप से अनुरोध करता हूं कि आपने उस दिन मेरे से यह वायदा किया था कि आज तो मैं दिल्ली जा रहा हूं और कल आने के बाद मैं आपको वे नाम दे दूंगा। हम इस बात को बड़ा महसूस करते हैं कि हमारे सारे जिले के बारे में जो आरोप लगाया है वह

हमारे लिए एक चुनौती है। Either withdraw our words or give the names of those persons on the floor of the House. You had assured me on that day that I will give you the list of the persons. But you have not given the list and one week has passed till now. Therefore, either feel sorry or withdraw your words.

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, न तो मैं सॉरी फील करूंगा और न ही मै अपने भाब्द विदड्रा करूंगा। मैंने जो कहा है वह सत्य है। सारा हरियाणा जानता है कि हरियाणा में भाराब बिकती है या नहीं बिकती है। सब जिलों में भाराब बिकती है। भिवानी जिले में भी बिकती है। कौन–कौन बिकवाता है, वह हम बता देंगे। (विध्न) मैं उनके नाम भी दे दूंगा और जो दस आदमी मरे हैं उनके नाम भी बता दूंगा।

श्री सतपाल सांगवानः अध्यक्ष महोदय, इनके घर में भाराब पायी गयी है। (विध्न)

श्री अध्यक्षः सांगवान साहब, आप बैठें।

श्री सतपाल सांगवानः अध्यक्ष महोदय, म। एक नया सदस्य हूं इसलिए मुझे पता नहीं है कि इस हाउस की क्या परम्परा रही है। लेकिन क्या हाउस की यही परम्परा रही है कि दिल में आता है वही कह देते हैं। (विध्न)

Mr. Speaker: It was the property of the House when Mr. Bhajan Lal assured me on that dya that he would produce a list of 12 persons as he was going to Delhi. I request him

either to place the list of the names of those persons on the table of the House or withdraw his words.

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मेरा व्यवस्था का प्र न है। आप पुराने लेजिस्लेटर भी रहे हैं, विपक्ष में भी बैठे हैं। विधान सभा जब सै ान में होती है तो सम्मानित सदस्यों के पास अनेक प्रकार की इन्फर्मे ान आती हैं और उन इनफर्मे ान के आधार पर सरकार से और उन संबंधित लोगों से इसकी जानकारी हासिल की जाती है। अध्यक्ष महोदय, इस हाउस के डैकोरम को बरकरार रखना वि ोश रूप से चेयर की जिम्मेदारी है। अध्यक्ष महोदय, हिन्दुस्तान के स्तर पर बिठ्ठल भाई पटेल, मावलंकर, आयंगर जी के नाम आज भी कोट होते हैं, उनके फैसले कोट होते हैं। अध्यक्ष महोदय, यह सदन यह भी चाहेगा कि आपके फैसले भी कोट हों। आप हाउस को संरक्षण दें। आन दि फलोर ऑफ दि हाउस सरकार की ओर से गलत बयानी की जाती है, गुमराह किया जाता है, ऐसी गलत परम्परा इस सदन में कायम हो चुकी है। (ाोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: Let Mr. Chuatala finish his point of order. (Noise & Interruptions). I request him to finish his point of order as early as possible.

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे अनुरोध कर रहा था कि यहां सदन में ऑन दि फलोर ऑफ दि हाउस ट्रेजरी बैंचिज की तरफ से स्वयं लीडर ऑफ दि हाउस की तरफ से लोगों को गुमराह किया जाता है।

Education Minister (Shri Ram Bilas Sharma): Sir, this is no point of order. This is very improper.

Mr. Speaker: This is no point of order. Please take your seat.

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मैं व्यवस्था के प्र न पर बोल रहा हूं। इस सदन में वर्श 1997–98 का बजट पे ा किया गया और बिजली के निजीकरण के सवाल पर मुख्य मंत्री जी ने इसी सदन में कहा कि हम किसान को सबसीडाइज्ड रेट पर बिजली देंगे। (विध्न)

श्री अध्यक्षः ओम प्रका ा चौटाला जी, आप बैठ जाएं।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, ...

श्री अध्यक्षः यह जो कुछ भी चौटाला साहब कर रहे हैं इसे रिकार्ड न किया जाए।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मुझे अपनी बात कहने का समय दें।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, यह क्या तरीका है . . . . (ाोर)

श्री अध्यक्षः बात कहने का समय मैं आपको दूंगा। लेकिन अगर आप हाउस को नियमानुसार नहीं चलने देंगे, I have to take the other course also. I will request you to take it very

seriously. (विध्न) भजन लाल जी, अब मैं आपसे तरीका नहीं सीखने आया। Who are you to guide the chair?

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, हमें अपनी बात कहने का अधिकार है। (विध्न)

Mr. Speaker: But you have no right to guide the Chair.

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री ने इस सदन को गुमराह किया है। (विध्न)

श्री अध्यक्षः चौटाला साहब आप बैठिये। (विध्न)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः यह बजट गलत है और मुख्य मंत्री जी ने फलोर ऑफ दी हाउस पर जो बात कही है वह गलत है। (विध्न)

श्री अध्यक्षः आप बैठिये। This is no point of order. (Interruptions).

कृशि मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल): अध्यक्ष महोदय, चौधरी भजन लाल और चौधरी ओम प्रका ा चौटाला जी रात को आपस में मिलकर यह फैसला करते हैं कि कल किस तरह से इस सदन को गुमराह किया जाना है। (विध्न)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, ये मन्त्री जी किस बात पर बोल रहे हैं।

श्री अध्यक्षः मिस्टर सुर्जेवाला आप बैठिये He can speak. This is zero hour. He can speak during zero hour. You please take your seat.

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य श्री सतपाल सांगवान ने इस सदन की अवमानना का सवाल यहां पर उठाया था कि चौधरी भजन लाल ने इस सरकार को हरियाणा प्रदे ा की जनता जो इस सदन की कार्यवाही को देखने यहां आई है, उसको तथा इस सदन को गुमराह किया था। किन तथ्यों के आधार पर इन्होंने यह बात कही थी। उसका जवाब देने की बजाए किस तरह से भजन लाल जी बहानना बनाकर दिल्ली चले गये थे वह बात अब भी आपके विचाराधीन है मैं चाहता हूं कि चौधरी भजन लाल जी उस बात का जवाब दें।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, (विध्न)

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, यह पहला मौका नहीं है। जब आप और हम विधायक थे और विपक्ष में बैठते थे तो चौधरी भजन लाल जी मुख्य मंत्री की कुर्सी पर बैठकर कहा करते थे कि जब तक भजन लाल है तब तक नरसिंह राव की सरकार को कोई डर नहीं है। उनकी सरकार को कोई नहीं उखाड़ सकता है। झारखंड मुक्ति मोर्चा में इन्होंने कि तरह सांसदों को पैसे दिये और जब इनसे पूछा गया तो इन्होंने इन्कार कर दिया कि मैंने पैसे नहीं दिये। स्पीकर सर, भजन लाल जी इस तरह से हरियाणा की जनता को गुमराह करना चाहते हैं और इस सदन को गुमराह

करना चाहते हैं। (विध्न) इनसे कहें कि ये अपनी गरिमा में रहें। (विध्न)

Capt. Ajay Singh Yadav: Speaker Sir, on a point of order.

श्री अध्यक्षः एक साथ दो सदस्य प्वायंट ऑफ आर्डर पर नहीं बोल सकते। I request you to please take your seat. (Interruptions).

कैप्टन अजय सिंह यादवः स्पीकर सर, (Interruptions).

Mr. Speaker: Capt. Ajay Singh, I warn you. You please take your seat.

श्री धीरपाल सिंहः आप सबको ही नेम कर दो (Interruptions).

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर सर, यह सब भागना चाहते हैं और बहाना ढंढ़ रहे हैं। इनमें हमारी बात सुनने की हिम्मत नहीं है, इनको हमारी बात सुननी चाहिये।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, यह मामला जो इन्हांने उठाया है यह कोई मामला नहीं है। मैं जब दिल्ली गया था तो करतार देवी जी को उन दो जगहों के नाम देकर गया था। मैं उन दो गांवों के नाम बता देता हूं एक घसौला और दूसरा कारी। हमने यह कहा था कि यह रिपोर्ट आई है कि भिवानी जिले में भाराब की तस्करी में 10–12 आदमी आपस में झगड़ कर मरे हैं।

उन्होंने अपने इलाके बांट रखे हैं, मेरे पास पूरी रिपोर्ट नहीं आई है, हमने आदमी भेज रखा है। (विध्न) कृपया सुनने का कश्ट करें। मेरी बात तो सुनें। (विध्न)

श्री अध्यक्षः बात सिर्फ इतनी सी है कि चौधरी भजन लाल जी ने बढ़े वि वास के साथ यह कहा था कि मेरे पास नाम हैं और वे नाम मैं दिल्ली से वापिस आकर दे दूंगा। अगर उनके पास नाम हैं तो वे दे दें वरना ''सॉरी'' फील कर लें।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, आप चाहे मुझे नेम कर दें, या सदन से निकलवा दें लेकिन मैं सॉरी फील नहीं करूंगा। मैंने रिपोर्ट मंगवा रखी है तथा वे नाम मैं आपको कल बता दूंगा।

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, जैसे विपक्ष के माननीय नेता कह रहे थे, चौधरी भजन लाल जी ने भी उस दिन कहा था और हमने भी कहा कि कई बार राजनीतिक व्यक्ति के पास गलत इत्तलाह आ जाती है। इसके लिए मैं भजन लाल जी से अनुरोध करना चाहता हूं कि वे इसको परैस्टिज इ ू न बनाएं। भविश्य में ऐसी गलत बातों पर वि वास नहीं करना क्योंकि कई बार सरकार के खिलाफ बालते वक्त जो ा आ जाता है तथा घड़ी–घड़ाई बात भी कह दी जाती है। जिस प्रकार से जिंदल स्ट्रिप्स लि0 फैक्टरी में सामान घड़ा जाता है, ठीक इसी प्रकार से मनघड़त बातें भी सदन के सामने आ जाती हैं (हंसी) चौधरी भजन लाल जी इस सदन के वरिश्ठ विधायक हैं, ये कई वर्शों तक

प्रदे ा के मुख्यमंत्री रहे हैं। भजन लाल जी सॉरी फील करने में क्या जाता है तथा इस बात को आई गई कर दो। हमारी सूचना भी गलत हो सकती है। (ाोर)

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, विपक्ष का एक ही उद्दे य है कि किसी भी तरह से चौधरी भजन लाल को बचाएं। (ाोर)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। मैं आपसे अनुरोध कर रहा था कि इस सदन में जो बजट पे ा किया गया, उसके द्वारा मुख्य मंत्री महोदय सदन को गुमराह कर रहे हैं। (विध्न) स्पीकर सर, व्यवस्था का प्र न है।

श्री अध्यक्षः क्या आपको पता है कि किस बात पर प्वायंट ऑफ आर्डर कहा जाता है। इसके लिए आप रूल–112 पढ़कर देख लें।

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल): अध्यक्ष महोदय, ये पढ़े लिखे होते तभी तो पढ़ेंगे।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मेरा आपसे अनुरोध है कि बहुत गंभी मुद्दा सदन के सामने आया है और माननीय चौटाला साहब चौधरी भजन लाल जी को बचाने का प्रयास कर रहे हैं। जो 12 साल तक इस प्रदे ा के मुख्य मंत्री रहे हैं और 12 साल तक हरियाणा की जनता को गुमराह करते रहे। (ाोर) जो चौटाला साहब कह रहे हैं, वह भजन लाल जी से क्यो

नहीं कहलवाते? (ाोर) स्पीकर सर, चौधरी भजन लाल जी ने चौधरी निर्मल सिंह जी को जो दूसरी दफा इस सदन के सदस्य बनकर आए हैं तथा जिनका हरियाणा में नाम है। जो नौजवानों के नेता रहे हैं, के बारे में जो बात कही है वह ठीक नहीं है। इन्होंने कहा कि जेल में रह कर भी अभी तक तुम्हारा सुधार नहीं हुआ है। इनको ऐसी बात नहीं कहनी चाहिए थी। इन्होंने किस प्रकार से झूठे मुकदमें इनके खिलाफ बनवा कर इनको फंसाया था, यह हरियाणा की जनता जान चुकी है। अध्यक्ष महोदय, अगर जेलों में ही सुधार होगा तो पता नहीं कितनी बड़ी जेल बनवानी पड़ेगी जिसमें चौधरी भजन लाल जी को भी रहना होगा।

वैयक्तिक स्पश्टीकरण–

श्री निर्मल सिंह द्वारा

श्री निर्मल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं पर्सनल एक्सप्लेने ान देना चाहता हूं। चौधरी भजन लाल जी ने अभी कहा कि निर्मल सिंह मेरे मिनिस्टर रहे और ये मेरा आदर करते थे। इन्होंने फिर कहा कि निर्मल सिंह को भी अपने कुकर्मों का हिसाब देना होगा। इनको जेल में रहकर अक्ल नहीं आई। 3–4 बातें इन्होंने कही। स्पीकर साहब, मैं अपने कुकर्मों का हिसाब दे दूंगा और चौधरी भजन लाल को अपने कुकर्मों का हिसाब देना चाहिए। मैं यह भी कह रहा हूं कि अपने अपने कुकर्मों का हिसाब सबको देना पड़ेगा। चौधरी भजन लाल जी, सी0आई0ए0 स्टाफ ने

मेरे आदमियों को नंगा करके लेटा कर यह पूछा कि आप निर्मल सिंह की प्रोपर्टी के बारे में बताएं। स्पीकर साहब, मैं कहता हूं कि चौधरी भजन लाल को 15 मिनट के लिए उल्टा लटका दिया जाए तो इनको सारा हिसाब किताब समझ में आ जाएगा। ये तीन हजार करोड़ रुपए की प्रोपर्टी के मालिक हैं। सारी स्टेट का वजट एक तरफ और चौधरी भजल लाल की प्रोपर्टी का काला धन एक तरफ। हरियाणा की जनता को पता होना चाहिए। मैं तो अपना हिसाब कोर्ट में दे कर आया हूं। आप चौधरी भजन लाल की प्रोपर्टी के बारे में हाउस में एक घंटा डिस्क ान करवा लें सबको पता लग जाएगा कि इनके कुकर्म क्या हैं और हमारे क्या है। यदि सी0आई0ए0 स्टाफ वाले इनको 15 मिनट के लिए लटकाएं तो इनके सारे हिसाब किताब का पता लग जाएगा।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, निर्मल सिंह जी ने जो बात कही है मैं उसका जवाब दूंगा।

श्री अध्यक्षः चौधरी भजन लाल जी आप किस विशय में बोल रहे हैं।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य निर्मल सिंह जी ने मेरे ऊपर एक बहुत बड़ा सीरियस एलीगे ान लगाया है कि मेरे पास 3 हजार करोड़ रुपए की प्रोपर्टी है। (ाोर)

श्री अध्यक्षः आप मुझे बता दें कि आप प्वायंट ऑफ आर्डर पर बोल रहे हैं या पर्सनल एक्सप्लेने ान पर बोल रहे हैं।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, इन्होने मेरे बारे में जो कुछ कहा है उसका जवाब तो देना ही पड़ेगा। अध्यक्ष महोदय, आप हाउस के कस्टोडियन हैं। इस हाउस की गरिमा रखना आपका पहला धर्म है। माननीय सदस्य हाउस की गरिमा से बाहर बोल रहे हैं। मैं इस बारे में व्यक्तिगत स्पश्टीकरण देना चाहता हूं। इस तरह से बोलना यह कोई तरीका नहीं है। (ाोर) ये बेसलैस बे–बुनियाद और गलत इल्जाम लगा रहे हैं जो कि ठीक नहीं है।

सदस्यों का नाम लेना

कैप्टन अजय सिंह यादवः स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। (ाोर)

Mr. Speaker: Capt. Ajay Singh Ji, I warn you. Please take your seat.

कैप्टन अजय सिंह यादवः स्पीकर साहब, आप मेरी बात तो सुनें। (ाोर)

Mr. Speaker: Capt. Ajay Singh Ji, I name you. Please leave the House. (At this stage Capt. Ajay Singh left the House.)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः स्पीकर सर, उधर से सारे सदस्य बोल रहे हैं उनको तो आप कुछ नहीं कह रहे हैं। कैप्टन साहब ने अपनी बात कहनी चाही थी लेकिन आपने उनको नेम कर दिया। आपको ऐसा तो नहीं करना चाहिए। (ाोर)

Mr. Speaker: Surjewala Ji, I wanr you.

Shri Randeep Singh Surjewala: Speaker Sir, ---------- (Interruptions).

Mr. Speaker: Surjewala Ji, I name you.

(At this stage Shri Randeep Singh Surjewala left the House.)

श्रीमती करतार देवीः स्पीकर साहब, आप सभी मैम्बर्ज के लिए एक जैसा मापदण्ड रखें। (ाोर)

वाक आउट

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मेरे ऊपर इन्होंने जो ऐलीगे ान लगाया है उसका जवाब तो दूंगा।

Mr. Speaker: Ch. Bhajan Lal, I warn you. Please take your seat.

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय आपने हमारे दो सदस्यों को नेम किया है, हम उस बारे में कुछ कहना चाहते हैं।

Mr. Speaker: I warn you (Noise & Interruptions).

Please take your seat. (Noise & Interruptions).

Hon. Members, now resumption on General Discussion on the Budget for the year 1997-98 will take place.

श्री भजन लालः अगर आप हमारी बात नहीं सुनना चाहते तो हम वाक आउट करते हैं।

(At this stage Shri Bhajan Lal alongwith other members of his party present in the House staged a walk out).

अभिकथित वि ोशाधिकार भंग का प्र न

श्री ओम प्रका ा चौटाला: स्पीकर साहब, 13 तारीख को हमने आपके समक्ष एक प्रिविलेज मो ान रखा था।

Mr. Speaker: I have sent that motion to the Government for comments.

श्री ओम प्रका ा चौटाला: स्पीकर साहब, 13 तारीख का प्रिविलेज मो ान है (ाोर) अध्यक्ष महोदय, यह सदन की गरिमा और व्यवस्था का प्र न है। (विध्न)

श्री अध्यक्ष: मैंने आपको बताया है कि I have sent that motion to the Government for comments. Now the matter ends.

श्री ओम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, मेरे मो ान को दिए हुए इतने दिन हो गए हैं। (ाोर)

श्री अध्यक्ष: जहां तक प्रिविलेज मो ान का सवाल है मैंने विपक्ष के नेता के सम्मुख पिछले दिन भी कलियर कर दिया था, I have sent that motion to the Government for comments. (Noise & Interruptions) मैंने 14 तारीख को कहा था कि वह अन्डर कंसीड्रे ान है। मैंने उसी दिन गवर्नमैंट के पास भेज दिया। बीच में दो दिन छुट्टियां थीं। (विध्न) 14 तारीख को आपने पूछा था मैंने कहा था, that is under consideration. Now our Vidhan

Sabha Secretariat has sent that to the Government for comments.

वैयक्तिक स्पश्टीकरण–

कृशि मंत्री द्वारा

कृशि मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल): अध्यक्ष महोदय, आदरणीय श्री ओम प्रका ा चौटाला के न जाने क्या मन में आ जाये और कौन सी बात कहने लगें। (विध्न) जो इन्होंने प्रिविलेज मो ान दिया है उसमें मेरा नाम है, उस पर मैं पर्सनल एक्सप्लेने ान देने के लिए खड़ा हुआ हूं। अगर आपकी इजाजत हो तो मैं इनको उस बारे में बता देता हूं। (विध्न)

श्री ओम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, जिसका नाम प्रिवेलेज मो ान में आ जाये क्या वह बोल सकता है? (विध्न)

श्री कर्ण सिंह दलाल: मैं अध्यक्ष जी की अनुमति से बोल सकता हूं। (विध्न)

श्री अध्यक्ष: दलाल साहब, आप दो मिनट में अपनी बात खत्म करिये। आप क्या कहना चाहते हैं, जल्दी खत्म करिये।

श्री कर्ण सिंह दलाल: मैं यह कहना चाहता हूं कि चौधरी बंसी लाल जी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी और एच0बी0पी0 के विधायक और हमारे मंत्रीगण तथा दूसरे आजाद उम्मीदवार जो जीत कर आए हैं, उनको हमारे नेता ने कोई गलत

बात कहने के लिए नहीं सिखाया है। जो बात हम जनता के बीच में कहते हैं वही सदन में भी कहते हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं इस बात को बड़े फख्र के साथ कह सकता हूं कि अगर हम कोई गलत बात कहते है। या हमारे से कोई गलत बात होती है तो हम उसका परिणाम भुगतेंगे। लेकिन जिस तरीके से ये गुमराह करना चाहते हैं, हरियाणा की जनता को गुमराह करना चाहते हैं उसके बारे में जो प्रिविलेज मो ान इन्होंने दिया है वह पढ़कर सुनाना चाहता हूं इसके साथ ही कृश्ण लाल जी ने कहा था कि हरियाणा को–आपरेटिव भूगर मिल के बारे में 22–8–1996 को यह निर्णय लिया गया था कि चालू सीजन के बाद इस भूगर मिल को बन्द कर दिया जाएगा। उस समय उपाध्यक्ष महोदय चेयर पर बैठे हुए थे। (विध्न)

Mr. Speaker:n I have sent that privilege motion to Government for comments. No more discussion on it. (Interruptions).

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर सर, श्री ओम प्रका ा चौटाला जी दूसरों को तो कहते रहते हैं कि यह कह दिया या दूसरी बात कह दी है लेकिन अपने वक्त को भूल जाते हैं। हम इनकी तरह नहीं हैं कि अपनी कही बात से फिर जसएं। अपनी बात से फिरने की आदत तो इन्हीं की है। पहले यह कहा करते थे कि चन्द्रा स्वामी मेरे गुरू हैं लेकिन जब ऐसा लगने लगा कि उनको जेल हो जाएगी तो ये फौरन मुकर गए कि कौन चन्द्रा स्वामी मैं तो उनको जानता तक नहीं हूं। अध्यक्ष महोदय, जन

चेतना मंच हरियाणा में है उसने एक इ ि तहार छापा है जिसमें इनकी काली करतूतों के बारे में छापा गया है। मैं यहां हाऊस में इस इ ि तहार को पढ़ देता हूं। (विध्न एवं भाोर)

वर्श 1997–98 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री अध्यक्षः जब आपके बोलने का समय आएगा तब आप इस बारे में कह लेना अभी आप बैठें। अब बजट पर डिस्क ान के लिए श्री रमे ा कुमार खटक बोलें। (ाोर एवं विध्न)

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरी एक छोटी सी सबमि ान है। (विध्न एवं भाोर)

Mr. Speaker: Dhir Pal Ji, please take your seat. I have called upon Shri Ramesh Khatak. He may speak on the Budget. (Interruptions).

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मुझे आपसे एक सबमि ान करनी है (विध्न एवं भाोर)

श्री अध्यक्षः भजन लाल जी, आप अभी बैठें मैंने रमे ा कुमार को बोलने के लिये कहा है (विध्न)

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है (विध्न)

श्री अध्यक्षः भजन लाल जी, रमे ा कुमार अभी बोलने के लिए खड़े हुए हैं उन्होंने कुछ कहा ही नहीं ह और आप अभी बाहर से आए हैं इसलिए इसमें आप के प्वायंट ऑफ आर्डर की कोई बात ही नहीं है, आप अभी बैठें। (विध्न एवं भाोर)

श्री भजन लालः स्पीकर सर, मैं आपसे यह रिक्वैस्ट करूंगा कि चेयर की कुछ गरिमा होती है मेहरबानी करके आप ऐसी भाशा का इस्तेमाल न करें। आप का इस प्रकार का व्यवहार ठीक नहीं है। आप सब की बात सुनें यह आपकी डियूटी है इसलिए मैं आपसे निवेदन करता हूं कि मुझे अपनी बात कहने के लिए समय दें। (विध्न एवं भाोर)

श्री अध्यक्षः आप अपनी सीट पर बैठें (विध्न एवं भाोर) Shri Ramesh Kumar, I have called upon you to speak on the budget. If you do not want to speak then I will call another member to speak on the budget.

श्रीमती करतार देवीः 14–3–97 को हमारे सदस्य बोल रहे थे (विध्न) उन्हें कन्कलूड करने देना चाहिए था (विध्न एवं भाोर)

श्री अध्यक्षः बहन जी, आपको भाायद पता नहीं है जब उस दिन वे बोल रहे थे तो उनके 10 मिनट का समय स्पै ाल बढ़ाया गया था और उसने कहा गया था कि वे 10 मिनट में कन्कलूड कर लें (विध्न) उन्हें 10 मिनट में कन्कलूड करने के लिए कहा गया था if he did not conclude his speech within that

time then it was his fault. It was his duty to conclude, he should have concluded his speech. (Interruptions).

श्रीमती करतार देवीः स्पीकर सर, मेरी सबमि ान है कि उनको थोड़ा समय ओर दे देते (विध्न)

श्री अध्यक्षः बहन जी, अब आप अपनी सीट पर बैठें। आपके मैम्बर्ज ने आपकी पार्टी को एलौटिड टाईम से बहुत ज्यादा टाईम ले लिया है (विध्न) टाईम ऐलोके ान के हिसाब से आपकी पार्टी को एक घण्टे का समय दिया जाना बनता है लेकिन आपकी कांग्रेस पार्टी के सदस्य 113 मिनट बोल चुके हैं। (विध्न) आप सब बैठ जाएं। बहन जी आपकी पार्टी का एक आदमी 55 मिनट बोले तो इसका मतलब यह है कि आपकी पार्टी का कोई मैम्बर बोलना ही नहीं चाहता है। उसके बाद भी हमने आपकी पार्टी को 113 मिनट बोलने के लिए दिए। (विध्न) आप सब बैठ जाएं।

श्री रमे ा कुमार (बड़ौदा एस0सी0): अध्यक्ष महोदय, वित्त मंत्री जी ने जो बजट पे ा किया है उस बारे में आपने मुझे बोलने का समय दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। इस बजट में वित्त मंत्री जी ने जो द ार्या है वह हरियाणा की जनता के लिए, हरियाणा के लोगों के हित में नहीं है। (विध्न)

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। अध्यक्ष महोदय, मेरी आपके द्वारा पार्लियामैंटरी मंत्री साहब से रिक्वैस्ट है कि जो वे बार बार कमैन्टस देते हैं वह न करें। अगर ये इस तरह से करेंगे और ऐसी परम्परा रहेगी तो ऐसा

करने से चेयर की तौहीन होगी। मुझे पता नहीं है कि मुख्य मंत्री जी ने इन्हें क्या क्या पावर दे रखी है लेकिन ये इस तरह से कमैन्ट पास न करें।

श्री अध्यक्षः ठीक है।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। धीरपाल जी ने जो कहा है उस बारे में मैं यह कहना चाहता हूं कि मेरा ऐसा कोई इरादा नहीं है।

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, हमें कर्ण सिंह दलाल से कोई नाराजगी नहीं है लेकिन जो ये बार बार कमैन्टस कर रहे हैं इससे हाउस की गरिमा नहीं रहती है।

श्री अध्यक्षः कर्ण सिंह जी, आपको इनका इस बात के लिए धन्यवाद करना चाहिए। (विध्न)

जन स्वास्थ्य मंत्री (श्री जगन नाथ): अध्यक्ष महोदय, जो धीरपाल जी ने कहा यह बात ठीक नहीं है। मैं इनको यह बताना चाहूंगा कि हम लोग यहां सत्संग में नहीं बैठे हैं जहां पर एक आदमी बोलता रहता है और बाकी सब आंख नीचे करके सुनते रहते हैं। यह हाउस है और इसमें टोका–टाकी और एक दूसरे का बोलना चलता ही रहता है। अगर ऐसा नहीं होगा तो ये जो बेचारे यहां पर आए हैं वो बोर हो जाएंगे। (हंसी)

श्री सतपाल सांगवानः अध्यक्ष महोदय, मैंनें जो बात कही थी उसका क्या हुआ। (ाोर)

श्री अध्यक्षः सांगवान जी आपके वरिश्ठ नेता जगननाथ जी ने और प्रो0 राम बिलास भार्मा जी ने कह दिया है कि इस बात को छोड़ दो। सांगवान जी अब यह मामला खत्म हो गया है। (विध्न) रमे ा जी आप बोलें।

श्री रमे ा कुमारः अध्यक्ष महोदय, मेरी आपसे रिक्वैस्ट है कि ये बार बार मुझे टोके नहीं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे यह कह रहा था कि यह जो बजट पे ा किया गया है इससे हरियाणा के लोगों का, हरियाणा की जनता का अहित है। इसमें लोगों को ऐसा कारनामा दिखाया गया है जैसे अभी थोड़ी देर पहले कृशि मंत्री जी ने बताया था कि हमारे जो लीडर हैं उन्होंने जनता में जो आ वासन दिए हैं, उनको पूरा किया है। हाउस के लीडर ने लोगों के सामने जो जो वायदे किये थे, आज इस बजट में उसके ठीक उलट काम हरियाणा के अंदर हो रहे हैं। जैसा कि हाउस के लीडर ने भाराबबंदी के बारे में आ वासन दिया था।

श्री अध्यक्षः रमे ा कुमार जी, मैं आपसे निवेदन करना चाहूंगा कि आपको बोलने के लिए दस मिनट दिए गए हैं इसलिए आप दस मिनट में ही कंक्लूड करें।

श्री रमे ा कुमारः अध्यक्ष महोदय, मुझे बीच–बीच में टोका जाता है उस समय को मेरे बोलने के समय में न जोड़ा

जाए। सर, लोगों के सामने मुख्य मंत्री जी ने आ वासन दिया था लेकिन आज हरियाणा की सरकार लोगों के प्रति ठीक बर्ताव नहीं कर रही है। भाराब के मुद्दे को लेकर इन लोगों ने जो आ वासन दिए थे कि हम हरियाणा के अंदर भाराब पर पाबंदी करेंगे, मंहगाई को रोकेंगे और हरियाणा की जनता को हम 24 घंटे बिजली एवं वानी देंगे। अध्यक्ष महोदय, आज हरियाणा के अंदर सरे आम भाराब बिक रही है और कुछ हमारे ऐसे साथी हैं जो सरकार से संबंध रखते हुए भी उन भाराब बेचने वाले लोगों से संबंध रखते हैं। आज हरियाणा के अंदर सरेआम भाराब सरगना फैला हुआ है। पहले तो हरियाणा के अंदर भाराब बहुत कम मिलती थी लेकिन आज वह पहले के मुकाबले तीन–तीन, चार–चार गुनी मिलती है। लेकिन सरकार ने इसके ऊपर किसी प्रकार की पाबंदी नहीं लगायी है जैसा कि सी0एम0 साहब ने आ वासन दिया था। अध्यक्ष महोदय, अभी दो दिन पहले मेरे एक साथी जगबरी सिंह जो कि हाउस के मैम्बर हैं, ने सदन में कुछ कागजात पे ा करते हुए कहा था कि फलाना आदमी यह भाराब का धंधा करता है और सजपा से वह संबंध रखता है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से हाउस को बताना चाहूंगा कि आज फिर गोहाना के अंदर लालचंद, के ाव एवं भगवान दास नाम के आदमी भाराब का धंधा करते हैं और यह काम वे इन मैम्बर साहब की भाह पर ही करते हैं। वे इनसे मिले हुए हैं।

श्री जगबीर सिंह मलिकः अध्यक्ष महोदय, मैं इस सदन में घोशणा करता हूं कि इन्होंने जो मेरे ऊपर ऐलीगे ान लगाया है यदि ये उसको साबित कर दें तो जो सजा आप मुझे देंगे उसके लिए मैं तैयार हूं। मैं आज विद प्रुफ यह कहता हूं कि इनके जो वहां के प्रधान एवं कार्यकर्ता हैं, वे उनसे मिले हुए हैं।

16.00 बजे

श्री राजकुमार सैनीः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन के सामने एक बात लाना चाहूंगा। अभी थोड़ी देर पहले भजन लाल जी सफाई का एक ढिंढोरा पे ा कर रहे थे और यहां पर यह बात चल रही थी कि मैं झूठ नहीं बोलता और सच ही बोलता हूं। अध्यक्ष महोदय, जो बर्डिंग आपके पीछे पिलर पर लिखी हुई है उसके बारे में तो इनको पता ही होगी। उसको इन्होंने पढ़ा होगा क्योंकि इन्होंने मुख्य मंत्री की कुर्सी पर बैठकर दस साल राज भी किया है। ये आज भी सच और झूठ की बाणी को लेकर एवं विपक्ष को साथ लेकर सही बात दबाने की कोि ा ा कर रहे थे। (विध्न) अध्यक्ष महोदय, मेरी बात इससे ही जुड़ी हुई है। मैं आपको कल रात की एक घटना बताना चाहता हूं। चौधरी भजन लाल जी के कुछ व्यक्ति मेरे पास आये और चार घंटे तक बैठे रहे। उन्होंने कहा कि हमारे पास 13 आदमी हैं और आप भी हमारे साथ चलो। मैंने कहा कि कहां चलना है तो उन्होंने कहा कि दिल्ली चलना है। जब यह बात हुई थी तो चौधरी भजन लाल जी ने टेलीफोन अटैंड किया था और इन्हांने

कहा कि वे हमारे आदमी पक्के हैं और आपसे हम सोमवार को इस बारे में बात करेंगे। अध्यक्ष महोदय, जो आदमी इस सदन का सदस्य है और वह इतने समय तक मुख्य मंत्री रहा हो अगर वह ऐसी बात कहें तो ठीक नहीं लगती। इनको सच और झूठ की बात करना अच्छा नहीं लगता। (विध्न) सतपाल सांगवान जी ने जो बात कही थी, उसकी आप दोबारा से देख लें। उसके अंदर आपने कोई डिसीजन सदन के सामने नहीं लिया और न ही इन्होंने सॉरी फील की तथा न ही इन्होंने अपने वर्डज वापस लिए। (विध्न)

श्री अध्यक्षः राज कुमार जी, यह कोई प्वायंट ऑफ आर्डर नहीं है। आप बैठ जाएं। जब आपके बोलने की बारी आए तब आप अपनी बात कह लेना। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री कर्ण सिंह दलालः यह चौधरी देवी लाल की सरकार नहीं है जिसे आप तोड़ दोगे। यह चौधरी बंसी लाल जी की सरकार है। (विध्न)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। मैं आपसे अनुरोध करूंगा कि आप हाउस के डेकोरम को बरकरार रखें। कर्ण सिंह के जो जी में आए कह देते हैं। ये गज–गज की जबान लिए बैठे हैं। जो हाउस का मैम्बर नहीं है, इन्होंने उसके बारे में कह दिया। कोई भी बात करते हैं तो बीच में दांत निकालते हैं, हंसते हैं। आखिर हम भी हाउस के सम्मानित सदस्य हैं। क्या यह इनका कोई तरीका है? हमें तो आप

फौरन कह देते हैं कि नेम कर दूंगा। ये किस हैसियत में बोलते हैं, इनको क्या आपने खुली छूट दे रखी है? (विध्न)

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मैं ऐक्सप्लेने ान देना चाहता हूं। अब मुझे हंसना भी चौधरी ओम प्रका ा चौटाला की मर्जी से पड़ेगा तो मेरी सारी उम्र ही इस दुख–दर्द में गुजर जाएगी। (विध्न)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, इस प्रकार से हाउस का समय बर्बाद किया जा रहा है एक तरफ आप कहते हैं कि बजट के लिए इतना समय दिया जाता है बीच में इस तरह की बातें हो जाती हैं। अब 4 बज कर दो मिनट हो रहे हैं लेकिन बजट पर चर्चा नहीं होने पर रही है।

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, मेरा माननीय सदस्यों से अनुरोध है कि वे बजट पर चर्चा करें और व्यक्तिगत बात न करें। जैसे जगबरी सिंह जी मलिक के बारे में निराधार बात रमे ा कुमार जी ने कह दी तो इससे बदमजगी फैलती है। (विध्न)

Mr. Speaker: I request all the Hon. Members to avoid controversy.

श्री रमे ा कुमारः अध्यक्ष महोदय, मैं कह रहा था कि आज जो हरियाणा के अंदर भाराब की बिक्री हो रही है उसमें जो सरकार के आदमी हैं वही इस काम को कर रहे हैं और उनके

ऊपर कोई अंकु ा नहीं लगाया जा रहा है। मेरे हल्के में मीनू हरिजन है वह और उसका लड़का दोनों पकड़े गए उनके पास 49 भाराब की बोतलें मिली और उसमें बड़ौदा हल्के से इनका प्रत्या ाी था उसके लड़के को बचा दिया गया और केस उस हरिजन पर बना दिया। इस प्रकार यह सरकार अपने आदमियों को बचा रही है और जो गाड़ी की गाड़ी सप्लाई कर रहे हैं उनको कोई नहीं पकड़ता। कोई बीमार आदमी होता है उसके लिए डॉक्टर कहे कि उसको दवाई के रूप में दे दो तो उसका काला मुंह करके जुलूस निकाला जाता है। अध्यक्ष महोदय, हाउस में दूसरा जिक्र चला कि हम लड़को को रोजगार देंगे लेकिन आज हरियाणा के अंदर लड़कों के साथ भेदभाव किया जा रहा है आज जितने भी काम इस सरकार द्वारा किए जा रहे हैं वह इसके उल्ट किए जा रहे हैं। आज बच्चे के पढ़ने लिखने के बाद नौरी तो मिलती नहीं तो वह मजबूर होकर, तंग होकर के अपना और अपने परिवार का गुजारा करने के लिए एक जीप ले लेता है लेकिन जैसे ही रोड़ पर आता है उनकी गाड़ी के चालान होने भाुरू हो जाते हैं क्योंकि इस सरकार ने एक नया काम भाुरू कर दिया है कि आ0टी0ओ0 की पावर एस0डी0एम0 को दे दी है। आज एस0डी0एम0 अपने हैड ऑफिस में नहीं बैठता है जब पब्लिक के आदमी उसके पास आते हैं तो वे सारा–सारा दिन इंतजार करके खाली हाथ वापस चले जाते हैं। आज सरकार ने एस0डी0एम0 को जिम्मेवारी दी हुई है कि वह एक महीने में 50–60 हजार रुपये सरकार को देगा। वह एस0डी0एम0 आज अपनी गाड़ी लेकर रोड़

पर खड़े हो जाते हैं और एक गाड़ी आती है तो उसका चालान पहले कर देते हैं किसी गाड़ी का 20 हजार रुपये का तो किसी का पांच हजार रुपये का चालान करते हैं। एक जीप का अगर पांच दिन पहले चालान हुआ है तो उसका दोबारा पांच दिन बाद फिर चालान हो जाता है। उसको दोबारा दस हजार रुपये का चालान काट कर दे दिया जाता है। यह सरकार युवाओं के साथ भेदभाव कर रही है तथा अपने ही आदमियों को रोजगार दे रही है। आज लाटरी के बारे में हरियाणा में खलबली मची हुई है। हरियाणा के अंदर लाटरी की इतनी बुरी हालत है कि एक गरीब आदमी जो रिक्ा चलाता है या मजदूरी करता है सारा दिन रिक्ा चलाकर या मजदूरी करके 50–60 रुपये कमाता है तथा इस खून–पसीने की कमाई से अपने बच्चों का पाल पोशण करता है परन्तु वह व्यक्ति 50–60 रुपये में से 30–40 रुपये की लाटरी खरीद लेता है उसके बच्चे इस इंतजार में बैठे रहते है। कि हमारे पिताजी 50–60 रुपये कमाकर हमारे घर का खर्चा चलायेंगे लेकिन वह 50–60 रुपये में से 30–40 रुपये लाटरी पर ही खर्च देता है तथा बेचारे उन बच्चों को जो सुविधा मिलनी चाहिये वे उस सुविधा से वंचित हो जाते हैं। लाटरी पर आज हरियाणा में कोई पाबंदी नहीं है लाटरी सरेआम नीलाम हो रही है तथा मजदूर और गरीब लोगों से यह सरकार खिलवाड़ कर रही है। बिजली के बारे में मैं कहना चाहूंगा। इस सरकार ने यह आ वासन दिया था कि हम किसानों को 24 घंटे बिजली देंगे परन्तु इसके उल्ट चल रहा है। चौधरी देवी लाल जी ने किसानों को एक नारा दिया था कि

हम किसानों को 24 घंटे बिजली देंगे और आज यह सरकार ने वही नारा देकर इस हाउस के अंदर प्रवे ा किया है।

श्री कर्ण सिंह दलालः चौधरी ओम प्रका ा चौटाला जी आपकी पार्टी के सदस्य चौधरी देवीलाल का नाम ले रहे हैं क्या यह ठीक है।

श्री रमे ा कुमारः यह सच्चाई है। जैसा कि यह सरकार आ वासन देकर यहां प्रवे ा करके आई है कि किसानों को 24 घंटे बिजली देंगे परन्तु 24 घंटे बिजली न देकर दो–दो घंटे बिजली दी जाती है और इन दो–दो घंटों में भी 4–5 बार बीच में बिजली काट ली जाती है। लेकिन बिजली के बिलों की आज भरमार है। हरियाणा की जनता ने जो यह उम्मीद लगाकर चौधरी बंसी लाल के हाथों में इस प्रदे ा की बागडोर दी थी कि चौधरी बंसी लाल मुख्यमंत्री बनने के बाद किसानों को 24 घंटे बिजली देंगे लेकिन आज यह सरकार किसानों को बिजली न देकर बिजली के बिल दे रही है। पहले जिन घरों के 60–100 रुपये तक के बिल आया करते थे आज उनके घरों के 700–800 रुपये तक के बिजली के बिल आ रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, जब वे अपने बिल घटवाने के लिए एक्सियन या एस0डी0ओ0 के पास जाते हैं तो उनको जवाब दिया जाता है कि यह बिल कम्प्यूटर ने तैयार किये हैं। उस कंम्यूटर पर आदमी ही बैठते होंगे उन आदमियों की उंगलियां 8 और 10 की बजाये 5 या 2 पर क्यों नहीं लगती तथा बिजली के बिल 100 रुपये या 50 रुपये क्यों नहीं आते। आज हर

घर में 900–1000 रुपये तक के बिल आ रहे हैं तथा यह सरकार इस बारे में कोई गौर नहीं कर रही है। पहले घरों के मीटरों की रीडिंग नोट करके मीटर रीड्र पांच–पांच महीनों में आया करते थे लेकिन आज वे भी नहीं आ रहे हैं तथा 100–100 यूनिट या 500–500 यूनिट लिखकर दफ्तर में ही बैठकर उस खाते को पूरा कर लेते हैं। जिन घरों की यूनिट कंज्मप ान 80 से 100 या 125 तक आया करती थी वह नहीं आ रही है बल्कि 240 से 320 तक यूनिट या इससे भी ज्यादा यूनिट आज कंप्यूटर के जरिये निकाल रहे हैं जोकि हरियाणा की जनता के साथ घोर अन्याय हो रहा है तथा आज जनता इस सरकार से बदला लेने के लिए तैयार बैठी है क्योंकि आज यह सरकार अपने किये हुए वायदे पर पूरी नहीं उतरी है। अध्यक्ष महोदय, इस सरकार ने किसानों को बिजली के बारे में, कृशि के बारे में सिंचाई के बारे में जो आ वासन दिया था वह यह सरकार पूरा नहीं कर पा रही है, इन्होंने यह भी कहा था कि हम 24 घंटे पानी देंगे। अध्यक्ष महोदय, आज दो–दो, 3–3 महीने हो गए हैं, लेकिन नहरों के अंदर पानी नहीं है। अगर नहरों के अंदर पानी आता है तो चौधरी बंसी लाल जी अपने इलाके में पानी ले जाते है। और मेरे हल्के में धनाना और धामरा ड्रेन हैं, इनके अंदर अगर पानी आता है तो दो–दो महीने में आता है। (विध्न)

श्री जगन नाथः अध्यक्ष महोदय, पानी की बात कई मैम्बर बार बार कहते हैं कि बंसी लाल जी भिवानी जिले में ले

गए। मैं बताना चाहता हूं कि पिछले एक डेढ़ साल पहले सुप्रीम कोर्ट की एक रूलिंग आई थी कि खेत का पानी तो दूर रहा, हवा और पीने के पानी तो सब को समान मिलना चाहिए। चौधरी धीरपाल जी आपके नंबर दो के नेता हैं और अ ाोक कुमार जी भी सामने बैठे हैं। मैं आपको बताना चाहता हूं कि बैहल, सिवानी तथा तो ााम एरियाज में भी काफी गांव ऐसे मिल जाएंगे जहां पर पीने के पानी की भी पूरी व्यवस्था अभी तक नहीं हो पाई है और ये कहते हैं कि पानी ले गए, पानी ले गए। यह बात बिल्कुल निराधार है।

श्री अध्यक्षः श्री रमे ा कुमार जी, आप एक मिनट में अपनी बात पूरी करें।

श्री रमे ा कुमारः अध्यक्ष महोदय, मैं सिंचाई के बारे में कहना चाहता हूं कि इस सरकार ने जनता के सामने आ वासन दिया था कि हम गंगा का पानी लेकर के आएंगे, हम एस0वाई0एल0 का पानी लेकर के आएंगे। इस सरकार ने हरियाणा की जनता के साथ धोखा किया है। इस प्रकार के इस सरकार ने चुनावों के दौरान जो वायदे लोगों के साथ किए थे, वे पूरे नहीं हुए हैं। सरकार ने जो वायदे किए थे, उनके बिल्कुल विपरीत यह सरकार कार्य कर रही है। अध्यक्ष महोदय, ि ाक्षा का तो हरियाणा प्रदे ा के अंदर बिल्कुल भट्ठा ही बैठ गया है। प्र न काल के दौरान भी यह बात आई थी कि एक–एक हल्के के 20–20, 30–30 स्कूलों में हैड मास्टर नहीं है तथा अन्य दूसरे अध्यापकों जैसे कि

साईंस अध्यापक, गणित अध्यापक इत्यादि इनकी तो कमी ही कमी है। हरियाणा में ि ाक्षा का स्तर दिनों दिन गिरता ही चला जा रहा है। (घंटी) बच्चों के माता–पिता को आज अपने बच्चों को प्राईवेट स्कूलों में दाखिल करना पड़ता है क्योंकि सरकारी स्कूलों में तो पढ़ाई नाममात्र की ही रह गई है। . . . .

श्री अध्यक्षः जो कुछ रमे ा कुमार जी कह रहे हैं, वह रिकार्ड नहीं किया जाए। (ाोर) सभी को बोलने का समय मिलेगा। दूसरे मैम्बर्ज को भी तो बोलने का अधिकार है। आप सभी बैठ जाईए। चौधरी भजन लाल जी, आप भी बैठिए। कांग्रेस पार्टी के लिए 60 मिनट समय बनता है तथा आप 113 मिनट बोल चुके हैं। लेकिन फिर भी दिलू राम जी को बोलने के लिए समय मिलेगा।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे अर्ज करना चाहता हूं कि आपने दो माननीय सदस्यों को नेम कर दिया है। ऐसी कोई बात भी नहीं थी जो उनको नेम करना पड़ा। इसलिए मेरी आपसे गुजारि ा है कि उन माननीय सदस्यों को सदन में बुला लिया जाए। आपकी बड़ी मेहरबानी होगी।

श्री अध्यक्षः आप कृपया बैठिए।

श्री निर्मल सिंह (नग्गल): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया उसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। अध्यक्ष महोदय, हविपा और भजपा गठबंधन की चौधरी बंसी

लाल जी की सरकार ने जो बजट रखा है मैं उसका समर्थन करने के लिए खड़ा हुआ हूं। हमारी सरकार ने यह बहुत ही अच्छा बजट पे ा किया है। हरियाणा प्रदे ा के लोगों को यह बहम था कि इस बजट में नए टैक्स लगाए जाएंगे क्योंकि हमारी स्टेट के फाईनैि ायल हालात बहुत खराब थे। लेकिन चौधरी बंसी लाल जी की सरकार ने एक कर रहित बजट पे ा करके एक सूझबूझ का परिचर दिया है। जो कर रहित बजट पे ा किया गया है इसके लिए सारी स्टेट की जनता ने चौधरी बंसी लाल जी का बड़ा भारी आभार प्रकट किया है। स्पीकर साहब, आप जानते हैं कि 20 साल के बाद हरियाणा प्रदे ा का राज चौधरी बंसी लाल जी के हाथ में आया है। इनका जब राज आया तो उस समय स्टेट की वित्तीय स्थिति ठीक नहीं थी क्योंकि चाहे वह क्र ान की बात है चाहे जातिपाती की बात है और चाहे कोई दूसरी बात है वह ठीक नहीं थी। पिछली सरकारें रही हैं उनके कारण प्र ाासन का और दूसरी बातों का सारा ढांचा बिगड़ा हुआ था। स्पीकर साहब, चौधरी बंसी लाल जी से हमें उम्मीद है और हमें पूरा वि वास है कि ये हरियाणा स्टेट को फिर से संभालेंगे और इस प्रदे ा की जो बिगड़ी हुई स्थिति है उसको ठीक करेंगे। दे ा के अन्दर इनके मुख्य मंत्रीत्व काल में हरियाणा की जो पोजि ान थी उसी पोजि ान में हरियाणा प्रदे ा को वे लेकर आएंगे। स्पीकर साहब, जिस स्टेट की अच्छी पोजि ान बननी होती है वह कोई रातों रात नहीं बनती उसमें समय लगता है उसके लिए बहुत से साधन चाहिए होते हैं लेकिन हमें पूरा वि वास है कि चौधरी बंसी लाल

जी इसमें जरूर कामयाब होंगे और अपनी स्टेट को एक अच्छी पोजि ान में ले कर आएंगे और फिर से हमारी स्टेट दे ा में एक मिसाल बनेगी। स्पीकर साहब, इस बजट में आगे होने वाले डिवैल्पमैंट के कामों पर, सरकार की नई पालिसिज पर और उनकी इम्पलीमैंटे ान पर चर्चा करने से पहले पिछली सरकारों की बातो पर थोड़ा सा खुलासा करना बहुत जरूरी हो जाता है। आज स्टेट में पैसे की दिक्कत हे और आज स्टेट में क्रप् ान एक नासूर बन गई है। पिछली सरकार के लीडर ने जातपात के नाम पर अपने स्वार्थ की सिद्धि के लिए अपनी जमीर को बेच दिया था। प्रदे ा के अन्दर जो हालात पैदा हुए उसके लिए कौन जिम्मेदार है। चौधरी भजन लाल जी ने फरमाया था कि कुकर्मों का हिसाब देना होगा मैं इनको एक बात कहना चाहूंगा कि आपकी बात ठीक है लोग भी कुकर्मों का हिसाब लेते हैं औरइस हाउस में भी उनका हिसाब देना पड़ता है। मैं आपको कहना चाहूंगा कि जिसके ऊपर उंगली उठती है तो उसका मंथन करना जरूरी हो जाता है। स्पीकर साहब, जैसे मेरे मामले के बारे में इन्होंने बताया। स्पीकर साहब, आप जानतें हैं कि 1979 में डिफैक ान करके ये मुख्य मंत्री बने थे लेकिन मैंने उस डिफैक ान का विरोध किया था। मैं एक 150 रुपए की चोरी के मामले में 8 साल तक कोर्ट के एक मुकद्दमें में फंसा रहा। मैं 150 रुपए की चोरी के मामले को कोर्ट में भुगतता रहा। इन्होंने अपने विरोधियों को दबाने के लिए इस तरह के झूठे मुकद्दमें बनवा कर एक घटिया किस्म के हथकण्डे अपनाए। जब चौधरी भजन लाल जी ने फिर दोबारा चौधरी देवी लाल जी

की पार्टी तोड़ी तो हम उसके खिलाफ थे। उस समय कांगेंस पार्टी में भी कुछ ऐसे लोग थे जो इस तरह के डिफैक ान के खिलाफ थे। मैं तो इनके डिफैक ान के खिलाफ था। स्पीकर साहब, मैं पार्टी में रहते हुए इनका विरोधी रहा हूं। मैं और सुरेन्द्र सिंह दो एम0एल0ए0 ऐसे हुआ करते थे जो पार्टी में रहते हुए इनका विरोध करते थे। जब मैं चौधरी भजन लाल की सरकार में वजीर था। उसका सबको पता है कि मैं इनका कितना चहेता था और मैं इनका कितना लाडला था। मैंने उस समय इनसे कोई बैनिफिट नहीं उठाया। जहां तक प्रोपर्टी का सवाल है। मेरी प्रोपर्टी के बारे में पूछताछ के लिए अम्बाला कैंट के रविन्द्र कुमार बनिए को नंगा करके लेटाया गया। चौधरी साहब ने साथ ही यह बात कही थी कि अम्बाला कैंट का जो सी0बी0आई0 का ऑफिसर है उसको चौधरी राम जी लाल ने खरीदा है। गुरदीप उसको छोड़ने में लगा है। (विध्न) चोरी के धंधे में भी ये कुछ कर लिया करते थे। (विध्न) रविन्द्र बनिया को इन्होंने रस्सी पर चढ़ाया क्योंकि वह मेरा दोस्त था। (विध्न) चौटाला साहब ने कहा कि कुछ लोग देवी लाल जी से मिले हैं कि तू सी0बी0आई0 से इन्क्वायरी करवा ले। मेरे मन में तो कोई खोट नहीं थी। मैंने कहा कि जरा करवाओ इन्कवायरी और मुझे क्या पता था कि सी0बी0आई0 के उच्च अधिकारी भी इनकी जेब में हैं और फिर जब ट्रायल चला तो हरियाणा की पूरी जनता तमा ाबीन थी लोग देख रहे थे कि किस तरह से निर्मल सिंह के खिलाफ गवाही दिलवाया करते थे इस बात से ये मुकर नहीं सकते। फिर हमारे घरों में और परिवार

वालों पर जुल्म ज्यादती की गई। सब लोग गवाह हैं। अम्बाला के लोग सड़कों पर लड़े। स्पीकर साहब, मैं यह कहना चाहता हूं कि लीडर का इम्तिहान तो लोग लिया करते हैं। मैं तो कहता हूं कि कोर्ट से बड़ा ट्रायल तो लीडर लोगों का लोग ही करते हैं। उसको भी ाा दिखा देते हैं जैसा कि इनको दिखाया है। वे पहले इतनी बड़ी पार्टी लेकर बैठते थे लेकिन आज 9 एम0एल0एज0 लेकर बैठे हैं। निर्मल सिंह जेल से छूटकर आया है। इन्होंने मेरी टिकट को कटवाया लेकिन मैंने अपनी पार्टी का पल्लू नहीं छोड़ा। मैं तो सोचता था कि मैं खड़ा नहीं होता। मेरे साथियों ने कहा कि निर्मल सिंह तो जेल से लड़ लेगा और जीत जायेगा। आप बे–फिकर रहें। ये कहने लगे कि नहीं, इन पर कत्ल का इल्जाम है। उन्होंने कहा कि चलो इनकी वाईफ को लडाते हैं। लेकिन इनको तो सब्र नहीं आया। ये तो चाहते थे कि हमारे घर में दीया बलता नजर न आये। मैं इनको बताना चाहता हूं कि मैं जेल में बैठकर लड़ा और लोगों ने मुझे जिताया। जो आदमी इन्होनें मेरे खिलाफ इलैक ान में खड़ा किया था, उसकी जमानत जब्त हुई और पार्टी का टिकट लेकर भी वह 5वें नम्बर पर आया। लोगों ने इनको भी ाा दिखाया। उसके बाद कोर्ट में बाइज्जत बरी होकर आया हूं। मेरे पर हाउस में इस बात पर कोई उंगली नहीं उठा सकता। न्यायपालिका बहुत अच्छी है। मैं अढ़ाई वर्श तक जेल में रहा मैंने अगेन्स्ट हुए जब तक मैं बरी नहीं हुआ। उस वक्त तक मैंने कोर्ट के सामने यानि जुडि ियरी के सामने एक भाब्द भी नहीं कहा। आज कोई भी इस बात पर उंगली नहीं उठा सकता।

स्पीकर साहब, इन अढ़ाई वर्शों में मैंने जेल की सजा बेगुनाह होते हुए पाई। मैं बाद में निर्दोश भी साबित हुआ। जब ये जेल में अढ़ाई वर्श रहेगें तो इनको पता चल जायेगा कि जेले के मायने क्या हैं? इन्होंने तो जेल फिल्मों में देखी है। स्पीकर साहब, अढ़ाई साल भजन लाल जेल में रहने के बाद जिन्दा नहीं लोटेगा बल्कि टें ान में दुखी होकर मर जायेगा। (विध्न)

श्री भजन लालः स्पीकर साहब, आपकी यह बात ठीक नहीं कि आप इनको आराम से सुनें। अगर कोई कहता रहे कि भजन लाल जेल में रहेगा तो क्या यह बात ठीक है? क्या यह भजन लाल पर बहस हो रही है? इनका कोई यह तरीका है। जो यह कह रहे हैं, आप उसको मेहरबानी करके कार्यवाही से निकलवाईये (विध्न)

श्री अध्यक्षः निर्मल सिंह जी, कृपया आप कन्ट्रोवर्सी को अवाईड करिये।

श्री निर्मल सिंहः स्पीकर साहब, यह चर्चा का विशय है। हरियाणा के लोग जानना चाहते हैं कि भजन लाल ने क्या किया है। मैं बंसी लाल जी से अनुरोध करूंगा कि आप पिछले 10–12 सालों की सभी लीडरों की प्रोपर्टी बारे एक व्हाईट पेपर जारी करें ताकि पब्लिक देख ले और लोगों को पता लगे कि कौन कौन, क्या–क्या अपने मां बाप से लेकर पैदा हुआ और उसके बाद आज उसके पास क्या है? स्पीकर साहब, ये चुंदड़िया बेचते–बेचते 3–3

करोड़ के मालिक बन बैठे हैं। (विध्न) चलों मुझे मंजूर है क जब से हरियाणा बना है तब से लेकर अब तक के बारे में सभी लीडर्ज की प्रोपर्टी के बारे एक व्हाईट पेपर जारी कर दिया जाये। जिस–जिस पर क्र प ान के चार्जिज हैं या नहीं, सबका पता लग जायेगा। (विध्न) मेरे पर लगे चार्जिज का भी पता लग जायेगा। (विध्न) जिस–जिस के ऊपर चार्जिज लगे हैं उन पर व्हाईट पेपर जारी होना चाहिए मेरे खिलाफ अगर कोई चार्ज हो तो मेरे खिलाफ भी जांच करवाएं। बिल्लू भाई के बारे में किसी ने क्या कहना है, जय सिंह राणा के बारे में व्हाईट पेपर में क्या आना है या दूसरे जो ऐसे लोग हैं उनके बारे में क्या छपेगा? छपेगा तो छापने वालों के खिलाफ छपेगा। स्पीकर साहब, यह बात एक बार जरूर लोगों में जानी चाहिए क्योंकि लोग इनके बारे में जानना चाहते हैं वे चौधरी बंसी लाल जी से यह तबक्को भी करते हैं। जैसे वीरेन्द्र सिंह जी ने बोलते हुए कहा था कि चौटाला साहब जब आए तो उन्होंने चौधरी भजन लाल की इन्क्वायरी नहीं करवाई और जब भजन लाल जी आए तो उन्होंने चौटाला साहब की इन्क्वायरी नहीं करवाई। (विध्न) यह ऐसी बात नहीं, उनकी भी इंक्वायरी हो जानी चाहिए और चौधरी बंसी लाल जी की भी इंक्वायरी हो जानी चाहिए। स्पीकर साहब, यह सच्ची बात है और लोग जानना भी चाहते हैं। डिवैल्पमैंट के कामों के लिए अगर लोग फण्डज देंगे तभी सरकारी खजाने में रुपया होगा क्योंकि नये नोट छापने की म ाीन तो सरकार के पास नहीं हो सकती। सरकार के पास जो सोर्सिज हैं उनसे पैसा इकट्ठा करके

डिवैल्पमैंट कार्य करने होंगे। सरकार के पास तो सिर्फ पोलिसी फिक्स करने का काम है, प्रायोरिटी फिक्स करने का काम है, सरकार को चाहिए कि वह किसी के साथ कोई भेदभाव न करे, नौकरियों में क्रप्ान न हो और सभी को नौकरियां मिलें। स्टेट के प्र ाासन का यह काम है कि अपनी सरकार की पॉलिसीज को ठीक तरह से लागू करें, यही सरकार के काम हैं। अगर किसी पर कोई प्र न चिन्ह लगा है कि फलां व्यक्ति की प्रोपर्टी के बारे में बताईये तो सरकार की यह नैतिक जिम्मेदारी है कि उसको कमिट करें और जो सही बात है वह लोगों को बताएं। कानूनन हम किसी की सम्पति नहीं ले सकते हैं लेकिन आज जो महलों जैसे घरों में रहते हैं वे ईमानदारी की कमाई से नहीं बन सकते हैं। उन महलों में से लोगों के खून–पसीने की बदबू आ रही है इसलिए यह अत्याव यक है कि उनकी इन्क्वायरी हो क्योंकि लोग उनके बारे में जानना चाहते हैं। अध्यक्ष महोदय, हम सब को इस बारे में कहना चाहिए। मैं तो यहां तक कहूंगा कि हम सब लोगों को यह बात एक ही मत से कहनी चाहिए और अगर नहीं कहेंगे तो लोग हमें कभी मुआफ नहीं करेंगे। हमें कहना चाहिए कि इन लीडरों के बारे में व्हाईट पेपर आना चाहिए। स्पीकर सर, एक बात और भी है कि हमारी इन्क्वायरियों ऐसे लोगों से होनी चाहिए जैसे अगर मेरी इन्क्वायरी हो तथा जो इन्टैरोगे ान हो, वह मेरी पंसद के थानेदार से होनी चाहिए। अगर ऐसा हो तो फिर लोगों को पता चलेगा कि कौन कहां पर खड़ा है। स्पीकर सर, कल चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी ने कुछ विचार रखे थे। उन के दिल में

चीफ मिनिस्टर बनने के लिए बड़े अरमान थे लेकिन वे चीफ मिनिस्टर नहीं बन सके। मैं ऐसे भाईयों से यह कहूंगा कि अधर्म के पाले में कभी न होना, धर्म के पाले में आओ। चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी तो बहुत सी बातों के गवाह हैं। उन्होंने आईजनवर्ग कम्पनी के बारे में हाउस में खड़े हो कर बात कही थी कि आईजनवर्ग कौन था। आईजनवर्ग इनका साथी था। लेकिन इनकी तरफ से इसका कोई जवाब नहीं आया। मुझे चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी ने एक बात कही थी जब डॉ0 रामप्रका ा और वीरेन्द्र सिंह कांग्रेस छोड़ कर गए थे उन्होंने बुला कर कहा था कि अगर 5 जाति छोड़ जाते तो मुझे कोई अफसोस नहीं होता। स्पीकर सर, कितनी बड़ी जहरीली बात है। स्पीकर सर, वीरेन्द्र सिंह जी ने इस बात को हाउस में कहा था। अगर वे कह दें कि उन्होंने यह बात नहीं कही थी तो मैं हाउस में खड़ा हो कर माफी मांगने के लिए तैयार हूं। स्पीकर सर, चौधरी वीरेन्द्र सिंह इस बात के तथा और भी बहुत सी बातों के गवाह हैं। चौधरी बंसी लाल जी आज एक बहुत बड़ी लड़ाई लड़ रहे हैं। उनके हाथ में जो स्टेट आई है उसमें बहुत सी बीमारियां लगी हुई हैं और हर तरीके से उनके लिए मु कल है। लेकिन हरियाणा के लोगों के प्रेम से, धर्य से और सहयोग से मुझे उम्मीदर है कि इस लड़ाई में वे जीत जाएंगे। (विध्न) स्पीकर सर, चौधरी बंसी लाल जी का दामन तो पाक और साफ है। उनके ऊपर कोई उंगली नहीं उठी है। दूसरी बात यह है कि मैं विपक्ष की तरफ उंगल का इ ाारा करके उलझ गया था मैं अब उधर नहीं जाता। अब तो मुण्े उधर से इधर ही

रहना है। स्पीकर साहब, चौटाला साहब के बारे में उन्होंने बताया, वे बहुत ही सुन्दर बोलते हैं और देखने में भी बहुत सुन्दर व्यक्ति हैं। कई बार उनकी चाल के बारे में बोल देते हैं कि बहुत मतवाली चाल है। लॉर्ड वायरन की भी मतवाली चाल थी और लोग उसकी चाल पर मरते थे। (विध्न) चौटाला साहब को भी एक बात कहना चाहता हूं (घंटी) चौटाला साहब के भाग्य में तो मुख्य मंत्री बनना नहीं लिखा है। स्पीकर साहब, इनके दिमाग में जो ख्याल है, ये हमारे साथ आ जाएं तभी पूरे हो सकते हैं। (विध्न एवं भाोर)

श्री अध्यक्षः निर्मल सिंह जी आप खत्म करें।

श्री निर्मल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं खत्म ही कर रहा हूं। (ाोर)

श्री अध्यक्षः आप सब बैठ जाएं। (विध्न) नो इन्ट्रप न प्लीज। आप सब बैठ जाएं।

श्री निर्मल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं यही कहना चाहता हूं कि लोग भाग्य का फैसला करेंगे। (विध्न) मैं चौधरी बंसी लाल जी का ध्यान और प्रो0 राम बिलास भार्मा जी का ध्यान एजूके ान की तरफ लाना चाहूंगा। इस सम्बन्ध में मैंने एक चिट्ठी भी इन्हें लिखी है कि स्कूलों में सारी ि ाक्षा टेलिविजन के माध्यम से होनी चाहिए। (विध्न) स्पीकर साहब, एजूके ान का सबसे बढ़िया तरीका टेलिविजन द्वारा है। (घंटी)

श्री अध्यक्षः निर्मल सिंह जी आप पांच मिनट में कन्कलूड करें।

श्री निर्मल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं पांच मिनट में ही खत्म करता हूं। यह जो मैं बता रहा हूं इससे एजूके ान में रैवोल्यू ान आ सकता है। यह टी0वी0 के माध्यम से पढ़ने वाली बात जो मैंने कही है, मैंने आस्ट्रेलिया में देखा था कि गांव में किसानों के बच्चे टी0वी0 के माध्यम से पढ़ते थे और उन्हें एक ही विशय में पढ़ाया जाता है। टी0वी0 एक बहुत ही बढ़िया टीचर है। हमारे टीचर इनते योग्य नहीं हैं कि वे बच्चों को पढ़ा सकें।

इसके अलावा मैं हाई–वे के बारे में कहना चाहता हूं। यमुना नगर से दिल्ली के हाई–वे को बनाना चाहिए और यह पलवल की तरफ से होते हुए दिल्ली की तरफ निकले। भााहबाद से अम्बाला तक बाई पास बनना चाहिए। स्पीकर साहब, इसके बाद मैं डेयरी के बारे में बोलना चाहता हूं। आज अगर हमारे लड़के दूध के काम में लग जाएं तो यह जो बेरोजगारी वाली समस्या है काफी हद तक खत्म हो जाएगी।

इसके अलावा जिन एरियाज में पानी नहीं है, जहां पर पानी की कमी रहती है वहां पर मेरा सुझाव है कि प्लांटे ान के काम के लिए लोन दिया जाए। वहां पर प्लांटे ान अच्छा हो सकता है यह लोन उनकी जमीनों पर नहीं देने के लिए कह रहा हूं मैं वहां के लिए कह रहा हूं जहां पर पानी की कमी है। इसके

साथ ही मुख्य मंत्री जी ने जो दादूपूर नलवी नहर के लिए आ वासन दिया है उस बारे में मैं यह कहना चाहूंगा कि इनके टाईम की पत्थर रखा गया था और इस पर पिछली सरकारों ने कोई काम नहीं किया था मुझे उम्मीद है कि अब ये ही इसको कम्पलीट करवाएंगे। स्पीकर साहब, इसके साथ मैं यह भी कहना चाहूंगा कि ताजेवाला से नारायणगढ़ की तरफ भी नहर निकलवाई जाए। अगर वहां पर नहरी पानी आएगा तो वहां पर काफी फायदा लोगों को और किसानों को होगा। इसके अलावा वहां पर सिंचाई का कोई और साधन नहीं है। यह सरकार इस बारे में भी ध्यान दे।

इसके बाद मैं स्पोर्टस के बारे में कहना चाहूंगा। हरियाणा में बहुत अच्छे–अच्छे स्पोर्टसमैन हैं यह सरकार इस बारे में भी ध्यान दे।

डॉ0 वीरेन्द्र पाल अहलावतः अध्यक्ष महोदय मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। (विध्न) अध्यक्ष महोदय, पार्लियामैटरी मिनिस्टर बीच में बोलते रहते हैं। (विध्न) ये कौन होते हैं मुण्े बोलने वाले। मैं अध्यक्ष महोदय से प्वायंट ऑफ आर्डर पर बोलने की इजाजत मांग रहा था। (विध्न)

श्री अध्यक्षः आप बैठ जाए। Verender Pal Ji, I request you not to overact.

डॉ0 वीरेन्द्र पाल अहलावतः अध्यक्ष महोदय, मैं प्वायंट ऑफ आर्डर पर बोलना चाहता हूं और मैं स्पोर्टस पर ही बोलना चाहता हूं।

Mr. Speaker: This is no point of order.

श्री निर्मल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार को और इस हाउस का ध्यान जेलों की दुर्द ाा की तरफ भी दिलाना चाहूंगा। जेलों में जो कैदी बंद है वह अपने–अपने अपरोधों की सजा भुगत रहे हैं। मेरी किसी सूरत में भी किसी को तंग करने की मं ाा नहीं है लेकिन आज वे लोग जेलों में तंगी महसूस कर रहे हैं। उन लोगों की वहां पर हालत ठीक नहीं है, रहने की व्यवस्था ठीक नहीं है और न ही उन लोगों के लिए फूड की कोई व्यवस्था है। इसके इलावा उनकी रिहाई का जो प्रोसैस है वह भी ठीक नहीं है उनकी रिहाई का सिस्टम बहुत ही लम्बा होता है। कई लोगों की रिहाई ड्यू होने के बाद भी उनकी ऐप्लीके ान पैंडिंग पड़ी रहती है। स्टेट की इस बारे में जो पोलिसी है वह जजिज को देनी होगी ताकि वे उन्हीं को मद्देनजर रखते हुए कैदियों की रिहाई साथ–साथ ही सौंप दें और उनको किसी भी प्रकार की दिक्कत का सामना न करना पड़े। अध्यक्ष महोदय, जेलों के कैदियों को बहुत लम्बे समय तक रखने से उनका सुधार नहीं हो सकता। इस बारे में जो पंजाब पैटर्न है वह ठीक है। उस पैटर्न के हिसाब से साधारण कैदी को आठ साल की सजा और हीनियस क्राइम वाले कैदी को दस या ग्यारह साल

की सजा का प्रावधान है। ऐसा ही प्रावधान हरियाणा सरकार को भी करना चाहिए तथा इसके अलावा भी उनकी जो दिक्कतें हैं उनकी तरफ सरकार को ध्यान देना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, इसके मैं सरदार हरमिन्द्र सिहं का ध्यान एक बात की तरफ और दिलाना चाहूंगा। पहले एक पोली क्लीनिक अम्बाला में सरकार ने मंजूर किया था। यह बहुत पहले वहां पर बनना था लेकिन पिछली सरकार ने भेदभाव करके या राजनैतिक कारणों से उसको इधर उधर सरका दिया। अध्यक्ष महोदय, मेरी कांस्टीच्यूएंसी में 450 कि0मी0 तक सड़कों का जाल है लेकिन आज वे सड़कें चलने के काबिल नहीं हैं। मेरे हल्के को राजनैतिक भेदभाव की वजह से पिछली सरकार ने पीछे ही रखा। इसलिए मैं चाहूंगा कि उनकी तरफ भी ध्यान दिया जाए। इन्हीं भाब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करता हूं कि आपके मुझे बोलने का समय दिया। धन्यवाद।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, निर्मल सिंह जी ने काफी बातें कही हैं। मुझे इनकी अपने बारे में कही गयी पर्सनल बातों का जवाब देना है।

श्री अध्यक्षः आप इन बातों का जवाब बाद में देना। अभी आप बैठें।

डॉ0 वीरेन्द्र पाल अहलावतः अध्यक्ष महोदय, मेरा भी प्वायंट ऑफ आर्डर है।

श्री अध्यक्षः आपका कोई प्वायंट ऑफ आर्डर नहीं है। आप बैठें। क्या आप बताएंगे कि प्वायंट ऑफ आर्डर किसे कहते हैं और यह कब रेंज किया जाता है। आप इस बारे में रूल 112 देखें।

डॉ0 वीरेन्द्र पाल अहलावतः अध्यक्ष महोदय, आप मुझे इस रूल के बारे में बता दो। आपको कैसे पता कि मैं क्या कहने जा रहा हूं। अध्यक्ष महोदय, मैं यह कहना चाह रहा था कि अभी माननीय निर्मल सिंह जी ने बोलते हुए कहा था कि प्रदे ा के अंदर खिलाड़ियों के विकास के लिए काफी कुछ किया जा सकता है। ये बोलते हुए सरकार की काफी कुछ तारीफ कर रहे थे लेकिन मैं आपको बताना चाहूंगा कि इस सरकार ने तो सभी महकमों के अंदर स्पोर्टसमैन को डिमोट ही किया है।

श्री अध्यक्षः आप बैठें। यह कोई प्वायंट ऑफ आर्डर नहीं है।

श्री सतपाल सांगवान (दादरी): अध्यक्ष महोदय, अगर मैं फिर अपनी बात कहूंगा तो आप कहेंगे कि आप तो वही बात लेकर बैठ गए हो। अध्यक्ष महोदय, ये मेरे को कहने लगे कि मेरे पास भी गुंडे हैं और मेरे से पंगा मत लेना। लेकिन अध्यक्ष महोदय, मैं तो बहुत ही गरीब का बेटा हूं। मैंने तो आज तक एक कीड़ी भी नहीं मारी है। (विध्न)

श्री भजन लालः हमने तो यह नहीं कहा है।

श्री सतपाल सांगवानः अध्यक्ष महोदय, ये फिर गल्त बोल गए। इन्होंने तो गल्त बोलने का ठेका ले रखा है। लेकिन मैं भी इतना कमजोर नहीं हूं। सर, मैं सबसे पहले तो आपके माध्यम से आपकी सरकार का बहुत धन्यवाद करता हूं कि इस सरकार ने बहुत ही बढ़िया कर मुक्त बजट पे ा किया है। हमारे कुछ साथियों को जो गलत फहमी है और जो ये बार बार कह देते हैं कि भिवपानी जिले में पानी ले गए लेकिन मैं इनको बताना चाहूंगा कि आपको भाायद ऐसा महसूस हो रहा है कि भिवानी में ही पानी जा रहा है क्योंकि बीस साल से पानी घटा नहीं। अब थोड़ी सी नहर साफ हो गई। बाकी नहरें भी साफ हुई हैं। मेरे पास डिटेल है, अब भी भिवानी के जो आदमी चाहें देख सकते हैं। मैं आपको वह डिटेल दे सकता हूं। अब भी भिवानी के हिस्से का जो पानी है वह उसे पूरा नहीं मिल रहा है।

(इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए)

उपाध्यक्ष महोदय, जहां तक बजट का सवाल है हमारे अपोजी ान के नेता ने उस पर बोलते हुए बड़े ही ढंग से कहा कि कर्मचारियों के बारे में कुछ नहीं सोचा गया। भाायद वे कर्मचारियों के बारे में कम जानते हैं। उनको पता नहीं कि कर्मचारी क्या हैं, क्या चाहते हैं। मैं तो कहता हूं कि हमारे अपोजी ान के भाइयों का एक ही काम है कि जनता को कैसे भड़काया जाए। अपोजी ान को अपोजी ान का काम करना चाहिए। इनको सरकार को अच्छे सुझाव देने चाहिए। इनको अच्छा

रोल अदा करना चाहिए और सरकार के अच्छे कामों के लिए स्पोर्ट करना चाहिए। सरकार की ओर से बजट में कहा गया है कि पांचवें वेतन आयोग की सिफारि ों जिस दिन में सैन्ट्रल गवर्नमैंट लागू करेगी उसी दिन से हम लागू कर देंगे और जो एरियर सैन्ट्रल गवर्नमैंट देगी वही हम देंगे। मैं भी गजटिड ऑफिसर के पद से रिटायर हुआ है। (विध्न) दूसरे, सरकार ने ट्रैक्टर के टायर के लिए टैक्स कम किया। (विध्न) अगर यह किसानों के लिए नहीं है तो किसके लिए है? भिवानी में बाढ़ कहां से आई? कादमा कांड को भुलाने के लिए भिवानी में फल्ड लाया गया। पीने का पानी तो भिवानी के लोगों को मिलता नहीं है और जब बाढ़ आती है तो पानी भिवानी की तरफ कर दिया जाता है। आज तक भिवानी जिले के लोगों को पता नहीं था कि बाढ़ क्या होती है। उपाध्यक्ष महोदय, इनको जनता से कुछ नहीं लेना देना है, जनता से काई वास्ता नहीं है।

अब ये कानून व्यवस्था के बारे में बड़ी–बड़ी बातें कर रहे हैं कि बौंद में ये हो गया। (विध्न) उपाध्यक्ष महोदय, मैं पूछना चाहता हूं कि मेहम कांड क्या था (विध्न) मेहम कांड के खून के धब्बे आज भी पड़े हुए हैं। मैं इनको बताना चाहता हूं कि ला एण्ड आर्डर क्या है, ला एण्ड आर्डर कौन खराब करता है, ये चोरियां कहां होती है, रास्ते में लूट लेते हैं यह सभी को पता है, हर आदमी जानता है। हमारे ये महा ाय जी कह रहे थे कि भिवानी में लॉ एण्ड आर्डर खराब हो गया है, भिवानी में यह हो गया है

भिवानी में वह हो गया है लेकिन उपाध्यक्ष महोदय, आज कादमा कांड को हरियाणा में कोई नहीं भूला है जहां निहत्थे लोगों पर गोलियां चलाई गई थी, वहां पर मैं हाजिर था। वह सीन मैंने अपनी आंखों से देखा था कि निहत्थे किसानों पर गोलियां चलाई गई थी। (विध्न) उपाध्यक्ष महोदय, इनको समय दिया जाता है तो अपने अवसर पर पूरा बोलें इस तरह खड़े होकर सदन की गरिमा को खराब न करें अपनी बारी आने पर बोलें। बीच में बोलने का यह कोई तरीका नहीं है।

Mr. Deputy Speaker: This is not the way. You should not speak when the hon'ble member is on his legs. (Interruptions). आखिर सदन की कोई गरिमा होनी चाहिये। यह कोई तरीका नहीं कि आप किसी के बोलते समय बीच में बोलें। जब सदस्य बोल रहे हैं तो उन्हें बोलने दें।

श्री सतपाल सांगवानः मनीराम जी, आप मेरी कमेटी के सीनियर मैम्बर है। आपको अब सुनने में तकलीफ क्यों हो रही है? उस वक्त तो आप कादमा कांड के ठेकेदार बने फिर रहे थे। उपाध्यक्ष महोदय, कादमा में निहत्थे किसानों पर गोलियां चलाई गई और आज यह कहते हैं कि लॉ एण्ड आर्डर ठीक नहीं है। द्रोपदी कांड, सु ीला कांड किसने करवाये। सु ीला जिसने कि नकल नहीं करवाई थी। उपाध्यक्ष महोदय, सु ीला पर इन्होंने गोलियां चलवाई और जिसकी डैड बाडी का कोई पता नहीं चल सका। द्रोपदी कांड, सु ीला कांड, और रेणूका कांड इन्होंने की

करवाये थे और आज ये लॉ एण्ड आर्डर की बात करते हैं। भ्रश्टाचार कील बात करते हैं। उपाध्यक्ष महोदय, इनके समय में जो भ्रश्टाचार हुआ था उसको ये इतनी जल्दी भूल जाते हैं। उपाध्यक्ष महोदय, एक टाईम था जब सिपाही को चालिसिया कहते थे और चौधरी भजन लाल ने कमाल कर दिया कि इनके समय में एक सिपाही अस्सीया हो गया। इनके समय में एक सिपाही को पुलिस में भर्ती होने के लिए 80 हजार रुपये देने पड़ते थे। एक लाख रुपये में कलर्क भर्ती होता था। चौधरी भजन लाल जी खुद इंक्वायरी कर लें मैं उनको प्रूफ बता दूंगा कि किस ने कितना–कितना पैसा दिया। इन्होंने भ्रश्टाचार का माहौल खड़ा कर रखा था और आज हमें भ्रश्टाचारी बता रहे हैं। हमें पता नहीं कि भ्रश्टाचार क्या होता है, कहीं सुन–सुन कर हम न सीख जायें कि भ्रश्टाचार भ्गुरू तु चेला मैं गुरू। हम तो ये बातें सुना करते थे क्योंकि उस समय मैं तो राजनीति में नहीं था। एक कहावत सुनी थी कि एक आदमी चौधरी भजन लाल जी के पास आया कि एक्सियन उससे 500 रुपये मांग रहा है तो चौधरी भजन लाल जी ने कहा कि मेरे भाई यहां आया इसकी बजाये उसे 500 रुपये ही क्यों न दे दिये तेरा काम हो जाता। यह भ्रश्टाचार नहीं था तो और क्या था। इनके समय में नौकरियां बेची जाती थी। आपने सुना होगा कि किस तरह एच0पी0एस0सी0 के चार मैंम्बरों ने रिजाईन किया था यह किस के राज में हुआ यह सब बातें मुझे हाउस में बताने की जरूरत नहीं है। बहन करतार देवी जी बार बार खड़ी हो जाती है, उनको यह नहीं पता कि इनकी सरकार के

समय में जो हरिजनों की रिजर्वे ान की पोस्टें थी वे भी पूरी नहीं की गई, उनको जो कंडी ान में रिलैक्से ान दी जाती थी वह भी नहीं दी गई।

श्रीमती करतार देवीः उपाध्यक्ष महोदय, मैं भाई सतपाल सांगवान जी को बताना चाहूंगी कि हमारी सरकार ने जो भी रिजर्वे ान की पोस्टें थी उस हिसाब से सब पोस्टें भरी थीं आप इस बारे में रिकार्ड देख सकते हैं।

श्री सतपाल सांगवानः अब ये बहिन जी भी बड़ी बड़ी बातें करती हैं। जब फल्ड आया था तो पता नहीं इन्होंने क्या–क्या किया था। उपाध्यक्ष महोदय, एक रोहतक–भिवानी रेलवे लाईन जाती है। उस पर एक खर्क गांव है। उसके पास पुलिस को ले जाकर के रेलवे लाईन को कटवाया गया ताकि भिवानी का एरिया डूब जाए। वहां पर रात–रात को एक हजार आदमियों को पहरा देना पड़ा। ये कहते हैं कि हम जनता के बहुत ही भाुभचिंतक हैं।

श्रीमती करतार देवीः उपाध्यक्ष महोदय, वहां पर ये जाकर देखें कि किस ने कटवाया था और वे कौन थे। मेरा नाम तो ये गल्त कह रहे हैं।

श्री सतपाल सांगवानः आपकी पार्टी के आदमी होंगे। आपको पता तो है। उपाध्यक्ष महोदय, फल्ड राहत रा ि ा के बारे में मैं ईमारदारी से बताना चाहता हूं कि अगर एक स्वतंत्र इन्क्वायरी की जाए तो यह बात सामने आएगी तथा मेरा इस

हाउस में यह चेलेंज भी है कि फल्ड पर किए गए खर्च अथवा गबन से एक साल का बजट पूरा हो जाएगा। इन तथ्यों को पकड़ा जाए। उपाध्यक्ष महोदय, घर मेरा डूबा हुआ है और इसके लिए पैसे मेरा पड़ौसी ले रहा है। इन्होंने हर जगह पर गुर्गे छोड़ रखे थे। (विध्न) भागी राम जी, मैं भी एक सरकारी मुलाजिम था। मेरा भी सब कुद फल्ड में फंसा हुआ था। मैं कहता हूं कि अगर इतना पैसा जितना कि खर्च दिखाया गया है, वहां पर लगा दिया जाए तो सौ साल के लिए तो दादरी की प्रोग्रैस हो जाएगी। (विध्न) इन लोगों का दूसरा कोई मतलब नहीं है। (विध्न) इनको जनता से कोई मतलब नहीं है। इनका तो सिर्फ एक ही काम था लोगों को लूटना। ये महल कोई ऐसे ही नहीं बनते हैं। मैं एक गरीब किसान का बेटा हूं। ये महल जो खड़े हैं या अब बन रहे हैं, ये खेत की कमाई के नहीं है। यह सब भ्रश्टाचार का ही पैसा है। (विध्न) चौधरी भागी राम जी तो जब से पैदा हुए हैं, तब के ऐसे ही हैं।

श्री भागी रामः आपके . . . . . में दर्द क्यों हो रहा है।

श्री उपाध्यक्षः श्री भागी राम जी, आपको ऐसे भाब्द बोलना भाोभा नहीं देता है। यह पेट भाब्द कार्यवाही से निकाल दिया जाए।

श्री सतपाल सांगवानः उपाध्यक्ष महोदय, अब भी ये भाांति से नहीं बैठे हैं। ये असत्य बोलने में एक्सपर्ट हैं। मेरी तो

इस महान सदन में दो–चार सिटिंग अटैंड करने से एक ही ऑब्जरवे ान बनी है कि यहां पर असत्य के सिवाय कोई कुछ नहीं बोलता है। इनको बड़ा अचम्बा होगा कि माननीय चौटाला साहब और भजन लाल जी ने हमारे भी आदमियों को बरगलाने की कोि ा ा की थी। (विध्न) इनकी तो माल ही नजर आता है। मेरे एक माननीय साथी को भी इन्होंने कहा कि 30 लाख रुपए दूंगा। (ाोर)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः लेकिन आपने ये दो तो खरीद लिए हैं। (ाोर)

श्री सतपाल सांगवानः उपाध्यक्ष महोदय, यह बजट इन लोगों को पसंद नहीं आएगा।

श्री राम बिलास भार्माः डिप्टी स्पीकर साहब, भाोरेवाला जी के बारे में कुछ कहा गया है इसलिए वे एक मिनट अपनी बात कहना चाहते हैं।

वित्त मंत्री (श्री चरण दास): डिप्टी स्पीकर साहब, माननीय सदस्य ने डिफैक ान के बारे में बात कही है। मैं समता पार्टी के टिकट पर चुनाव जीत कर आया था मेरी समता पार्टी की विचारधारा के साथ कोई लड़ाई हुई और उन्होंने मुझे पार्टी से निकाल दिया। मैं यहां पर अनअटैच्ड बैठा हूं। न ही मैं खरीदा हुआ हूं और न ही मुझे खरीदने वाला कोई पैदा हुआ और न ही आगे कोई पैदा होगा। आप इस बारे में इन्कवायरी कराने के लिए

हाउस की एक कमेटी बना दें। अगर वह कमेटी मेरे द्वारा एक पैसा लिया हुआ भी साबित कर दे तो मैं उसी वक्त हाउस में अपना अस्तिफा देने के लिए तैयार हूं।

श्री राम जी लालः उपाध्यक्ष महोदय, ... (ाोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्षः जो माननीय सदस्य कह रहे हैं इसका बजट से कोई संबंध नहीं है इसलिए It will not go on record.

श्री ओम प्रका ा चौटालाः उपाध्यक्ष महोदय, मैं इस बारे में आपकी रूलिंग चाहूंगा कि जिस मामले के बारे में माननीय सदस्य रामजी लाल जी ने चर्चा की है अगर उसी प्रकार की चर्चा जो पहले हुई है क्या वह भी रिकार्ड पर नहीं आयेगी। (ाोर)

श्री उपाध्यक्षः अब यदि कोई माननीय सदस्य बजट से हट कर बोलेगा तो वह रिकार्ड पर नहीं आएगा।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः उपाध्यक्ष महोदय, अब क्यों जो पहले बोल चुके हैं वह बातें भी रिकार्ड पर नहीं आनी चाहिए। (ाोर)

श्री उपाध्यक्षः पहले जो बोल चुके वह स्पीकर साहब की मौजूदगी में बोल चुके।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः उपाध्यक्ष महोदय, आपकी मौजूदगी में जिन–जिन माननीय सदस्यों ने इस प्रकार की बातें कही हैं वह रिकार्ड से निकलवा दें। (ाोर)

17.00 बजे

श्री सतपाल सांगवानः उपाध्यक्ष महोदय, न ाबंदी का जहां तक सवाल है ये भाई बड़ी लच्छेदार स्पीच देते हैं। इन लोगों ने चारों तरफ भाराब के ठेके लिए हैं। मैं इनसे जानना चाहता हूं कि ये बताएं कि किसने ठेके लिए हुए हैं। चण्डीगढ़ में या चण्डीगढ़ के आसपास या राजस्थान में किन लोगों ने ठेके लिए हुए हैं। ये भाई कहते हैं कि हविपा और भाजपा भाराब बिकवाती है। मैं चाहता हूं कि इसकी जांच के लिए हाउस की एक इन्डीपेन्डेंट कमेटी बनाई जाये जो इस बात की जांच करे कि इनके लोगों ने कितने ठेके लिए हुए हैं। उपाध्यक्ष महोदय, इनके लोगों ने हरियाणा के साथ लगते भाहरों में ठेके लिए हुए हैं। इनका आम आदमी भाराब बिकवाता है। (विध्न) ये बड़े खु ा होकर लच्छेदार भाश्ण तो देते हैं। इनको रात के समय आराम से सोचना चाहिए कि कौन भाराब बिकवाता है क्योंकि दिन में तो इनको सोचने की फुर्सत नहीं है। अगर मैं गलत हूं तो सदन जो चाहे मुझे सजा दे दे, मैं उस सजा को भुगतने के लिए तैयार हूं। (विध्न) चण्डीगढ़ में व हरियाणा की सीमा के साथ लगते एरिया में इनके ठेके हैं। चौधरी बंसी लाल जी ने न ाबंदी के लिए जो कानून बनाया था उसके लिए बंसी लाल जी की प्र ांसा हो रही

थी, उसको ये बर्दा त नहीं कर पा रहे। (विध्न) (इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए।)

श्री कृश्ण लालः अध्यक्ष महोदय, मुझे न तो गवर्नर एड्रैस पर और न बजट पर अभी तक बोलने का समय मिला है। कृपया मुझे बोलने के लिए समय दें।

श्री अध्यक्षः देखिए गवर्नर ऐड्रैस पर डिस्क ान के दौरान बजट पर बोलने के लिए समय का जो फैसला हुआ था उसके हिसाब से मैंने अधिक टाईम दिया है। आप बैठिये। आपको भी समय मिल जायेगा, सांगवान साहब आप 5 मिनट में खत्म करिए।

श्री सतपाल संागवानः स्पीकर साहब, मैंने आज ही क्वै चन आवर के दौरान एक मिनि सचिवालय दादरी में बनवाने के लिए प्र न किया था। वहां पर इनके राज में एक भी ईट लगी हो तो ये बता दें। ये इतने दिनों तक चीफ मिनिस्टर रहे। ये अपने आपको फन्ने खां समझते हैं किसानों के हितैशी बनते हैं। मैं पूछना चाहता हूं कि क्या दादरी में किसान नहीं रहते। इन्होंने वहां के किसानों के लिए क्या किया है। ये छाती खोल कर कह दें कि इन्होंने कोई काम तो किया नहीं हां हमारे लिए फल्ड जरूर ये लेकर आये। हम आठ महीने तक पेर ाान रहे। सरकार हमरे साथ नहीं थी, सिर्फ भगवान ही हमारे साथ था, उसी ने हमारा समय समय पर साथ दिया है। अध्यक्ष महोदय, वहां पर जो होस्पीटल है

वह पुराने राजा के समय में आज से 100 साल पहले जो बिल्डिंग बनी थी उसमें है। उसकी बहुत खराब हालत है। मैं चाहता हूं कि वहां पर हस्पताल की नई बिल्डिंग जल्दी से जल्दी बनाई जाये। स्पीकर साहब, मेरे हल्के में दुबलधन माईनर है जो कि हमारे बेरी और दादरी के इलाके में पड़ती है। इनकी पार्टी का एक युवा विधायक किसानों का मसीहा कहने वाला यहां पर बैठा है, मैं उसका नाम नहीं लूंगा। वे भी वहां पर वोट्स लेने के लिए गए थे। उस वक्त वह स्टेट के महाराज थे। वहां पर सब हो कर आए थे। (विध्न) तो मैं कह रहा था कि दुबनधन माईनर चल जाएगी तो उससे लोगों का काफी भला हो जाएगा। (विध्न) स्पीकर सर, इसी तरह से पीने के पानी की बात है। (विध्न एवं भाोर)

श्री अध्यक्षः आप बाढ़ की बात कह रहे थे।

श्री सतपाल सांगवानः स्पीकर सर, आपको तो सारी बात का पता ही है। आप और मैं तो वहां पर बराबर खड़े रहे थे। बहन करतार देवी ने माना कि नहर का पानी काटा। (विध्न एवं भाोर)

श्री अध्यक्षः मैं सभी सीनियर आनरेबल मैम्बर्ज से यह रिक्वैस्ट करूंगा कि जब कोई नया मैम्बर बोल रहा हो तो उसे डिसक्रेज न करें उसे बोलने दें। कल बलबीर सिंह जी बोल रहे थे तो हमने उनको बोलने का पूरा मौका दिया था। अतः यह रिक्वैस्ट

है कि नये सदस्य को बोलने दें और पुराने और सीनियर सदस्य बीच बीच में टोका टाकी न करें। (विध्न)

श्री सतपाल सांगवानः स्पीकर सर, अन्त में मैं अपने ओपोजी ान के नेताओं और भाईयों से एक बात कहना चाहूंगा कि वे ठाठ से इस सरकार को चलने दें इस सरकार को काम करने दें तो पता चल जाएगा कि यह सरकार जनता के लिए कितना काम कर रही है। स्पीकर साहब, इस सरकार को चलने से इनको तकलीफ हो रही है। (विध्न) स्पीकर साहब, ये गोहाना भाूगर मिल की बात कर रहे थे। ये किसानों के नेता बन कर उनका भला करने की बात तो करते हैं लेकिन किसानों का वास्तव में भला करना नहीं चाहते हैं। अगर ये उनका भला करना चाहते तो जब इनकी सरकार थी उस समय क्यों नहीं उनके लिए इन्होंने कुछ किया। (विध्न) उस वक्त तो ये उल्टे सीधे काम करते रहे। ये हरियाणा की जनता का भला नहीं चाहते हैं। स्पीकर सर, जो बजट फाईनैंस मिनिस्टर महोदय ने प्रस्तुत किया है मैं उसका 100% समर्थन करता हूं। यह बजट इतना बढ़िया है कि इस बजट से इनको जलन हो रही है और इनके पास बजट का विरोध करने के लिए कोई बात ही नहीं है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से लीडर ऑफ दि हाउस तथा फाईनैंस मिनिस्टर द्वारा इतना बढ़िया बजट प्रस्तुत करने पर उनको बधाई देता हूं तथा आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया।

(इस समय कई सदस्य अपनी सीटों पर बोलने के लिए खड़े हो गये)

श्री अध्यक्षः आप सभी लोग अपनी–अपनी सीटों पर बैठिए।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मेरी सबमि ान है कि मैंने अपना नाम सुबह से लिखकर भेजा हुआ है लेकिन अभी तक मुझे बोलने का समय नहीं दिया गया है।

श्री अध्यक्ष महोदयः भजन लाल जी, जब हम विपक्ष में थे और आपकी सरकार थी तो उस वक्त विपक्ष को बोलने का मौका नहीं मिलता था। अब आप खुद विपक्ष में बैठे हैं तो विपक्ष का दर्द आपको पता लग रहा है। आप अपने समय में विपक्ष को सुनते नहीं थे। (विध्न)

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, आपके लिए इस प्रकार की बात कहना वाजिब नहीं है। इस प्रकार की बात जिस कुर्सी पर आप बैठे हैं वहां से कहना मुनासिब नहीं है। अगर मैं कोई बात कहूंगा तो मेरे खिलाफ और कोई बात खड़ी कर दी जाएगी। इस प्रकार की बात कहना आपको भाोभा नहीं देता है। अध्यक्ष महोदय, जो बातें मेरे बारे में कही गई हैं उनका जवाब भी मुझे देना है इसलिए आप मुझे यह बताने की कृ पा करें कि आप मुझे बोलने के लिए समय देंगे या नहीं। (विध्न एवं भाोर)

श्री अध्यक्षः मैं आपको कोई वायदा नहीं करूंगा आपकी पार्टी 113 मिनट बोल चुकी है। अगर भजन लाल जी टाईम बचा तो देख लेंगे। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मेरे बारे में बात कही गई है क्या उस बारे में भी मुझे बोलने नहीं दिया जाएगा।

श्री अध्यक्षः चौधरी साहब, आप बैठ जाएं अभी काफी समय है। अगर आप बैठ जाएंगे तो हो सकता है कि आपको भी बोलने के लिए समय बच जाए। इस तरह से सदन का समय खराब न करें। अगर आप जाना चाहते हैं तो आप बताएं। (ाोर)

मुद्रण तथा लेखन सामग्री राज्य मंत्री (श्रीमती कृश्णा गहलावत): अध्यक्ष महोदय, 12 मार्च को इस सदन में कर रहित जो बजट पे ा हुआ है मैं उसका समर्थन करने के लिए खड़ी हुई हूं। आज इस बजट की सराहना पूरे हरियाणा में हो रही है। हरियाणा में व्यापार मंडल और दूसरी संस्थाएं भी इसकी सराहना कर रही है। अध्यक्ष महोदय, जब हमारे मुख्य मंत्री जी ने सत्ता संभाली तो हरियाणा प्रदे ा की अर्थव्यवस्था में काफी गड़बड़ थी और पिछली सरकार सारा सरकारी खजाना खाली कर गई थी। अब इस बजट में सभी कल्याणकारी बातों का ध्यान रखा गया है। हमारी सरकार ने जो भाराबबंदी का काम किया है यह बहुत ही अच्छा काम किया है। हमारे विपक्ष के नेता और पिछली सरकार के नेता इस बात को कहने की हिम्मत ही नहीं कर पाते थे लेकिन

हमारी सरकार ने यह काम करके दिखा दिया। हमारे विपक्ष के नेता ने इस सदन में यह कहा था कि सरकार ने बहुत ही कल्याणकारी काम किया है। अगर उन्होंने यह कहा था तो इनको यहां पर इसको ठीक ढंग से लागू करने के बारे में बात कहनी चाहिए थी। ये यहां पर कहते हैं कि आज हरियाणा में भाराब बंद नहीं हुई है उसकी समगलिंग होती है। इनको तो, इसको कैसे रोका जाए, उसके बारे में राय देनी चाहिए। मैं तो यह कहती हूं कि भाराब की समगलिंग में विपक्षी दल का हाथ है। भाराब का धन्धा करने में विपक्षी दलों के कार्यकर्ताओं और नेताओं का भी हाथ है। इसमें कांग्रेस और एस0जे0पी0 वाले भाामिल हैं। आज भाराब बंदी से हरियाणा में भाान्ति और खु ाहाली आई है। आज हमारी माताएं और बहनें हरियाणा में सुरक्षित हैं। इस बात के लिए मैं मुख्य मंत्री जी को धन्यवाद देती हूं।

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। अध्यक्ष महोदय, बहन कृश्णा जी ने बोलते हुए हमारी पार्टी का नाम लिया और कांग्रेस का भी नाम लिया लेकिन मुझे कांग्रेस पार्टी से कुछ लेना देना नहीं है कि वह क्या करती है। हमारी पार्टी का कोई भी नेता या मैम्बर यह काम नहीं करता है। ये जो बात कह रही हैं यह गलत बात कह रही हैं।

श्री अध्यक्षः यह कोई प्वायंट ऑफ आर्डर नहीं है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्रीमती कृश्णा गहलावतः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से चौधरी धीरपाल सिंह जी को बताना चाहूंगी कि ये एक बहुत ही बढ़िया आदमी हैं और वे भाराब से काफी दूर भी रहते हैं लेकिन जो इनके हल्के में इनके कार्यकर्ता भाराब बेचते हैं उनकी वजह से ये दुखी हैं। ये यहां इसलिए कह रहे हैं क्योंकि इनके कार्यकर्ता भाराब बेचने में लिप्त हैं।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, हमारे दो साथी यानी चरणदास भाोरेवाला और विनोद मढ़िया ही भाराब बेचते थे। इसके अलावा हमारा कोई कार्यकर्ता भाराब नहीं बेचता था। (विध्न)

श्री रामबिलास भार्माः स्पीकर सर, चौधरी भजन लाल जी एवं आदरणीय ओम प्रका ा चौटाला जी भाराब बंदी के बारे में प्रमुख रूप से पहले ही दिन से आलोचना कर रहे हैं। उसका कारण यह है कि आदरणीय भजन ाला जी के दामाद एवं आदरणीय चौटाला साहब के दामाद भाराब क्रम ाः बनाते और बेचते थे। उस समय तो इन्होंने कह दिया कि हम भाराब बंदी का समर्थन करते हैं लेकिन बाद में जब इनके ऊपर अपने–अपने दामादों का दबाव पड़ा तो अब ये ऐसी बातें कहने लगे।

वैयक्तिक स्पश्टीकरण–

(i) श्री ओम प्रका ा चौटाला द्वारा

श्री ओम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, मेरी पर्सनल ऐक्सप्ले ान है। सर, श्री राम बिलास भार्मा बहुत ही सीनियर और सम्मानित सदस्य है। लेकिन मुझे इनकी जुबान से इस प्रकार की बातें सुनकर अफसोस है। मैं इनके नोटिस में आपके द्वारा एक बात लाना चाहता हूं कि न तो मेरा कोई परिवार का सदस्य भाराब बेचता है और न ही मेरे किसी दामाद ने भाराब बेची है। लेकिन मैंने यह जरूर तसलीम किया है कि पहले हमारी पार्टी में केवल दो लोग यानी भाोरेवाला साहब और मढ़िया साहब भाराब बेचते थे। (विध्न) मैं इस बात को तसलीम करता हूं। (विध्न)

श्री अध्यक्ष: मैं सभी माननीय सदस्यों से एक अपील करना चाहता हूं कि जब वह दूसरों की आलोचना करते हैं तो उनमें अपनी आलोचना भी सुनने की क्षमता होनी चाहिए। You should also be good listeners.

(ii) वित्त मन्त्री द्वारा

वित्त मंत्री (श्री चरणदास): स्पीकर साहब, मैं भी पर्सनल एक्सप्लेने ान देना चाहता हूं। अपोजी ान के नेता को इस तरह की बात नहीं करनी चाहिए। इन्होंने मेरे ऊपर भाराब बेचने का आरोप लगाया है लेकिन भाराब बेचना तो दूर अगर मैंने सारी उम्र में भाराब पी भी हो तो मैं इस्तीफा देने के लिए तैयार हूं।

श्री ओम प्रका ा चौटाला: भाराब पीना और बेचना दोनों अलग–अलग बातें हैं।

श्री चरणदासः आप भाराब बेचने की मान लो। हम पीने के बारे में तो कुछ नहीं कहते कि आप भाराब पीते हैं।

श्री चरणदासः अध्यक्ष महोदय, इन जैसे अपोजि ान के नेता को ऐसी बातें कहना भाोभा नहीं देता। ये हाउस के अंदर अपनी पार्टी को समता पार्टी बताते हैं और हाउस के बाहर अपनी पार्टी को समाजवादी जनता पार्टी बताते हैं। अध्यक्ष महोदय, आपको इस बारे में कानूनी कार्यवाही करनी चाहिए। सर, मैंने कभी कोई भाराब नहीं बेची है और न ही मैंने कभी भाराब पी है।

(iii) चिकित्सा ि ाक्षा राज्य मंत्री द्वारा

चिकित्सा ि ाक्षा राज्य मंत्री (श्री विनोद कुमार मढ़िया): स्पीकर साहब, चौटाला साहब ने जो इल्जाम लगाया है उसके बारे में मैं आपके द्वारा इनको बताना चाहूंगा कि मैं तो पिछले 15 सालों से भाराब के काम से दूर हूं और जिंदगी में मैंने कभी भाराब नहीं पी। अगर फिर भी ये कहते हैं कि मैं भाराब बेचता था तो मैं कहना चाहूंगा कि उसमें इनका हिस्सा भी मेरे साथ होता था।

वर्श 1997–98 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर सर, अभी–अभी विपक्ष के नेता ने भाोरेवाला जी एवं मढ़िया साहब पर जो इल्जाम लगाया है तो इस बात को सारा सदन और तमाम हरियाणा प्रदे ा की जनता जानती है। फिर भी अगर कोई इनकी गलत बातों में हाँ में

हाँ मिलाएगा तो क्या वह दूध का धुला हुआ है? अगर इनकी गलत नीति मानने से कोई भी आदमी इंकार करेगा तो वह हरियाणा प्रदे ा के हितों को देखते हुए इनकी गतल बातों से दूर रहेगा। अध्यक्ष महोदय, यह इनकी अकेले की आदत नहीं है जो हमारे दे ा के भूतपूर्व उप–प्रधान मंत्री . . . . . रहे हैं उन्होंने वी0पी0 जी के बारे में यह कहा कि (विध्न)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः ऑन ए प्वायंट ऑफ आर्डर स्पीकर सर, मैं आपके नोटिस में कई दफा यह बात ला चुका हूं कि जो आदमी इस हाउस की सम्मानित सदस्य नहीं है उसका नाम यहां पर न लिया जाए लेकिन हर बार ये उनका नाम ले देते हैं।

श्री अध्यक्षः श्री देवी लाल जी का नाम कार्यवाही से निकाल दिया जाए।

श्री कर्ण सिंह दलालः तो मैं यह कह रहा था कि पहले तो वी0पी0 सिंह जी का नाम लिया करते थे कि यह इस दे ा का सबसे बड़ा राजपूत बहादुर है लेकिन जब उनकी उनसे बनना बंद हो गई और जब वी0पी0 सिंह जी उनकी बात नहीं मानते थे तो उन्होंने दे ा के लोगों के सामने कहा कि मैंने तो इसे तलवार चलाने वाला राजपूत समझा था मुझे क्या पता था कि ये उस्तरा चलाने वाला राजपूत है।

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरी सबमि ान है कि दे ा के पूर्व उप–प्रधानमंत्री के बारे में जो भाब्द यहां प्रयोग हुए हैं वह यहां भाोभा नहीं देते हैं।

श्री कर्ण सिंह दलालः इस बात का अखबारों में रिकार्ड है।

श्री धीरपाल सिंहः यह भी हाउस की परम्परा रही है कि यहां अखबारों की बात कोट नहीं होती। आपके द्वारा मैं हाउस से विनती करता हूं कि श्रीमती कृश्णा जी ने बोलते हुए मेरे हल्के और मेरे कार्यकर्ताओं के बारे में आरोप लगाए। उस बारे में एक चौधरी सोमवीर सिंह जी जो कि बंसी लाल जी के दामाद हैं और दूसरी बहन कृश्णा जी बैठी हैं, इन दोनों की दो मैंबरी कमेटी आप बना दें और ये बादली हल्के में जाकर इंक्वायरी कर लें और उसकी रिपोर्ट हाउस में रख दें।

श्रीमती कृश्णा गहलावतः अध्यक्ष महोदय, आज भाराब बंदी की वजह से पूरे प्रदे ा में अपराधों में कमी आई है, लड़ाई–झगड़ों में कीम आई है, दुर्घटनाओं में कमी आई है, बहिन बेटी की इज्जत सुरक्षित है। चौधरी बंसी लाल जी के मुख्यमंत्री बनने से पहले चौधरी भजन लाल जी की सरकार होती थी और वे प्रदे ा के मुख्यमंत्री बनते ही कहा करते थे कि कोई बहू–बेटी रात के 12 बजे गहनों से लदकर कहीं भी आ जा सकेगी। लेकिन उनके राज में उनके अपने जिले में बहन सु ाीला का अपहरण

कर लिया गया और आज तक भी यह पता नहीं लगा कि वह कहा है। रेणुका कांड में इनके मंत्रिमंडल के मंत्रियों का नाम लिया जा रहा था उसका भी आज तक पता नहीं लगा। इसी तरह द्रोपदी कांड हुआ। कुरूक्षेत्र में दो बहनों का अपहरण हुआ उनका आज तक पता नहीं लग पाया है आज ये राज्य में कानून व्यवस्था की बात करते हैं तो मुझे बड़ी भार्म आती है। इसके अलावा यहां हमारे विपक्ष के नेता बैठे हैं मुझे बताते हुए थोड़ी भार्म आ रही है क्योंकि उस वक्त मैं उनकी पार्टी में ही थी (ाोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, मैं इस बारे में ज्यादा चर्चा नहीं करूंगी यह तो आपको पता लग ही गया कि मैंने इनकी पार्टी क्यों छोड़ी थी। इनके वक्त में कानून व्यवस्था का क्या हाल था, इस बारे में सभी जानते हैं। अध्यक्ष महोदय, यहां पर विपक्षी नेता बैठे हैं और भी सदस्यगण बैठे हुए हैं मैं उनसे निवेदन करूंगी कि ये सरकार के अच्छे कार्यों में सहयोग करें। चौधरी बंसी लाल जी ने तो इनको खुली छूट दे रखी है कि ये किसी भी सुधारीकरण के काम में और भाराबबंदी को पूरी तरह लागू करने के बारे में किसी भी समय कोई सुझाव दे सकते हैं। इनको यह भी पूरी छूट है कि भाराब की समगलिंग के बारे में कोई भाक है तो किसी भी पुलिस स्टे ान में जाकर ये बता सकते हैं उस पर पूरी कार्यवाही होगी। आज पूरे हरियाणा में कानून व्यवस्था ठीक है और खु ाहाली है। आज मेरी बहनों की इज्जत सुरक्षित है। पहले की सरकार के समय सायं पांच बजे के बाद मेरी कोई बहन बसों के अन्दर सफर नहीं कर सकती थी। आज वे पूरी तरह सुरक्षित एवं खु ाहाल हैं।

आज जो बजट यहां पर पे ा किया गया है उसमें स्वास्थ्य के बारेक में, कृशि के बारे में और सड़कों के बारे में सभी प्रकार से अच्छा ध्यशन दिया गया है। हरियाणा में भाराबबंदी लागू हो गई है और भाराब छोड़ने के बाद लोगों को पूजा पाठ करने के लिए धूपबत्ती को बिल्कुल कर–मुक्त कर दिया गया है ताकि वे भाराब को भुलाकर पूजा पाठ में अपना ध्यान दें। कृशि क्षेत्र में किसानों को ट्रैक्टर खरीदने के लिए दस प्रति ात की बजाये पांच प्रति ात कर में छूट दे दी गई है जिससे किसानों को राहत मिल सके। गरीबों के बारे में वि ोश ध्यान दिया गया है। जो रिक ा तथा साईकिल चलाते हैं उनके लिए कर में पूरी तरह से छूट दे दी गई है। स्पीकर सर, इस बजट से पूरे प्रदे ा में एक अच्छा असर पड़ा है तथा सभी जगह इस बजट की सराहना हो रही है। व्यापार मण्डल ने भी इस बजट की सराहना की है। मैं अध्यक्ष महोदय, एक बार फिर से इस बजट का समर्थन करती हूं। धन्यवाद।

श्री नफे सिंह राठी (बहादुरगढ़): अध्यक्ष महोदय, जो सरकार ने 1997–98 का बजट पे ा किया है मैं उसके विरोध में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। अध्यक्ष महोदय, इस बजट में सरकार ने बिजली के सुधारीकरण की बात कही है। बिजली के निजीकरण से अब सुधारीकरण पर यह सरकार आई जो कि एक ही बात है। आज हरियाणा में हरेक नागरिक इस बात से चिंतित है कि सरकार जो सुधारीकरण करने जा रही है उससे बिजली के

रेट और बढ़ेंगे और किसानों तथा आम आदमी के लिए कनैक ान लेने में जो भी सहूलियतें मिलती है उनमें दिक्कत आयेगी। अध्यक्ष महोदय, सरकार ने 1575 करोड़ रुपये का जो बजट पे ा किया है यह बजट पिछले वर्श की तुलना में लगभग 15 प्रति ात ही ज्यादा द ार्या है। अध्यक्ष महोदय, जहां तक बिजली के निजीकरण की बात है जैसा कि एक टयूबवैल को लगाने में लगभग 40 हजार रुपये खर्चा आता है अगर निजीकरण हो जायेगा किसानों को अपने टयूबवैल के कनैक ान लेने के लिए लाख कोि ा ा करने पर भी बिजली नहीं मिल पायेगी। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ साथ बिजली की व्यवस्था इस समय हरियाणा में ठीक नहीं है। आज देहातों में लोग बिजली से काफी देखी हैं। अध्यक्ष महोदय, 10—6—96 को माननीय मुख्यमंत्री जी हरियाणा की नहरों की अनेक टेलों पर जाकर आये ताकि यह देख सकें कि हरियाणा की नहरों से हरेक टेल तक पानी पहुंचा है या नहीं। अध्यक्ष महोदय, मैं इस बात का प्रूफ दे सकता हूं कि अधिकारियों ने इस बात के आदे ा जारी किये कि पीछे से सारे मौगों को बंद करके सारा पानी अंतिम टेल तक पहुंचाया जाए ताकि मुख्यमंत्री जी टेल पर पहुंचा हुआ पानी देख सकें और यह घोशण कर सकें कि हमने अंतिम टेल तक पानी पहुंचा दिया है। इस प्रकार के आदे ा एस0डी0ओ0 ने जे0इज0 को दिये। गांव रोहदा से लेकर भाोरदा तक सारे मोगे बंद कर दिये गए क्योंकि मुख्यमंत्री जी ने टेल तक पानी पहुंचाने का वायदा किया है। अगर इस तरह से टेल पर पानी देखना है तो हर जगह टेल तक पानी पहुंचाया जाए। लेकिन मेरा हल्का

बहादुरगढ़ जो टेल पर पड़ता है वहां पर पानी नहीं पहुचां है। इ ार हैड़ी गांव जो मेरे हल्के में पड़ता है तथा जिसका मंत्री जी ने जिक्र किया था। वहां पर आज अगर जांच की जाए तो मालम होगा कि इ ार हैड़ी गांव के वाटर टैंक में पानी की एक घंट भी नहीं है। इसके विपरीत ये इस सदन में ब्यान करते हैं कि इस सरकार ने टेल तक पानी पहुंचाने का काम कर दिया है। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ साथ मैं सड़कों के बारे में जिक्र करूंगा। आज हरियाणा की तमाम सड़कें तथा जो अप्रोच रोडज हैं, वे बिल्कुल टूटी हुई हैं तथा मंत्री जी सदन में जवाब देते हैं कि धन उपलब्ध होने के बाद ये सब ठीक कर दी जाएगी। एक तरफ तो ये तारीख भी देते हैं लेकिन दूसरी तरफ धन की उपलब्धता की बात भी करते हैं। यह किस किस्म की ए योरेंस है। यह धन कब उपलब्ध होगा? कब तक ये सड़कें ठीक होंगी? छोटे छोटे सड़कों के टुकड़े जहां पर सड़क नाम की कोई चीज ही नहीं है, वे सड़के ठीक नहीं हैं। बहादुरगढ़ से नजफगढ़ तक तक दस कि0मी0 की एक सड़क है, वह अभी तक ठीक नहीं हो पाई है। दूसरी तरफ मंत्री जी के गांव की तरफ जो रास्ता जाता है वह भी बुरी हालत में है, उसको भी ठीक कराकर, इन्होंने अपने घर के लिए स्पै ान नै ानल हाई–वे नं0 8 से सीधी सड़क निकलवाने का कार्य भाुरू करवा दिया है। लोगों की जो कठिनाईयां हैं उनकी तरफ इस सरकार का कोई ध्यान नहीं है बल्कि अपने पर्सनल कार्यों में इस सरकार के मंत्रीगण लगे हुए हैं। अध्यक्ष महोदय मैं अर्ज करना चाहता हूं। कानून और व्यवस्था की स्थिति आज बहादुरगढ़ में

खराब है। आज अखबार में एक खबर छपी है कि एक आठवीं क्लास के बच्चे का कत्ल हुआ है तथा कातिल पकड़ा नहीं गया है। एक लड़का बहादुरगढ़ हल्के के मेहंदीपुर डाबोदा गांव का है, जिसका नाम अजीत सिंह है तथा इसकी उम्र 20–21 वर्श की है। इस बारे में मेरा एक ध्यानाकर्शण प्रस्ताव भी आया था। 25–2–97 को उसकी जीप बहाहुदगढ़ से किराए पर ली गई। उसकी वह जीप जला दी गई तथा उसका कत्ल कर दिया गया। उसकी ला ा का आज तक पता नहीं चला है। लेकिन सरकार इस मामले में अभी तक कुछ नहीं कर सकी है। इसमें 3 आदमी इन्वाल्व थे। एक आदमी को जनता ने पकड़कर पुलिस को सौंप दिया तथा अन्य आदमी अभी तक पुलिस द्वारा पकड़े नहीं जा सके हैं। इस प्रकार के कांड बहादुरगढ़ में हो रहे हैं। यह एरिया बार्डर पर पड़ता है तथा दिल्ली के भी नजदीक है। लेकिन आज जब हम विकास की बात करते हैं तथा वहां पर बाई–पास बनाने की बात करते हैं तो मंत्री जी कहते हैं कि इस किस्म का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन नहीं है। (घंटी) अध्यक्ष महोदय, मुझे 2–4 मिनट का समय और दे दीजिए। आखिर हम नए–नए चुनकर इस सदन में आए हैं। अगर कोई अनपार्लियामैंटरी भाब्द भी मेरे मुख से निकल जाएं तो उसके लिए भी मैं माफी चाहता हूं। धीरे धीरे हम बोलना भी सीख जाएंगे। अध्यक्ष महोदय, आज कानून और व्यवस्था की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। अभी भाराबबंदी के बारे में जिक्र हुआ। मंत्री जी भी कहते हैं कि हमारे आदमी भाराब बेचते हैं। यह भार्म की बात है, जब हमारे आदमी भाराब बेचते हैं तो

उनको ये पकड़वाते क्यों नहीं हैं। मैं बताना चाहता हूं कि हमारे आदमी भाराब नहीं बेचते हैं। भाराब बेचने वाले तो सरकार से समर्थित आदमी ही हैं। अध्यक्ष महोदय, आज भाराबबंदी की धज्जियां कौन उड़ा रहा है? यह सब इनके एम0एल0एज0 और मंत्रीगण कर रहे हैं। पिछले दिनों बहादुरगढ़ में चौधरी बंसी लाल जी के एक रि तेदार जो डी0एस0पी0 हैं। उनका स्थानांतरण हुआ। उन्होंने खुलेआम भाराब की चोरी करवाई। जब उनके दफ्तर में कोई जाता था तो भाराब के ठेकेदार वहां पर बैठे मिलते थे। अब उसको वहां से ट्रांसफर कर दिया गया है। यह बहुत ही अच्छा किया है। उसको वहां नहीं लगाया जाना चाहिए था। अब मैंने सुना है कि वह रोहतक में है और अब भी भाराब बिकवाने का काम वह करता है।

वैयक्तिक स्पश्टीकरण–

मुख्य मंत्री द्वारा

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल): अध्यक्ष महोदय, मैं पर्सनल एक्सप्लेने ान देना चाहता हूं। न तो उनके खिलाफ भाराब बिकवाने की कोई ि ाकायत थी और न आज कोई ि ाकायत है। ये कहते हैं कि उनको रोहतक में बैठा दिया तो हरियाणा से बाहर उनको भेजने का अखित्यार मुझे नहीं है।

वर्श 1997–98 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री नफे सिंह राठीः अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्य मंत्री जी ने कहा कि उनको हरियाणा से बाहर भेजने का उनके पास अधिकार नहीं है। तो मैं इनको कहना चाहूंगा कि यदि वह इतने ही बढ़िया आदमी हैं तो आप उसको भिवानी ले जाओ। अध्यक्ष महोदय, जहां तक विकास की बात है इस बारे में मैं एक बात आपके सामने कहना चाहूंगा कि बहादुरगढ़ म्यूनिसिपल कमेटी के आज तक इलैक ान नहीं हो पाए हैं। उस म्यूनिसिपल कमेटी का जो सैक्रेटरी सरकार ने लगाया हुआ है उसको वहां पर 6 साल हो गए उसने वहां पर धांधली मचाई हुई है। बहादुरगढ़ म्यूनिसिपल कमेटी की लगभग 10 करोड़ रुपए की जमीन थी और जमीन की रजिस्ट्री भी बहादुरगढ़ म्यूनिसिपल कमेटी के ननाम है लेकिन उस जमीन का नक ाा किसी और आदमी के नाम पास कर दिया है। हमने उसके खिलाफ आवाज उठाई लेकिन मुझे पता नहीं उसकी इंक्वायरी कहां तक पहुंची है। जो 10 करोड़ रुपए की कीमत की जमीन उस म्यूनिसिपल कमेटी की थी उस सैक्रेटरी ने वह किसी दूसरे आदमी के नाम पास कर दी। हमने उस जमीन के बारे में उस म्यूनिसिपल कमेटी के एडमिनिस्ट्रेटर को भी लिख कर दिया और हमने कोर्ट में भी अपील की थी। वह केस कोर्ट में पैंडिंग है फिर भी उस जमीन का नक ाा किसी दूसरे आदमी के नाम पास कर दिया ताकि कोर्ट में केस कमजोर हो जाए। अध्यक्ष महोदय, वह 10 करोड़ रुपए की जमीन है उसका सारा रिकार्ड उपलब्ध करवाया जाए और उसकी इंकवायरी कराई जाए। इन

भाब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान ग्रहण करता हूं और बजट का विरोध करता हूं।

श्री आनन्द कुमार भार्मा (बल्लभगढ़): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर बालने के लिए समय दिया उसके लिए आपका धन्यवाद। अध्यक्ष महोदय, माननीय वित्त मंत्री जी और हरियाणा सरकार ने जो बजट पे ा किया है मैं उसका समर्थन करता हूं और उसके समर्थन में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। अध्यक्ष महोदय, भाराबबंदी लागू करने पर हरियाणा सरकार को 600 करोड़ रुपए का घाटा हुआ है और पिछले दिनों बाढ़ के कारण जो पैसा लोगों की सहायता के लिए खर्च किया गया उससे यह समझा गया कि सरकार भारी भरकम टैक्स लगाकर हरियाणा की जनता को टैक्स के बोझ से लाद देगी। मेरे अपोजि ान के साथी इस बात का बड़ा बढ़–चढ़ कर प्रचार कर रहे थे कि सरकार टैक्स लगाएगी। लेकिन जब बजट पे ा हुआ तो इनके हौंसले पस्त हो गए। जब बजट पे ा हुआ तो सारे हरियाणावासी मुख्यमंत्री जी को और वित्त मंत्री जी को अपने दिल से भुभ कामनाएं और भुभ आि ाश देने लगे। अध्यक्ष महोदय, ट्रैक्टर्ज के टायरों पर कर घटा कर सरकार ने किसानों को जो राहत दी है उससे ऐसा लगता है और यह साफ जाहिर होता है कि हमारी सरकार किसानों की कितनी हमदर्द है। अगरबत्ती और धूप पर कर में छूट दे कर वित्त मंत्री जी ने धार्मिक लोगों की भावनाओं को पूरा सम्मान दिया है। रिक ाा चालकों को रिक ाा पर कर में छूट

दे कर उन गरीब लोगों को जो राहत दी है वह सराहनीय कदम है। अध्यक्ष महोदय, इस बजट में बसे बड़ी उपलब्धी यह है कि हरियाणा की जनता पर कोई नया कर नहीं लगाया गया है बल्कि तीन मदों पर कर में छूट दी गई है। इसके लिए मैं एक बार फिर मुख्य मंत्री जी और वित्त मंत्री जी को बधाई देता हूं। यह बजट विरोधी पक्ष के लोगों के लिए एक करारा जवाब है। जैसा वह प्रचार कर रहे थे कि सरकार बड़े भारी कर लगाने जा रही है लेकिन सरकार ने कोई कर नहीं लगाया। आदरणीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी और वित्त मंत्री जी को यानि पूरी सरकार को अपनी तरफ से और अपने क्षेत्र की जनता की तरफ से हार्दिक बधाई देता हूं कि उन्होंने एक सन्तुलित बजट बिना कर लगाए हमें दिया है। अध्यक्ष महोदय, ग्रामीण बिजलीकरण में सरकार ने सबसिडी रख कर किसानों के साथ बड़ा न्याय किया है। वह काबिले तारीफ है। हमारी सरकार ने बिजली पैदा करने के लिए नए सयंत्र लगाने का प्रावधान रखा है। इससे साफ जाहिर है कि हमारी सरकार किसानों के प्रति हमदर्दी रखती है। यह अच्छी बात है। हमारी सरकार ने बजट में अपनी सभी विास परियोजनाओं के लिए प्रावधान रखा है इससे साफ जाहिर होता है कि हमारी सरकार कार्य करने की क्षमता रखती है। हमारी सरकार ने जहां जहां पर आव यकता है वहां पर नउ वाई पास बनाने और ओवर बिज्र बनाने का प्रावधान इस बजट में किया है। इसी प्रकार से हमारी सरकार ने सिंचाई को भी प्राथमिकता दी है। नहरों की सफाई का वि ोश ध्यान रखा गया है। इसी प्रकार से हमारी

सरकार ने फसलों के भण्डार की तरफ भी ध्यान दिया है। हमारी सरकार ने इस बजट में प ुपालन की तरफ ध्यान देते हुए उनकी देखरेख के लिए भी पैसे का प्रावधान किया है। यह भी एक अच्छी बात है। साथ ही हमारी सरकार ने बाढ़ से बचने के लिए जो प्रावधान किया है वह भी बहुत ही सराहनीय काम है। इसके साथ ही सरकार ने बाढ़ की रोकथाम के साथ साथ सूखे की रोकथाम के लिए भी उचित प्रावधान किया है। इसी प्रकार से हमारी सरकार ने राश्ट्रीय राजधानी दिल्ली के आसपास के इलाके को विकसित करने का भी प्रावधान इस बजट में किया है। इसी प्रकार से नगरपालिका के कर्मचारियों का बकाया वेतन का भुगतान करने का भी प्रावधान किया है तथा इन कर्मचारियों के भविश्य निधि खाते खोलने के लिए भी पैसे का प्रावधान किया है। हमारी सरकार ने मेवात क्षेत्र का चहुमुंखी विकास करने के लिए जो परियोजना का गठन किया है वह भी एक अच्छी बात है। हमारी सरकार ने ि ावालिक की पहाड़ी क्षेत्र के विकास का भी ध्यान रखा है। हमारी सरकार ने इस एरिया का जीवन स्तर ऊपर उठाने के लिए बजट में प्रावधान किया है। ि ाक्षा एवं स्वास्थ्य के लिए भी हमारे वित्त मंत्री जी ने इस बजट में पैसे का प्रावधान किया है। इसी प्रकार से भगवत दयाल मैडिकल साईंसिज पोस्ट ग्रेजुएट इन्स्टीच्यूट, रोहतक में अति वि ि ाश्ट स्वास्थ्य सुविधाएं भाुरू करके अगले साल से इसका दर्जा बढ़ाया जायेगा। यह भी सरकार का एक सराहनीय कार्य है। इन सब बातों को देखने से लगता है कि

यह बजट आम जनता के लिए हरियाणा की खु ाहाली के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा।

अध्यक्ष महोदय, अब मैं कानून व्यवस्था की स्थिति के बारे में कहना चाहता हूं। अध्यक्ष महोदय, हमारे यहां कानून व्यवस्था की पोजी ान जो पहले बिगड़ी हुई थी, उसको चौधरी बंसी लाल जी ने भाासन संभालते ही सुधारा है। अब कानून व्यवस्था की स्थिति में निरंतर सुधार हो रहा है। एक बात और उल्लेखनीय है कि, इनके सत्ता संभालते ही खास तौर पर आम जनता की आवाज में जो यह आम धारणा बनी हुई थी कि सरकारी कर्मचारी अपनी सीटों पर मिलते नहीं थे, आज उसमें भी सुधार हुआ है। अब सारे कर्मचारी समय पर अपने दफ्तर में पहुंचते हैं और अब उनकी सीटें खाली नहीं मिलती हैं। अब सरकारी कार्यालयों में काम करने के तरीके में भी सुधार हुआ है। चौधरी बंसी लाल जी का खौफ कह लीजिए या डर कह लीजिए अब सरकारी कर्मचारियों की टेबलों पर जो लेनदेन होता था वह नहीं हो रहा, सरकारी कर्मचारी अब इसकी हिम्मत नहीं जुटा पा रहा। भ्रश्टाचार की बात जो विपक्ष के भाई कह रहे हैं, उसके जवाब में मैं यह बात कह रहा हूं कि जिस तरह से पहले मेज पर आमने सामने सौदे हुआ करते थे अब होने बिल्कुल बंद हो गए हैं अब किसी की हिम्मत नहीं कि कोई एक पैसा भी किसी से ले लें। इन सब कामों के लिए प्रदे ा की जनता मुख्यमंत्री जी को बार बार भात– ात प्रणाम कर रही है और अपना आ ाीर्वाद दे रही

है। अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मुख्यमंत्री जी का ध्यान अपने फरीदाबाद जिले की ओर भी दिलाना चाहूंगा। इसके साथ ही मैं एजूके ान मन्त्री जी का ध्यान फरीदाबाद जिले में ि ाक्षा की भाोचनीय द ाा की तरफ दिलाना चाहता हूं। जिला फरीदाबाद में ि ाक्षा के क्षेत्र में कोई खास उन्नति नहीं हुई है। इस बारे में मैं अपने बल्लभगढ़ क्षेत्र का उदाहरण देना चाहता हूं। जो स्कूल बल्लभगढ़ में 1966 में थे वही स्कूल आज भी हैं उनकी संख्या में कोई वृद्धि नहीं हुई है (घंटी) जब कि वहां पर छात्रों की संख्या काफी बढ़ गई है। इसलिए मैं सरकार से यह प्रार्थना करूंगा कि वहां पर और नया स्कूल कॉलेज या तकनीकी इन्स्टीच्यूट अव य खोला जाए ताकि वहां पर ि ाक्षा का स्तर बढ़े और लोगों को कुछ राहत प्राप्त हो। बल्लभगढ़ में ि ाक्षा के जो पुराने संस्थान हैं आज भी वहीं हैं उनमें कोई बढ़ौतरी नहीं हुई है इसलिए मैं मुख्य मंत्री जी से प्रार्थना करूंगा कि वहां पर ि ाक्षा के क्षेत्र में कुछ अधिक इंस्टीच्यूट खोले जाएं और ि ाक्षा के प्रसार के लिए कुछ अधिक काम करने की कृपा करें वहां पर कोई तकनीकी संस्थान, महाविद्यालय स्थापित किया जाए तो यह अधिक अच्छा रहेगा। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मैं स्थानीय भाासन मंत्री जी से भी अनुरोध करना चाहूंगा कि वहां पर अन–एथोराईज्ड कालोनियां बढ़ती जा रही हैं और यदि उन कालोनियों को रैगुलराईज किया गया तो वहां पर सरकार को डिवैल्पमैंट का बहुत बड़ा कार्य करना पडत्रेगा लेकिन सरकार यह कार्य अभी तक नहीं कर पायी है और न ही इन कालोनियों को बढ़ने से रोका जा

रहा है। इस प्रकार की कालोनियां आगे और भी बनती जा रही हैं अगर इन बढ़ती हुई अन–ऐथोराईज्ड कालोनियों को रोका नहीं गया तो फिर आने वाले समय मे सरकार के लिए और अधिक समस्या का रूप धारण कर लेंगी इसलिए सरकार इस बारे में ध्यान दें। (घंटी)

आवा की समस्या एक जटिल समस्या है इसलिए लोगों के रहने के लिए स्थान की व्यवस्था बारे भी सरकार वि ोश रूप से ध्यान दे। अध्यक्ष महोदय, हालांकि इस बजट में इसका प्रावधान है लेकिन मुख्यमंत्री जी से मेरा अनुरोध है कि आवास योजनाओं को अधिक से अधिक विस्तार देकर इन योजनाओं को जल्दी से जल्दी पूरा करवाने की कृपा करें जिससे क्षेत्र का विकास हो सके। अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी पहले जब मुख्य मंत्री बने थे उसी समय हरियाणा के गांव गांव में बिजली पहुंचाई गई थी और गांव गांव को सड़कों से भी जोड़ा गया था। इसी तरह से गांव गांव में और हर भाहर में स्वच्छ पीने के पानी का भी प्रबन्ध किया गया था। मुझे आ ाा है कि अब फिस से इनमें जो कमी आई है उसको पूरा करने के लिए यह सरकार पूरा प्रबन्ध करेगी (घंटी) अध्यक्ष महोदय, मैं एक और सुझाव देना चाहता हूं। 10वीं परीक्षा देने के बाद छात्रों के पास करीब दो महीने का समय खाली बचा रहता है। मेरा सुझाव है कि दसवीं के बाद जमा एक तथा जमा दो के जो छात्र हैं उनके लिए एक 15 या 20 दिन का रिफरै ार कोर्स चलाया जाना चाहिए वि ोश कर स्कूलों में यह रिफरै ार

कोर्स दिया जाना चाहिए ताकि बच्चों को इस बारे में जागरूक किया जा सके कि वे आगे क्या कर सकते हैं जमा दो में उन्हें कौन से विशय लेने चाहिएं या कौन–कौन से तकनीकी कोर्स करवाए जा सकते हैं जिससे बच्चे अपने कैरियर के बारे में योजनाबद्ध रूप से जानकारी हासिल करके अपना कैरियर तय कर सकें। आसको इम्पलॉयमैंट के बारे में भी जानकारी दी जानी चाहिए कि उसके लिए रोजगार के अवसर कहां कहां पर और कैसे हो सकते हैं किन किन पोस्टों के लिए वे एप्लाई कर सकते हैं। आज भाहरों के बच्चों को तो इस बारे में जानकारी रहती है लेकिन ग्रामीण बच्चों को इस बारे जानकारी नहीं होती जिसके कारण उनको जो मौके मिल सकते हैं वे उनसे वंचित रहते हैं। आगे वे कौन कौन से कोर्सिज कर सकते हैं इस बारे भी पूरी जानकारी उन्हें रिफरै ार कोर्स के माध्यम से दी जानी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री महोदय और वित्त मंत्री महोदय ने हरियाणा की जनता के ऊपर करों को कोई बड़ा बोझ न डालते हुए इस बजट में विकास का पूरा प्रावधान रखा है और बहुत ही भाानदार बजट प्रस्तुत किया है। अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे अपनी बात कहने के लिए समय दिया उसके लिए मैं आपका आभार व्यक्त करता हूं। इन्हीं भाब्दों के साथ मैं इस प्रगति ाील और बढ़िया बजट का समर्थन करता हूं और अध्यक्ष महोदय का धन्यवाद करते हुए अपना स्थान ग्रहण करता हूं।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मेरी सबमि ान है कि आपकी नजर आज हमारी पार्टी की तरफ अभी तक नहीं पड़ी है। हमारी पार्टी के एक भी मैम्बर को बोलने के लिए आज समय नहीं मिला है मुझे खुद भी बोलना है लेकिन अभी तक मुझे बोलने का समय नहीं दिया गया है। अगर आप मुझे बोलने नहीं देना चाहते हैं तक भी मुझे बता दीजिए। (विध्न) अगर आपकी यह मन् ाा है कि मुझे बोलने नहीं देना है तो इसके विरोध में मैं वाक आउट करके जाता हूं।

श्री जगन नाथः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है, एक दिन में कितने वाक आउट हो सकते हैं।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मैं इनको बताना चाहूंगा कि वाक आउट कितने भी हो सकते हैं इस पर कोई पाबन्दी नहीं है।

श्री अध्यक्षः जब बजट पर डिस्क ान हुई तो मैंने भजल लाल जी आपसे कहा था कि आप बोल लें और आपने अपना एकाधिकार चौधरी वीरेन्द्र सिंह को दे दिया था तब आप नहीं बोलना चाहते थे और अपना अधिकार दूसरे को दे दिया तो मैं क्या कर सकता हूं। यह तो आपकी मर्जी थी। इसके अलावा भजन लाल जी आपकी पार्टी के 12 सदस्य हैं उसके हिसाब से आपकी पार्टी का समय 60 मिनट बनता था और आपकी पार्टी 113 मिनट

बोल चुकी है। अगर आप अब भी कहें आपको बोलने का समय नहीं दिया तो इसमें आपकी मर्जी है मैं कुछ नहीं कर सकता।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, जब कोई मैम्बर किसी को कोई पर्सनल बात बोले तो दूसरे मैम्बर को, जिसके बारे में बात कही गई हो, उसो जवाब देने का समय देना चाहिए।

श्री अध्यक्षः आपको उस वक्त जवाब देना चाहिए था।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, उस वक्त आपने मुझे बोलने का समय नहीं दिया था।

श्री अध्यक्षः भजन लाल जी आप बैठ जाएं। हर्श कुमार जी बोलें।

वाक आउट

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, आप मुझे बोलने का समय नहीं देना चाहते हैं यह बात ठीक नहीं है, आपको सब मैम्बर्ज का ध्यान रखना चाहिए। आप मुझे बोलने का समय नहीं दे रहे हैं। इसलिए हम वाक आउट करते हैं।

(इस समय सदन में उपस्थित इंडियन ने ानल कांग्रेस पार्टी के सभी सदस्यगण वाक आउट कर गए)

श्री हर्श कुमार (हथीन): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने के लिए समय दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। अध्यक्ष महोदय, 12 मार्च को जो बजट सदन में पढ़ा गया यह बहुत ही बढ़िया है इस में व्यापारियों किसानों, मजदूरों और कर्मचारियों को राहत दी गई है, वह बहुत ही सराहनीय है और इस बारे में यहां पर बोलते हुए मेरे कई साथियों ने भी कहा है। इस सरकार से पहले भी कई सरकारों ने बजट रखा होगा और सुनाया होगा लेकिन प्र न यह है कि बजट के अनुरूप सरकार उसे कार्यान्वित करे। अध्यक्ष महोदय, मैं फरीदाबाद और मेवात के इलाके के बारे में कहना चाहूंगा कि आज से 30 साल पहले ज्वायंट पंजाब था लेकिन उस वक्त जो आज का हरियाणा है बहुत खु ाहाल था, कहीं पर भी इसके इलाके जैसी खेती नहीं थी और इस इलाके का किसान बहुत ही खु ा था। लेकिन आज जो हालात हैं इससे तो ऐसा लगता है

कि भाायद पहले की सरकारों ने बजट में इसके लिए कुछ नहीं किया है। आज इस इलाके में खेती नहीं, सिंचाई नहीं और पढ़ाई नहीं है। अध्यक्ष महोदय, फरीदाबाद और मेवात में जो कालेज पहले थे, वे ही आज हैं। यासीन मेव कालेज नूंह में है और इसी तरह से नगीना, होडल, बल्लभगढ़ए और फरीदाबाद में कालेज हैं ये टोटल पांच कालेज हैं। ये कालेज भी जब पहले बंसी लाल जी की सरकार थी इनके द्वारा ही भाुरू हुए थे। इनके बाद जो भी सरकार आई थी तो उसने उस इलाके में एक नया कालेज भी भाुरू नहीं करवाया। अध्यक्ष महोदय, जितने भी कालेज मैंने बताएं हैं यह सब प्राईवेट संस्थाओं ने खोले थे और ये बंसी लाल जी द्वारा भाुरू करवाए गए थे। बाद में ये कालेज सरकार को दे दिए गए और उसके बाद किसी भी सरकार ने इस ओर ध्यान नहीं दिया। अभी मेरे साथी टैक्नीकल कालेज और पोलेटैक्निक कालेज की बात कर रहे थे। इसी तरह से भडाना साहब ने भी आई0टी0आई0 की बात कही लेकिन हमारे क्षेत्र में आई0टी0आई0 खोलना तो दूर की बात एक डिग्री कालेज तक स्थापित नहीं किया गया। मुझे इस बजट से जो कि एक सराहनीय बजट है, खु ाी है कि इस बजट के द्वारा आज की सरकार नेक नीयती से कार्य करेगी। चौधरी बंसीलाल जी की सरकार ने पहले ही जिस नेकनीयती से उस क्षेत्र में कार्य भाुरू किया, वह मैं आपको बताना चाहूंगा। जून के महीने तक जहां पहले की सरकार ने 1995 में आयी हुई बाढ़ के बाद कोई व्यवस्था नहीं की वहीं आज की हमारी चौधरी बंसीलाल जी के नेतृत्व वाली सरकार ने 1995–96

में जो मेवात के इलाके में राजस्थान की तरफ से अचानक पानी आया और जो वहां पर बाढ़ आयी, उसके बाद पानी की निकासी के लिए जो व्यवस्था की, वह सराहनीय है। वहां पर बाढ़ के बाद बुखार से मौतें हुई लेकिन इस सरकार ने बुखार से होने वाली मौतों पर कंट्रोल किया। यहां तक के मेवात के इलाके की इस समस्या पर चौधरी बंसीलाल की अध्यक्षता में चार बार हाई पावर कमेटी की भी मीटिंग्ज हो चुकी है। यानी मेवात के हल्के की तरफ इस सरकार ने काफी ध्यान दिया है। आज उस इलाके में 6 मोबाइल अस्पताल हर दिन हर गांव में जा रहे हैं और वे वहां पर बीमार लागों को दवाईयां देते हैं, उनकी बीमारी के बारे में पूछते हैं तथा उसकी रोकथाम के बारे में बताते हैं। अध्यक्ष महोदय, सरकार की इन बातों को देखकर लगता है कि इस बजट से हमारे क्षेत्र को फायदा होगा। मैं इस बात के लिए मुख्यमंत्री जी का पहले भी आभार प्रकट कर चुका हूं और अब भी आभार प्रकट करना चाहता हूं। आज भजनलाल जी इस हाउस से चले गए इसलिए मैं अपने साथियों से निवेदन करता हूं कि उनको इस बात के लिए अचंभा नहीं करना चाहिए क्योंकि अगर भारीफ आदमी भौतानी करें तो ठीक नहीं है लेकिन अगर गलत आदमी भौतानी करे तो उसमें अचंभा नहीं होना चाहिए। आप सब व्यर्थ में ही इनके ऊपर अपना समय लगाते हैं। हरियाणा की जनता ने हम सबको अपनी अपनी बात कहने के लिए यहां पर भेजा है। क्या जनता को पता नहीं है कि उनका चरित्र कैसा है, क्या उनके कारनामें हैं और कहां कहां से उन्होंने धन कमाया है। अध्यक्ष

महोदय, मैं समझता हूं कि सबको उनके ऊपर ही अपना समय व्यर्थ नहीं करना चाहिए क्योंकि उनकी कारगुजारी तो जगजाहिर है। चूंकि वे अब इस हाउस में नहीं हैं इसलिए ज्यादा उनके बारे में कहने से कोई फायदा नहीं है। अध्यक्ष महोदय, भजनलाल जी ने यह भी कहा कि भिवानी जिले में दस आदमी मारे गए लेकिन वे अब तक भी इस बारे में सही रिपोर्ट हाउस के सामने नहीं रख पाए। लेकिन मैं आपको एक बात के बारे में बताना चाहता हूं। जब चौधरी भजन लाल जी मुख्य मंत्री थे तो उन्होंने अपने क्षेत्र आदमपुर में ही 17 लोगों पर टाडा के केस बनाये थे। अध्यक्ष महोदय, आप यह सुनकर ताज्जुब करेंगे कि उन्होंने कौन कौन से लोगों पर टाडा के केस बनाये, जैसे हमारे ओम प्रका ा जिंदल जी हैं। आज जिंदल साहब दे ा की सर्वोच्च पंचायत के मैम्बर हैं और वे कुरूक्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा जहां तक नॉ एंड आर्डर की बात है आज की सरकार ने किसी से भी किसी प्रकार की राजनैतिक रंजि ा नहीं निकाली है। इसलिए मेरा अपोजी ान के भाईयों से भी निवेदन है कि वे कम से कम इस बात के लिए तो चौधरी बंसी लाल को धन्यवाद दें कि आज तक भी उन्होंने किसी से अपनी राजनैतिक रंजि ा नहीं निकाली। (विध्न) अध्यक्ष महोदय, चाहे कोई भी सरकार हो, कोई भी राज्य हो या चाहे दे ा हो, विकास के जो कार्य है वह बिना सरकारी कर्मचारियों एवं अधिकारियों के कार्यान्वित नहीं हो सकते चाहे आप लाख कोि ा ा कर लें। इसलिए सरकारी कर्मचारियों की सुविधाओं के लिए भी इस बजट में साफ लिखा हुआ है। जो

कुछ सरकारी कर्मचारियों के लिए आज की सरकार ने इस बजट में प्रावधान किया है वह आज तक किसी सरकार ने नहीं किया है और यह सरकार इसको लागू भी करेगी इस बात की मुझे पूरी आ ाा है। इसके अलावा हमारा जो क्षेत्र है उसके साथ एक और अचम्भे की घटना है कि हमारे क्षेत्र फरीदाबाद ने 1977 में एक ही पार्टी के विधायक चुनकर भेजे, 1987 में भी एक ही पार्टी के विधायक चुनकर भेजे और 1991 में भी एक ही पार्टी के विधायक चुन कर भेजे। जो लोग हमें चुरकर भेजते हैं वे हमसे कुछ आ ाा भी करते हैं लेकिन आज तक उनकी आ ााओं की पूर्ति किसी भी सरकार ने नहीं की। अब की बार चौधरी बंसी लाल जी की झोली में उस क्षेत्र ने काफी सीटें दी हैं तो उनकी कद्र करते हुए चौधरी बंसी लाल जी ने काफी सारे कार्य किए हैं। एजूके ान की या सिंचाई की जहां तक बात है यहां पर कहा गया कि 40 लाख रुपया दूसरी स्टेट की नहरों पर कैसे खर्च कर दिया। जब सरकार खर्च करती है तो जनता के विकास के लिए खर्च करती है। होडल के लिए चौधरी बंसी लाल जी ने सराहनीय काम किया है। होडल में महारानी कि ाोरी कॉलेज बनने जा रहा है 2 करोड़ रुपये की लागत से उसकी बिल्डिंग बनने जा रही है उसे बना तो संस्था रही है लेकिन बन रहा है चौधरी बंसी लाल जी के आ ाीर्वाद से। आज हरियाणा का जो मेवात और फरीदाबाद का क्षेत्र है 30 साल पहले यह इतना खु ाहाल नहीं था। खांडसारी के लिए हमारा क्षेत्र म ाहूर था हमारे यहां की खांडसारी पूरे राजस्थान और यू0पी0 में जाती थी। होडल में 25 दालों की मिलें हैं और पिछली सरकार

ने हमारे इलाके के साथ बहुत भेदभाव किया। हमारे इलाके में मसूर और अरहर की दालों की खेती होती है।

श्री अध्यक्षः हर्श कुमार जी, आप कन्कलूड करें।

श्री हर्श कुमारः मैं मुख्यमंत्री जी से अनुरोध करूंगा कि पिछली सरकार ने चने की दाल पर एक परसैंट टैक्स घटा दिया क्योंकि वह दाल मुख्यमंत्री जी के क्षेत्र में होती थी लेकिन हमारी दालों पर टैक्स उतना ही है। इसका परिणाम यह है कि हमारे यहां के किसानों ने दाल बोनी बंद कर दी। अध्यक्ष महोदय, इस बजट के बारे में मैं पूरी तरह से सहमत हूं कि यह बजट हरियाणा के लोगों को खु ाहाली देगा और साथ में खु ाी जाहिर करता हूं कि यह बजट ऐसे नेता की देखरेख में पे ा हुआ है और इस बजट का हरियाणा की जनता पूरा पूरा लाभ उठाएगी। धन्यवाद।

श्री मनीराम (डबवाली, अनुसूचित जाति): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया इसके लिए आपका बहुत बहुत धन्यवाद। इस सदन में 14 तारीख को जो बजट पे ा किया गया है उसकी यहां पर चर्चा हो रही है। आदरणीय श्री चरण दास जी ने यह बजट पे ा किया जो गांव के बारे में कुछ जानते ही नहीं हैं। यह बजट एक दि ााहीन और झूठ का पुलिन्दा है। आप जानते ही हैं कि हरियाणा की 70 फीसदी जनता गांवों में रहती है और उसका मुख्य कारोबार खेतीबाडी है। खेतीबाड़ी के इलावा उनका कोई साधन नहीं है। खेती के साथ साथ प ाुधन है जो

कि खेती पर ही निर्भर रहता है। हरियाणा की यह गठबंधन सरकार और ये भारतीय जनता पार्टी के सदस्य बैठे हैं इनके नेता ने चुनाव में यह वायदा किया था कि किसानों को 24 घंटे बिजली देंगे इसके अलावा और भी इन्होंने वायदे किसे थे। लेकिन आज ये एक भी वायदा पूरा नहीं कर पाये हैं। इन्होंने वायदा किया था कि किसानों को 24 घंटे बिजली देंगे, नहरों में पानी देंगे। आगरा कैनाल का पानी लाने की बात कही थी। कन्याकुमारी से बिजली लाने की बात कही थी। परन्तु यह बात नहीं समझ आती कि यहां बिजली का तो ये निजीकरण करने जा रहे हैं। प्राईवेट हाथों में अगर बिजली चली गई तो हरियाणा के लोगों को, किसानों को बिजली नहीं मिलेगी। ट्यूबवैल लगाने पर 40 हजार रुपये खर्चा आता है अगर प्राईवेट हाथों में बिजली चली गई तो बिजली कहां से मिल पायेगी। जब बिजली के निजीकरण पर डिस्क ान हो रही थी तो चौधरी बंसीलाल ने साफ भाब्दों में कहा था कि हम बिजली की चोरी नहीं पकड़ सकते। अगर यह सरकार बिजली की चोरी को नहीं पकड़ सकती तो यहां पर क्यों बैठी है यह तो फेल है हम इस सरकार से क्या उम्मीद कर सकते हैं। मैं पूछना चाहता हूं कि जो मीटर रीडर होते हैं जो जे0ई0 या लाईनमैन होते हैं वे ही चोरी करते हैं उनको ये पकड़ नहीं सके और उनको काबू नहीं कर सके। आज ये वर्ल्ड बैंक के दबाव में आकर जिबली को प्राईवेट हाथों में देने की बात सोचते हैं। मुझे तो ज्यादा जानकारी नहीं है। जसवंत सिंह जी बिजली के बारे में ज्यादा जानते हैं वे हमारी पी0यू0सी0 कमेटी के चेयरमैन भी थे और उनको इस चीज

का ज्ञान भी है क्योंकि बिजली बोर्ड के अधिकारी मीटिंग में आते रहते थे और मीटिंग में इस बात की बहस होती रहती थी। परन्तु उनको इन्होंने बोलने का मौका नहीं दिया। अगर बिजली प्राईवेट हाथों में चली गई तो उनके लिए कुछ होने वाला नहीं है हरियाणा के जो 70 फीसदी लोग गांवों में रहते हैं। आगरा नहर का नियंत्रण अपने हाथों में लेने के बारे में सरकार ने बात कही है लेकिन हमें नहीं पता की यह फैसला किया भी है या नहीं किया क्योंकि हरियाणा के किसानों को अभी तक पानी के झगड़े के लिए मथुरा आगरा तक जाना पड़ता है। लाटरी के बारे में कहना चाहूंगा कि इस सरकार ने कहा था कि लॉटरी को बन्द कर देंगे। पिछली सरकार के समय लॉटरी से दो करोड़ रुपये की आमदन थी लेकिन इस सरकार ने 12 करोड़ रुपये लॉटरी की आमदन के कर दिये हैं। इस बारे में एक कहावत है कि बैठना भाईयों का अरग बैर न हो, औरत जैसी जंजीर नहीं अगर बदकार न हो, चोरी जैसा धन नहीं अगर पूलिस की मार न हो और जुए जैसा खेल नहीं अगर हार न हो। पांडवों ने जुए में हार करके किस तरह 14 साल की बनवास की जेल काटी थी। चौधरी साहब कहते हैं कि पहली सरकार के समय फ्लड आया यह तो कुदरती होता है लेकिन ड्रेन को साफ क्यों नहीं करवाया गया। ड्रेन नं0 8 की सफाई होती। चौधरी बंसी लाल ने कहा कि 2 लाख दरख्त कटवाएंगे। यह सरकार यह बताए कि इससे सरकार को कितनी आमदनी हुई। इसके लिएस कोई टैंडर काल किए गए थे या नहीं, या किसी चहेते को यह टैंडर दिए गए हैं। इसके बारे में पूरी

जानकारी हमें मिलनी चाहिए। अभी मैहम हल्के के श्री बलबीर सिंह जी ने बताया था कि अब भी उनके गांव में पानी खड़ा है। डॉ0 वीरेन्द्र पाल जी के हल्के बेरी के कुछ गांव में पानी भरा पड़ा है। अध्यक्ष महोदय, उप–चुनाव के दौरान मुझे वहां पर जाने का मौका मिला था। वहां पर सरकण्डे, जो एक प्रकार की जंगली घास होती है, वह मौजूद थी। उस वक्त तक तो सफाई नहीं हुई थी बहिन कांता देवी जी बैठी हैं, ये अपनी ईमानदारी से बताएं कि वहां पर क्या स्थिति है,

श्रीमती कांता देवीः अब वहां पर बाढ़ का पानी नहीं है।

श्री मनीरामः चौधरी बंसी लाल जी ने कहा था कि पानी टेल तक पहुचा देंगे। मैं पूछना चाहता हूं कि 40 लाख रु0 में कौन कौन सी नहर की सफाई हुई है। इस बारे में मैं कुछ नहीं कह सकता हूं। लेकिन मैं इतना जरूर कह सकता हूं कि मेरे हल्के डबवाली व जिला सिरसा को बिल्कुल नजर अंदाज कर किया गया है। मेरे हल्के डबवाली में आसा खेड़ा, तेजा खेड़ा, डिस्ट्रीब्येटरी, मिठनी माइनर, डबवाली डिस्ट्रीब्यूटरी पर तो एक पैसे का भी काम नहीं हुआ है। दूसरी तरफ ये कहते हैं कि पानी टेल तक पहुंचा दिया है। हमने गोदारा साहब से अपील की थी कि तेजा खेड़ा डिस्ट्रीब्यूटरी की लोगों ने पौड़ी तोड़ दी है उसको ठीक करवा दो लेकिन वह आज तक ठीक नहीं हुआ है। यह किस के इ ाारे से तोड़ी गई, मैं इस बारे में कुछ कहना नहीं चाहता हूं। लेकिन वह अभी तक ठीक नहीं हुई है। इस बारे में एस0ई0

साहब को भी हुक्म दिया गया था। स्वास्थ्य विभाग के बारे में कहना चाहता हूं कि जब दिसम्बर, 1995 में एक बहुत बड़ा अग्निकांड हुआ था तो उसमें सैंकड़ों आदमी मारे गए थे। उस समय सरकार ने वायदा किया था कि 50 हजार रुपये प्रति व्यक्ति एक्स–ग्रे ि िया के रूप में दिए जाएंगे। मैं यह जानना चाहता हूं कि भारत सरकार द्वारा मृतकों व गंभीर रूप से घायलों को कितनी रा ि ा दी गई है। इस कांड में 120 व्यक्ति गम्भीर रूप से घायल हो गए थे जिन में से सरकार के वायदे के मुताबिक 50 हजार रुपए प्रति व्यक्ति के हिसाब से 27 लोगों को ग्रांट मिली है। बाकि अभी अस्पतालों में पड़े हैं कोई रोहतक मैडिकल कॉलेज में है, कोई कहीं और है। मेरे गांव चौटाला जिसकी आबादी 15 हजार है, में कोई भी लेडी डाक्टर नहीं है। गोली वाला में भी कोई भी डॉक्टर नहीं है। इस गांव में प ा अस्पताल हैं लेकिन एक साल से वहां भी डाक्टर नहीं है। डॉ0 कमला वर्मा जी के पास हैल्थ विभाग था लेकिन कभी भी मंडी डबवाली में ये नहीं गई थीं। इनको तो यह भी नहीं पता है कि हम कितनी बार इनसे मिले हैं। जितनी बार भी हम इनको किसी कार्य के लिए मिले इन्होंने हमे ाा ही हंस कर टाल दिया। (विध्न) भाहरी विकास के लिए 15 करोड़ रुपए जो रखे गए हैं, इससे कहां कहां विकास हो पाएगा। और आज ये विकास की बातें करते हैं। रामबिलास भार्मा जी के ि ाक्षा विभाग के बारे में मैं कहना चाहता हूं कि बजट में इस मद में जो 200 करोड़ रुपए का प्रावधान रखा गया है, इससे क्या ि ाक्षा का विकास होगा? मेरे सिरसा जिला में 30 हाई स्कूल

हैं और इन स्कूलों में हैउ मास्टर नहीं हैं। मैंने महेन्द्रगढ़ के बारे में इनसे पूछा था तो उस समय आपने कह दिया कि प्र न काल खत्म होता है।

मैने गोदारा साहब से पूछा था कि अम्बाला में ट्रेन के अन्दर जो बम फटा था उस बम काण्ड में मरने वाले लोगों के परिवारों को 50–50 हजार मुआवजा देने की घोशणा कर दी गई थी लेकिन उनको आज तक एक पैसा नहीं मिला। क्या वह घोशणा केवल कागजों में ही हुई है।

श्री अध्यक्षः मनी राम जी आप अपनी स्पीच समाप्त करें।

श्री मनी रामः स्पीकर साहब, उनको मुआवजा देने की बात गोदारा साहब के बस की नहीं है। गोदारा साहब तो खेतीबाड़ी करने वाले आदमी हैं इसलिए इनको खेतीबाड़ी का महकमा देना चाहिए ताकि किसानों को कल्याण हो जाए। इनके पास जो महकमा है वह चौधरी बंसी लाल को अपने पास ले लेना चाहिए। स्पीकर साहब, भाराब कोई बिकवा रहा है और गोदारा साहब बदनाम हो रहे हैं। इन भाब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान ग्रहण करता हूं।

श्री सत नारायण लाठर (जुलाना): स्पीकर साहब, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया उसके लिए आपका धन्यवाद। स्पीकर साहब, हमारी सरकार ने जो बजट पे ा किया है मैं उसका समर्थन करने के लिए खड़ा हुआ हूं। जो बजट पे ा हुआ है यह

बहुत ही लाभकारी बजट है। हरियाणा प्रदे ा की सारी जनता ने इसको सराहा है। हमारी सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि भाराबबंदी लागू करके 600 करोड़ रुपए का घाटा उठाने के बावजूद भी इस बजट में कोई टैक्स नहीं लगाया, सरकार का यह बहुत ही सराहनीय कदम है। स्पीकर साहब, उन लोगों के पेट में बड़ी मरोड उठ रही है जिनकी भाराब की फैक्ट्रियां बंद हो गई वे भाराब के बहुत बड़े बड़े व्यापारी थे। आज कहा जा रहा है कि हविपा भाजपा की गठबंधन वाली चौधरी बंसी लाल की सरकार भाराब बिकवा रही है मैं इनको बताना चाहूंगा कि हरियाणा प्रदे ा के हर गांव में छोटी–छोटी दुकानों पर, प्रचून की दुकानों पर और सब्जी की दुकानों पर भाराब कौन लाया था . . . . लाए थे। उस समय गांव के सरपंच को पर–बोतल के हिसाब से दो रुपए कमि ान मिलता था। स्पीकर साहब, उस समय केवल दो रुपए कमि ान के लिए भाराब को बढ़ावा दिया गया। यह सारे का सारा श्रेय चौधरी ओम प्रका ा चौटाला और . . . . को जाता है।

श्री राम पाल माजराः स्पीकर साहब, माननीय सदस्य ने आदरणीय देवीलाल जी का नाम लिया है वह सदन के सदस्य नहीं हैं इसलिए उनका नाम कार्यवाही से एक्सपंज होना चाहिए।

श्री अध्यक्षः ठीक है चौधरी देवी लाल जी का नाम एक्सपंज कर दिया जाए।

श्री सत नारायण लाठरः स्पीकर साहब, केवल दो रुपए कमि ान के लालच में गांवों की दुकानों पर भाराब बेचने के लिए बढ़ावा दिया गया। हमारी माताएं और बहनें अगर किसी बच्चे को सब्जी लाने के लिए दुकान पर भेजती थीं तो वह बच्चा भाराब पीकर आ जाता था। जब हम गांवों में चुनावों के दौरान वोट मांगने जाते थे तो माताएं और बहनें हमें कहा करती थीं कि क्या आप भाराब बंद कर दोगे। स्पीकर साहब, हमारे माननीय मुख्य मंत्री चौधरी बंसी लाल जी ने भाराब बंद कर दी यह एक बहुत ही अच्छा कदम है। जो लोग भाराब के तस्कर थे और जो भाराब बेचने का काम करते थे उन्होंने हमारे खिलाफ भिवानी में जा कर एक रैली की है। मैं आपके माध्यम से यह कहना चाहता हूं कि उन लोगों के साथ हमारा कोई संबंध नहीं है और न हमारी पार्टी का उस बात से कोई संबंध है। हम इस तरह का काम नहीं करते। स्पीकर साहब, जहां तक कानून व्यवस्था की बात है आज चौधरी बंसी लाल जी के राज में हरियाणा प्रदे ा का हर नागरिक सुरक्षित है। आज हरियाणा प्रदे ा में कोई गुण्डागर्दी नहीं है। हरियाणा प्रदे ा में आज बहन बेटियों की इज्जत सुरक्षित है। मेरे विरोधी पक्ष के भाईयों के राज में तो बहन बेटी की इज्जत तो क्या भाई–भाई की इज्जत भी सुरक्षित नहीं थी। भाई अमीर सिंह को उनके घर से उठा लिया और उनकी हत्या कर दी गई। चौधरी भजन लाल जी के राज में भी बहन बेटी की इज्जत सुरक्षित नहीं थी। अमीर सिंह मेरा दोस्त था, इस बात का सबको पता है कि झज्जर का जो उप–चुनाव हुआ उसमें कोई किसी

प्रकार की ऐसी बात नहीं हुई लेकिन इनके समय में मेहम के दो उप–चुनाव हुए थे।

सारी जनता इस बात को जानती है कि इनके राज में जो चुनाव हुए उसमें कत्ल हुए जबकि हमारे राज में जो झज्जर का उप–चुनाव हुआ वहां पर एक चिड़िया तक नहीं मरी। यह हमारे लिए और प्रदे ा के लोगों के लिए एक बड़े सौभाग्य की बात है। चौधरी ओम प्रका ा चौटाला ने बजट के ऊपर बहस में हिस्सा लेते हुए एक बात कही कि बंसी लाल जी के वक्त में जो बिजली, पानी की सुविधा सड़कें या नहरें बनाई गई उन के लिए केन्द्र से पैसा आता था। मैं पूछना चाहता हूं कि जब इनके पिता उप–प्रधानमंत्री थे और ये मुख्यमंत्री थे तो उन्होंने पैसा क्यों नहीं भिजवाया? इनके राज में भारत सरकार से पौने चार साल में एक पैसा नहीं आया। अब यहां से कांग्रेस के नेता चले गए। पिछली केन्द्र की सरकार में जो प्रधान मंत्री श्री नर सिम्हा राव थे, जिनको भजन लाल अपना पिता मानते थे और पंजाब के मुख्य मंत्री श्री बेअंत सिंह को ये अपना बड़ा भाई मानते थे तब भजन लाल जी केन्द्र से क्यों नहीं पैसा ले कर आये और विकास क्यों नहीं किया?

विकास वही करता है जिसकी नीयत साफ होती है। चौधरी बंसी लाल जी ने प्रदे ा का निर्माण किया है और लोग अब भी इनकी तरफ आ ाा भरी निगाह से देख रहे हैं। चौधरी ओम प्रका ा चौटाला किसानों की बात करते हैं। अध्यक्ष महोदय,

मैं इनके काफी नजदीक रहा हूं। मैं जानता हूं कि ये किसानों के कितने हितेशी रहे हैं। इनके राज में गन्ना खेतों में जलाया जाता था किसानों पर अंधाधुंध गोलियां चलाई जाती थी और उनका कत्ल किया गया था। आज ये किस मुंह से किसानों की बात कर रहे हैं। मैं आपके माध्यम से एक बात और बताना चाहता हूं कि ड्रेनों की सफाई पहले कभी नहीं हुई नहरों की सफाई पहले कभी नहीं हुई और सड़कों की मुरम्मत कभी नहीं हुई। सड़कों के किनारे जो मिट्टी डाली जानी होती है वह नहीं डाली गई। जो पैसा इस काम के लिए होता था वह सारे का सारा इनके अधिकारियों की जेबों में और इनकी जेबों में चला जाता था। इनके समय में विकास की कोई बात नहीं थी। आज ये विकास की बात करें, तो समझ में नहीं आता। चौधरी बंसी लाल जी विकास की बात करें तो समझ में आने वाली बात है। इन्होंने तो सिवाय विना ा और बर्बादी के अलावा कोई काम नहीं किया। ये भाई तो जाट जाति का नारा देकर राजनीति करने में लगे रहते हैं। इन्होंने जाट जाति के गौरव को भी बिगाड़ दिया। (विध्न) स्पीकर साहब, एक बात मैं यह कहना चाहता हूं कि जीन्द जिले में ठोल मेरे हल्के का गांव है। जब ये मुख्यमंत्री थे तो वहां पर इन्होंने और इनके तत्कालीन चेलों ने वहां के डेरे की जमीन पर कब्जा किया था। आज ये कानून व्यवस्था की बात करते हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं बताना चाहता हूं कि मेरे विधान सभा क्षेत्र ने लगातार चार बार विधान सभा के लिए विधायक चौधरी ओम प्रका ा चौटाला की पार्टी का बनाया लेकिन वहां पर इनके वक्त की सरकार के दौरान

या बाद में विकास के नाम पर इन्होंने एक रोड़ा भी नहीं लगाया, कहीं पर भी विकास नहीं किया। अतः मैं अपनी लोक प्रिय सरकार से चाहूंगा कि वहां के विकास की तरफ सरकार ध्यान दे। अध्यक्ष महोदय, मेरे क्षेत्र में पीछे भंयकर बाढ़ आई थी, वहां जो पक्के खाले बनाये गए थे, वे बाढ़ में टूट गए थे। वहां पर पीने के पानी की व्यवस्था ठीक नहीं है। मेरे हल्के का दुर्भाग्य यह भी रहा है कि वहां पर ि ाक्षा के विस्तार की तरफ बिल्कुल ध्यान नहीं दिया गया। ि ाक्षा के क्षेत्र में मेरा हल्का बहुत पिछड़ गया है। अब की बार वहां के लोगों ने विकास पार्टी का अपना विधायक चुना है। चौधरी ओम प्रका ा चौटाला तो जात–पात का नारा लगा कर राजनीति करते हैं। अब मैं अपनी सरकार से चाहूंगा कि हमारे हल्के में विकास के काम किए जाएं। स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से इस हाउस में एक बात कहना चाहता हूं। अध्यक्ष महोदय, विपक्ष के कुछ हमारे साथी यहां से उठ कर चले गए हैं। श्रीमान भजन लाल जी 12–13 साल हरियाणा के मुख्य मंत्री रहे। उनके कार्यकाल के कारनामें सबके सामने हैं वे इतने सीनियर मैम्बर हैं। चौटाला साहब ने भी बड़े बड़े दावे किए थे। (विध्न) अभी तो यह प्रेाग्राम 21 तारीख तक चलना है। आपके जितने भी कारनामें हैं वह भी मैं जानता हूं। (विध्न) अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से इस बात की ओर ध्यान दिलाना चाहता हूं कि इससे पहले जिन विधान सभा क्षेत्रों के साथ अब तक भेदभाव होता रहा है सरकार उन क्षेत्रों का वि ोश ध्यान रखे और उनके विकास के लिए हर सम्भव प्रयास किए जाने चाहिएं ताकि वहां के

लागों को कुछ राहत मिल सके। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मैं इस बजट का बार बार समर्थन करता हूं और इसकी सराहना करता हूं। हरियाणा की वर्तमान सरकार ने बहुत ही बढ़िया मौके पर यह बजट पे ा किया है। हरियाणा सरकार ने इतना बढ़िया और काबिले तारीफ बजट पे ा किया है तथा हरियाणा की जनता को करों के बोझ से बचाया है। मैं इस बजट का बहुत बहुत समर्थन करता हूं। अध्यक्ष महोदय, इन्हीं भाब्दों के साथ मैं इस सरकार को इतना अच्छा बजट पे ा करने के लिए बधाई देता हूं। आपने मुझे बोलने का जो समय दिया है इसके लिए आपका धन्यवाद करता हूं।

श्री चन्द्र भाटिया (फरीदाबाद): अध्यक्ष महोदय, आपका बहुत बहुत धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया है। अध्यक्ष महोदय, मैं परम आदरणीय चौधरी बंसी लाल जी और आदरणीय वित्त मंत्री जी ने जो राहत का बजट पे ा किया है उसके लिए मैं उनका धन्यवाद करता हूं तथा इस बजट का स्वागत करता हूं। हरियाणा की जनता को बजट पे ा होने से पहले ये लोग गुमराह कर रहे थे कि लोगों को बजट आने से करों के बोझ से दबा दिया जाएगा। हमारे विपक्ष के लोग बजट आने से पहले लोगों को बहका कर गुमराह कर रहे थे कि बजट से उन पर करों का बोझ बढ़ जाएगा और लोगों को दबाया जाएगा परन्तु बजट के आने से उनकी यह इच्छा पूरी नहीं हुई है। हमारे विपक्ष के साथी इस बात से निरा ा हैं कि जिन बातों से वे लोगों को

बहका रहे थे बजट आने से वैसा कुछ नहीं हुआ है। जो बजट हरियाणा की जनता के सामने पे ा किया गया है उससे जनता को राहत मिली है और हरियाणा की जनता खुद यह मानती है कि यह बजट पे ा कर के सरकार ने उनकी इच्छा पूरी की है। सरकार ने बहुत ही भाानदार और अच्छा बजट जनता के सामने रखा है इसके लिए मैं सरकार को धन्यवाद करता हूं और जो बजट पे ा हुआ है मैं उसका स्वागत भी करता हूं। अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व में हरियाणा का चहुमुखी विकास हो रहा है। हरियाणा का विकास इस बजट की मुख उपलब्धी है। हरियाणा के चहुंमुखी विकास के लिए नई योजनाएं बनाई गई हैं और उनमें विकास के लिए पूरी व्यवस्था की गई है। अध्यक्ष महोदय, भाराब बंदी के बारे में मैं कहना चाहूंगा कि भाराब बंदी होने से सरकारी राजस्व में कमी हुई है परन्तु इस घाटे के बावजूद भी विकास कार्यक्रमों में कोई कमी नहीं होने पाई है। हमारे विपक्ष के साथी कह रहे थे कि 600 करोड़ रुपये का घाटा पूरा करने के लिए जनता पर नये कर लगाए जाएंगे। अध्यक्ष महोदय, हमारे विपक्ष के साथी यहां पर कानून–व्यवस्था और भ्रश्टाचार की बातें भी कह रहे थे। इसके बारे में मैं कहना चाहता हूं कि इन लोगों की भी अपनी सरकारें रही हैं और क्या माननीय चौधरी ओम प्रका ा चौटाला और चौधरी भजन लाल जी अपने राज्य का समय भूल गए हैं? किस प्रकार से इन्होंने लोगों पर जुल्म और अत्याचार किए थे ये लोग वह सब भूल चुके हैं। इन्हें यह भूल गया है कि जब कोई व्यक्ति

अपनी बात कहने के लिए इनके पास जाता था, सरकार की गलत नीतियों को उजागर करता था और उन्हें जनता के सामने लाता था तो उसके ऊपर झूठे मुकद्दमें बनाए जाते थे। (विध्न)

बैठक का समय बढ़ाना

कृशि मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल): अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं कि हाउस का समय एक घंटे के लिए बढ़ा लिया जाए।

श्री अध्यक्ष: यदि हाउस की सहमति हो तो हाउस का समय एक घंटे के लिए बढ़ा दिया जाए।

आवाजें: ठीक है जी।

श्री अध्यक्ष: हाउस का समय एक घंटा बढ़ाया जाता है।

वर्श 1997–98 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री चन्द्र भादिया: अध्यक्ष महोदय, मैं कह रहा था कि लोगों पर झूठे मुकद्दमें पिछली सरकारों के वक्त बनते थे। हरियाणा के हितों और विकास की इन्हें कोई चिन्ता नहीं होती थी बल्कि ये लोगों को फंसाने से पीछे नहीं हटते थे। आज ये कानून व्यवस्था की बात कर रहे थे, भ्रश्टाचार की बात कर रहे थे। ये खुद इस बात को मानते हैं कि चौधरी बंसी लाल के नेतृत्व में विकास हुआ है। हरियाणा में बिजली और सड़कें भी चौधरी बंसी लाल जी की ही देन है। इनसे पहले जो लोग सत्ता में रहे,

जिन्होंने राज किया था तो इनके खिलाफ जो लोग बोलते थे, ये उन लोगों के ऊपर झूठे मुकद्दमें बना देते थे। अध्यक्ष महोदय, कर्ण सिंह दलाल जी ने भी बताया कि श्री भजन लाल ने उनके उपर झूठा मुकद्दमा बनाया था, इसी तरह से नरदेव और ओम प्रका ा जिन्दल हैं जिनके ऊपर झूठा मुकद्दमा बनाया था। अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी बात करता हूं कि जब ओम प्रका ा चौटाला मुख्यमंत्री थे तो उस वक्त इनके गलत कामों के खिलाफ हमारे लोग आवाज उठाते थे तो ये उनके खिलाफ और मेरे खिलाफ झूठे मुकद्दमें बना देते थे। इनके वक्त में तो मेरे खिलाफ 28 मुकद्दमें बनाए गए थे। (विध्न) चौधरी भजन लाल जी के वक्त में भी जब हमने उनके गलत कामों के प्रति आवाज उठाई तो उन्होंने भी यही किया है। इन सब ने लोगों की आवाज उठने नहीं दी और जो भी इनके खिलाफ आवाज उठती थी उसके खिलाफ झूठे मुकद्दमें बना देते थे। अध्यक्ष महोदय, आज जो ये लोग हरियाणा के अन्दर हरियाणा के हितों की बात करते हैं तो इनके बारे में आज किसी से कुछ छिपा हुआ नहीं है। इनके कामों के बारे में सब जानते हैं कि इन्होंने क्या क्या किया है। भ्रश्टाचार और कानून व्यवस्था की जो हालत इनके समय में थी वह सब जानते हैं। आज चौधरी बंसी लाल जी के नेतृत्व में अच्छे काम हुए हैं और हो रहे हैं जो कि ये देख नहीं सकते। इनको डर है कि अगर ये इसी तरह से अच्छे काम करते रहे तो कहीं जनता ने जितने इनके मैम्बर चुर कर आज भेजे हैं उनसे भी सफाया न हो जाए। अध्यक्ष महोदय, वित्त मंत्री जी ने जो बजट पे ा किया है

उसके लिए मैं अपनी तरफ से और हरियाणा की जनता की तरफ से इनका धन्यवाद करता हूं। इन्होंने जो ट्रैक्टर पर टैक्स कम किया है और साईकिल रिक ाा पर चार प्रति ात टैक्स माफ किया है, उससे गरीबों को बहुत सहायता मिलेगी। अध्यक्ष महोदय, मैं अपने क्षेत्र के बारे में कहना चाहता हूं। (घंटी) अध्यक्ष महोदय, फरीदाबाद में कई कालोनियां लगती हैं। मेरे हल्के में एक डबूआ कालोनी है उसमें डिवैल्पमैंट चार्जिज 60 रुपये लगते हैं और उसके साथ ही एक जवाहर कालोनी है उसमें 11.40 पैसे डिवैल्पमैंट चार्जिज लगते हैं। चुनावों से पहले जब मुख्यमंत्री जी वहां पर आए थे और प्रो0 राम बिलास भार्मा जी वहां पर आएं थे मैंने इनसे कहा था कि डबूआ में भी 60 रुपये डिवैल्पमैंट चार्जिज की जगह पर 11.40 पैसे होने चाहिएं। मैं आपके द्वारा मुख्यमंत्री जी से प्रार्थना करना चाहूंगा कि पिछली सरकारों से इस बारे में कहा भी था लेकिन वे डिवैल्पमैंट चार्जिज साठ रुपये से कम नहीं किए और आज भी वहां पर साठ रुपये ही डिवैल्पमैंट चार्जिज लग रहे हैं। इसलिए मुख्यमंत्री जी से मेरी प्रार्थना है कि वे यह डिवैल्पमैंट चार्जिज साठ रुपये से कम करके 11.40 पैसे करें। अध्यक्ष महोदय, हमारे फरीदाबाद के अंदर बाटा का फलाई ओवर बनना था जिसके बारे में चौधरी भजन लाल जी ने भी वहां से लोकसभा का इलैक ान लड़ते वक्त आ वासन दिया था। इन्होंने उस समय कहा था कि अगर मैं यहां से चुनाव जीत गया तो मैं यह फलाई ओवर बनवाऊंगा। अध्यक्ष महोदय, इस पुल के न होने की वजह से वहां के लोगों को जो रोजाना डियूटी पर जाते हैं

काफी दिक्कत होती है। भजन लाल जी वहां से चुनाव तो जीत गए और चुनाव जीतने के बाद ये वहां पर गए भी लेकिन ये उस पुल को बनवा नहीं सके। इन्होंने वहां पर उसका पत्थर तो लगाया था लेकिन दो साल बाद लोगों ने वह पत्थर भी तोड़ दिया। उस पत्थर में कहीं भी रह गया और कहीं न रह गया। लोग उसको तोड़कर अपनी अपनी झुग्गियों में ले गए। अध्यक्ष महोदय, इन्होंने तो केवल पत्थर ही लगाए। इसके अलावा इन्होंने फरीदाबाद के अंदर कोई विकास का काम नहीं किया। मैं मुख्यमंत्री जी से प्रार्थना करना चाहूंगा कि वहां पर बाटा का फलाई ओवर जरूर बनाया जाए। इसी तरह से अध्यक्ष महोदय, मेरे क्षेत्र में पानी की भी समस्या है। कई जगहों पर तो लोगों के यहां पर पानी पहुंचता ही नहीं है। मैं मुख्यमंत्री जी से प्रार्थना करना चाहूंगा कि हमारे यहां पर जो रैनोबल योजना है जिस पर काफी पैसा लग चुका है और अब केवल थोड़ा ही काम रह गया है, को जल्दी ही पूरा करवाया जाए ताकि फरीदाबाद के अंदर पानी की समस्या का समाधान हो सके। इस बारे में सरकार को जरूर उपाय करना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, एक बात और मैं कहना चाहूंगा। इस बारे में हमने पहले भी मुख्यमंत्री जी से प्रार्थना की थी कि फरीदाबाद के अदंर बरसात के दिनों में पानी भर जाता था क्योंकि वहां के नालों की सफाई नहीं होती थी। मेरे अपने क्षेत्र के अंदर न्यू जनता कालोनी में हर साल बरसात के दिनों में पानी भरता था और लोगों को इस कारण अपने अपने मकानों को छोड़कर जाना पड़ता था लेकिन जब हमने मुख्यमंत्री जी से इस बारे में प्रार्थना

की तो उन्होंने पहली बार में ही इस बारे में आदे ा दिए और जब इस बार बरसात हुई तो नालों की सफाई के कारण वहां पर पानी नहीं भरा। आज वहां पर बरसात के समय में लोगों के घरों में पानी नहीं जाता और लोग वहां आराम से रह रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, इसी तरीके से मैं भाराब बंदी के बारे में कहना चाहूंगा। आज भाराबबंदी के बारे में जो हमारे विपक्ष के साथी कह रहे हैं कि भाराब जगह जगह बिक रही है लेकिन अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी ने जो हरियाणा की जनता से चुनावों के दौरान वायदा किया था, आज वह इन्होंने पूरा करके दिखाया है। जिस तरह से ये लोग बता रहे हैं कि हरियाणा के अंदर आज पहले से भी पांच गुनी भाराब ज्यादा सप्लाई हो रही है तो ये वहीं लोग बोल रहे हैं जिन्होंने हरियाणा की भलाई के बारे में कभी नहीं सोचा। जिनकी कभी भी भाराबबंदी करने की हिम्मत नहीं होती थी लेकिन चौधरी बंसीलाल जी की सरकार ने भाराब बंद करके दिखा दी है जिसकी वजह से हरियाणा के लाग आज प्रसन्न हो रहे हैं और चौधरी बंसीलाल जी की वाह वाह कर रहे हैं। हरियाणा के लोग बंसीलाल जी के इस काम को सारी उम्र नहीं भूल सकते। अध्यक्ष महोदय, भाराबबंदी का आलोचना करने वाले वे लोग है। जो कभी इसको बंद करने की हिम्मत नहीं बांध पाते थे कि हम भाराब बंद करेंगे। लेकिन बंसीलाल जी ने यह बहुत ही बड़ा काम किया है। जिसकी प्र ांसा ये लोग सुन नहीं सकते। अगर गांवों के अंदर हमारे ये विपक्ष के साथी जाते होंगे तो इनको पता होगा कि वे लोग चौधरी बंसीलाल जी की बढ़ाई करते होंगे। लेकिन ये

इस बात को सहन नहीं कर सकते। अध्यक्ष महोदय, मैं ज्यादा न कहकर इतना ही कना चाहूंगा कि हमारे आदरणीय बंसीलाल जी ने और वित्त मंत्री जी ने जो राहत देने वाला बजट यहां पे ा किया हे, मैं उसका स्वागत करता हूं और उसका समर्थन करता हूं।

श्री सिरी कृश्ण हुड्डा (किलोई): स्पीकर सर, आपका धन्यवाद। यह जो 1997–98 का बजट वित्त मंत्री जी ने पे ा किया है मैं उसका विरोध करने के लिए खड़ा हुआ हूं क्योंकि जब मैंने यह बजट दो तीन बार पढ़ा तो मुझे लगा कि यह सारे का सारा भाशण ही है और यह बजट विकास रहित है। 1996–97 में 1372 करोड़ रुपया वार्शिक योजना के लिए रखा गया था जबकि इस बार यह 1575 करोड़ रुपया रखा गया है जो कि पिछले साल की तुलना में सिर्फ 15 प्रति ात ज्यादा है। समय के साथ साथ आज मंहगाई बहुत बढ़ गई है। इस विकास के लिए कोई पैसा ही नहीं बचेगा तो कैसे काम चलेगा। (इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए) उपाध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदे ा कृशि प्रधान प्रदे ा है। यहां की सारी अर्थ व्यवस्था कृशि पर आधारित है। बजट में कृशि को बढ़ावा देन के लिए सिर्फ 13.5 करोड़ रुपया रखा गया है जब कि बीज, खाद, कीटना ाक आदि दवाइयों के भाव लगातार बढ़ रहे हैं ऐसी द ाा में किसान के लिए आर्थिक रूप से टिक पाना मु कल हो गया है। किसान को गेहूं पर जो बोनस दिया जाता है वह काफी कम है। मैं सरकार से किसानों को 100 रुपये अधिक बोनस देने का अनुरोध करूंगा। इसी प्रकार ग्रामीण विकास के

लिए 57 करोड़ रुपये रखे गए हैं जोकि 13.6 प्रति ात बनता है। यह बहुत कम है। हरियाणा प्रदे ा के ज्यादातर लोग गांवों में रहते हैं इसलिए यह रा ि ा बढ़ाई जाए। इस रा ि ा से तो मामूली विकास ही हो पाएगा। एस0वाई0एल0 हरियाणा प्रदे ा के लिए एक अहम मुद्दा है इसके बारे में बजट में कोई चर्चा नहीं की गई है। हमारे प्रदे ा के किसानों की पंजाब के किसान के मुकाबले में खेती भी कम है, पानी भी कम है, बिजली भी कम है। पानी के लिए एस0वाई0एल0 के बारे में कोई ठोस कदम उठाया जाए। बजट में कहा गया है कि जनवरी, 1997 तक 74 किलोमीटर लम्बी नई सड़कों का निर्माण किया गया एवं 213 किलोमीटर सड़कों को सुदृढ़ और चोड़ा किया गया। जबकि 1997–98 में केवल 90 किलोमीटर सड़कें बनाने के लिए बजट में द ार्या गया है। हरियाणा प्रदे ा में 90 हल्के हैं। अगर एक साल के अंदर 90 किलोमीटर सड़कें बनाई जाएंगी तो एक हल्के के हिस्से में एक किलोमीटर सड़क आएगी। वह तो ऊंट के मुंह में जीरा वाली कहावत सिद्ध होगी। उपाध्यक्ष महोदय, अब मैं मेरे हल्के के लोगों की जो समस्याएं हैं, उन्हें मुख्यमंत्री जी के सम्मुख रखना चाहता हूं। ड्रेन नं0 8 गोहाना से निकलती है उसकी जब सफाई होती है तो उसकी सारी मिट्टी जो उसकी पूर्व की पटरी है उस पर पड़ती है। खेड़ी, खिड़वाली, खुसकाली, टटौली और सिंगपुरा के आगे जारिक जो कलानौर के गांव हैं इस ड्रेन के पास हैं, उस साइड की कमजोर पटरी को मजबत किया जाए ताकि उस साइड के गांव फ्लड से बच सकें। इसी प्रकार किलोई गांव हैं वहां पिछले 4–5

साल से काफी एकड़ भूमि में आज भी बुबाई नहीं हो पा रही है। उस भूमि से पानी निकलवाने की कोई स्कीम बनाई जाये। आगे जो बरसात आएगी उसमें वहां ड्रेन का काम कराया जाए ताकि उस एरिया के लोग बाढ़ से बच सके। इसी प्रकार से मेरे हल्के के धामड, लाढ़ोत, चिड़ी, नांदण, धडावठी गांवों में बाढ़ बहुत आती है। चिडी गांव में आज भी काफी एकड़ बिजाई नहीं हो रही है इसलिए चिडी गांव के लिए कोई नयी ड्रेन की स्कीम बनाई जाए। खिलवाड़ी ड्रेन का पानी ड्रेन नं0 8 में गिरता है। इस ड्रेन के सिर्फ 20 किल्ले ही बचे हुए हैं जिनकी खुदाई नहीं हो पाई है मैं मुख्यमंत्री जी के नोटिस में लाना चाहता हूं कि उसकी खुदाई पर कोई कार्यवाही की जाए। इसी तरह से भाराब के बारे में इस बजट में कहा गया है। भाराब बंदी का मामला आज एक खिलौना बन कर रह गया है। आज भाराब बंदी के नाम पर पुलिस और तस्कर के बीच में एक खेल खेला जा रहा है। प्रदे ा के अन्दर 20–25 साल की उम्र के सारे के सारे लड़के इस अपराधीकरण के जाल में फंस रहे हैं और भाराब की तस्करी कर रहे हैं। मुझे डर है कि यह एक गम्भीर मामला न बन जाए और सरकार को इस बारे में सोचना चाहिए। अगर यह काम ऐसे ही चलता रहा तो कहीं हरियाणा प्रदे ा भी पंजाब और क मीर की तरह अपराधीकरण का अड्डा न बन जाये तथा हरियाणा इन दोनों प्रदे ाों से अपराधीकरण में आगे न चला जाये। हरियाणा में भाराबबंदी करके इस सरकार ने एक अच्छा काम किया है परन्तु सरकार को चाहिये कि इसको सख्ती से लागू करे। आज भाराबबंदी का मामला पुलिस

अफसरों के और पोलिटिकल आदमियों के बीच एक खिलौना बन कर रह गया है। भाराब बंदी के मामले से प्रदे ा में अपराधीकरण इतना बढ़ जायेगा। कि आने वाली संतानों को बर्बाद कर देगा, इससे हरियाणा का काफी नुकसान हो जायेगा। मैं आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी से नम्र निवेदन करूंगा कि भाराबबंदी को लागू करने के लिए सख्त कदम उठाये जायें क्योंकि हरियाणा एक भाांतिप्रिय प्रदे ा है यहां अपराधीकरण न बढ़ने पाये। उपाध्यक्ष महोदय, मुझे आपने बोलने का समय दिया इसके लिए आपका धन्यवाद। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्षः जो नये विधायक आये हैं उनको तो बोलने का मौका दिया जाये।

श्रीमती कान्ता देवी (झज्जर): माननीय उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया इसके लिए आपका धन्यवाद। उपाध्यक्ष महोदय, आज मैं वित्त मंत्री द्वारा पे ा किये गये बजट के समर्थन में बोलने के लिए खड़ी हुई हूं। हरियाणा की जनता को बहुत आ ांकाएं थी कि हमारी सरकार हम पर कुछ नये टैक्स जरूर लगायेगी क्योंकि हमारी सरकार को भाराब बंदी लागू करके 600 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। यह घाटा हम नये टैक्स लगाकर पूरे करेंगे। लेकिन आज मुझे कहते हुए बहुत खु ाी हो रही है कि हमारी सरकार ने हमारी जनता पर कोई नया टैक्स नहीं लगाया है। उपाध्यक्ष महोदय, हमारी हविपा–भाजपा गठबन्धन ने माननीय मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में इस सरकार की बागडोर

संभाली है और आज हरियाणा प्रदे ा विकास की नई ऊंचाईयों को प्राप्त करने की दि ाा में अग्रसर है। हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी किसानों के हितैशी हैं यह बात जनता को पता चल गई है क्योंकि कृशि क्षेत्र में किसानों को राहत देने के लिए ट्रैक्टर टायरों की बिक्री पर कर दस प्रति ात से घटाकर पांच प्रति ात कर दिया है। उपाध्यक्ष महोदय, हरियाणा की जनता की धार्मिक भावनाओं को ध्यान में रखते हुए इस सरकार ने धूप और अगरबती को भी कर में पूरी छूट दे दी है जो पहले दस प्रति ात था। गरीबों को राहत देने के लिए रिक ाा और साईकिल की बिक्री को कर में पूरी छूट दे दी है। उपाध्यक्ष महोदय, इसी तरह से हाथ से बने कागज को भी कर मुक्त रखा गया है। यह बजट इस तरह बनाया गया है कि इससे अच्छा बजट और हो ही नहीं सकता। उपाध्यक्ष महोदय, मैं तीन–चार दिन से सुन रही हूं कि हमारे विरोधी भाई एक बात किये जा रहे हैं कि हमारी सरकार द्वारा लागू भाराबबंदी असफल रही है लेकिन आज मैं यह डंके की चोट पर कह सकती हूं कि हमारी सरकार का भाराबबंदी कार्यक्रम पूरी तरह सफल हुआ है और भाराबबंदी प्रोग्राम से सभी वर्गों में वि ोशकर महिलाओं, हमारी माताओं और बहनों को काफी राहत मिली है क्योंकि पहले जिनके घरों में भाराब के कारण बच्चों की फीस तक नहीं दी जाती थी आज उन घरों में खु ाहाली आई है। मैं यह नहीं कहती कि भाराब पूरी तरह बंद हो गई है। लकिन उपाध्यक्ष महोदय, आप यह तो जानते ही हैं कि कोई भी कार्यक्रम सैंट परसैंट तो बंद नहीं हो सकता। भाराबबंदी को पूरी तरह से

लागू करने के उद्दे य से राज्य सरकार ने 14 करोड़ 99 लाख का प्रावधान किया है। उपाध्यक्ष महोदय, किसी भी राज्य के आर्थिक व सामाजिक विकास के लिए बिजली की बहुत जरूरत होती है। हरियाणा बिजली बोर्ड की कार्य प्रणाली को सुधारने के लिए सुधारीकरण कार्यक्रम भी भुरू किया गया है। राज्य सरकार कृशि क्षेत्र को कुल उपलब्ध बिजली का 50 प्रति ात सस्ती दरों पर मुहैया कराने के लिए वचनबद्ध है। हरियाणा राज्य बिजली बोर्ड राज्य में नए बिजली उत्पादन संयंत्र लगाने का प्रयास कर रहा है ताकि बिजली की बढ़ती हुई मांग को पूरा किया जा सके। इसके लिए अल्पकालिक उपाय के रूप में बोर्ड ने बिजली उत्पादन में निजी क्षेत्र को आमंत्रित किया है। उपाध्यक्ष महोदय, यह सरकार अपने कार्यक्रमों में कितनी सफल हुई है, इसका जीता जागता प्रमाण इस बात से मिलता है कि मेरे पिता जी झज्जर का चुनाव 6 हजार वोटों से जीते थे लेकिन वहां की जनता ने आज मुझे 26039 वोटों से जिताकर इस सदन में भेजा है। (थंपिंग) उपाध्यक्ष महोदय, झज्जर क्षेत्र के लिए मुख्य मंत्री महोदय ने बहुत कुछ किया है। पहले वहां पर खारा पानी मिलता था लेकिन आज वहां पर मीठा पानी उपलब्ध है। मेरे विधान सभा क्षेत्र में पहले सड़कों का बहुत बुरा हाल था जिससे कि जाम वगैरह लग जाता था। आज वहां पर स्थिति में काफी सुधार आया है तथा सड़कों का निर्माण कार्य चल रहा है। उपाध्यक्ष महोदय, कल चौधरी भजन लाल जी ने कहा था कि झज्जर में विकास के नाम पर एक ईंट भी नहीं लगी है। लेकिन मैं कहना चाहती हूं कि मेरे हल्के में

अच्छी तरह से विकास कार्य चल रहा है। प्रत्येक गांव में सरकार की तरफ से दी गई अनुदान रा ि ा से विकास कार्य चल रहे हैं। किसी गांव में हरिजन चौपाल, किसी गांव में गली बनाने का काम तथा किसी गांव में सिलाई कटाई केन्द्र इत्यादि चल रहे हैं। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से बताना चाहती हूं कि हमारी सरकार हर मोर्चे पर सफल सिद्ध हुई है। अभी तो हमारी सरकार को सत्ता में आए हुए केवल 8 महीने ही हुए हैं। अभी तक तो हमारे मुख्यमंत्री महोदय, राज्य में विकास हेतु गाड़ी को चींचतान कर पटरी पर लाए हैं जिसे पिछली सरकारों ने गहरे गड्डों में डाल दिया था। हमारी सरकार की गाड़ी चौधरी बंसी लाल जी के नेतृत्व में चल नहीं रही है बल्कि भाताब्दी एक्सप्रैस की तरह दौड़ रही है। कोई भी कार्य सरकार के दृढ़ संकल्प व दृढ़ नि चय से तथा अच्छी भावना से होता है जो कि चौधरी बंसी लाल जी में कूट कूट कर भरा हुआ है। उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देती हूं।

श्री उपाध्यक्षः अगर कोई विधायक, जब से सै ान आरम्भ हुआ है, एक भी बार नहीं बोला है, वह अपने नाम की स्लिप मेरे पास भेज दें। उनको 5–5 मिनट बोलने के लिए दिए जाएंगे।

19.00 बजे

श्री राज कुमार सैनी (नारायणगढ़): उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर हो रही चर्चा में भाग लेने के लिए मौका दिया, इसके लिए आपका बहुत बहुत धन्यवाद। 12 मार्च, जिस दिन बजट पे ा किया गया, उसी दिन से विपक्ष के सदस्य घंटों घंटों बोलकर चर्चा में भाग ले चुके हैं और इस चर्चा में जो कुछ भी उन्होंने बोला है उसका कोई मतलब भी नहीं निकलता है क्योंकि बजट पर चर्चा करते हुए यदि वे तथ्य देते तो भाायद उनकी कोई बात हरियाणा की जनता के सामने जाती और वे लोगों को अच्छे लगते। ये तो सिर्फ इस प्रकार से चर्चा में भाग ले रहे हैं जैसे कि एक मास्टर था, वह बिल्कुल निकम्मा था तथा कभी भी बच्चों को नहीं पढ़ाता था। जब परीक्षा नजदीक आई तो मास्टर जी पहले उनका परीक्षण लेने लगा कि देखें कि बच्चों के अंदर कितना टेलेंट है। उसने बैठकर के बच्चों से सबसे पहले एक सवाल किया। आप क्या जानते हैं। एक बच्चे ने मास्टर जी से कहा कि मास्टर जी एक कीड़ी थी उसके पीछे कितनी कितनी किड़ियां थी उसके पीछे जितनी किड़ियां थीं उसको जर्ब करके बताओ कुल कितनी किड़ियां थी तो इस सवाल को सुन कर मास्टर जी का सिर चकरा गया और उसने सोचा कि कितनी किड़ियां हो सकती हैं। उसने उसका काफी सोच विचार किया लेकिन उसकी समझ में कुछ नहीं आया फिर उसने बच्चों से ही पूछ लिया कि आप ही बताएं कि कितनी किड़ियां थीं। बच्चे कहने लगे कि किड़ियां तो थी ही नहीं तो मेरे विरोधी पक्ष के भाई इस तरह की बात करते हैं। इस लोकप्रिय सरकार ने यह लोकतंत्र का बजट पे ा किया

है। डिप्टी स्पीकर साहब, हमारी चौधरी बंसी लाल जी की लोकप्रिय सरकार ने भाराबबंदी लागू करने के कारण 600 करोड़ रुपये का घाटा होते हुए भी यह कर रहित बजट पे ा किया है। यह हमारी सरकार का एक बहुत ही सहरानीय कदम है। हमारे विरोधी पक्ष के भाईयों ने हर गांव के गली कुचे में एक ऐसा हब्बा खडा किया हुआ था जिसके बारे में लोग सोचते थे कि पता नहीं 31 मार्च को पे ा होने वाले बजट में कितने टैक्स लगेंगे। डिप्टी स्पीकर साहब बिजली के बारे में मेरे विरोधी पक्ष के भाईयों ने पिछले 6–7 दिन से हाहाकार मचा रखा है। आपके माध्यम से इनको बताना चाहूगा कि अगर हम बिजली के बारे में किसी प्रकार को कोई चिन्तन नहीं करते तो 20 साल पहले चौधरी बंसी लाल जी की सरकार में बिजली के उत्पादन के लिए जो चार थर्मल प्लांट लगाए थे, उन 20 सालों के बीच में किसी भी भी सरकार ने बिजली उत्पादन के लिए कोई भी थर्मल प्लांट नहीं लगाया। अगर किसी सरकार ने थर्मल प्लांट लगा दिए होते तो आज बिजली की यह हालत नहीं होती। अब हमारी इस सरकार ने बारह की तीन कम्पनियों के साथ एग्रीमैंट करके बिजली के उत्पादन के लिए थर्मल पावर प्लांट लगाने भाुरू किए हैं उसके बारे में भी विरोधी पक्ष के भाईयों ने कह दिया कि यह सरकार बिजली का निजीकरण करने जा रही है। डिप्टी स्पीकर साहब, हमारी सरकार ने इस बात को सामने रखा है कि हम बिजली का सुधीरीकरण करेंगे। इस सरकार को बने हुए अभी 9 महीने ही हुए हैं। डिप्टी स्पीकर साहब, 9 महीने में तो जन्म ही होता है और जन्म के समय में

जवानी के दिन याद करना कोई खेल नहीं है। जब तक यह सरकार जवान होगी तब आप देखना आप इस तरह की बात कहने के लायक नहीं रहेंगे। फिर हम आपको बता देंगे कि हमारी सरकार ने क्या क्या विकास किया है। मैं अपने विपक्ष के साथियों को बताना चाहूंगा कि हम विकास की गति बढ़ाएंगे। डिप्टी स्पीकर साहब, मेरे हल्के में 56 गांव हैं। मेरे हल्के की नदियों की सफाई के लिए जो 5 या 10 लाख रुपया दिया वह बरसात के दिनों में दिया उस पैसे की गलत बिलिंग करके वह पैसा इन्होंने और इनके उस समय के ओफिसर्ज ने अपनी अपनी जेबों में डाल लिया। आज ऐसा नहीं है। नहरों की सफाई का काम जो 30 जून तक कम्पलीट होगा पहले तो उसको बिजिलैंस विभाग वाले मापेंगे। अगर कोई ठेकेदार 30 जून तक काम कम्पनीट नहीं कर पाएगा तो उसकी पेमैंट नहीं होगी। डिप्टी स्पीकर साहब, इन्होंने करप् ान का हमारी सरकार पर एक आरोप लगा दिया। करप् ान के बारे में बताना चाहूंगा। हमारी सरकार का यह फैसला है कि यदि कोई अधिकारी या कर्मचारी करप् ान से जुड़ा पाया जाएगा तो उसके साथ सख्ती से निपटा जाएगा। डिप्टी स्पीकर साहब, हमारी सरकार ने टैक्टरों के टायरों पर कर में छूट दी है। अगरबती और धूपबती पर भी छूट दी है। उसके बदले में कोई टैक्स नहीं लगाया। विपक्ष इस बात का भाोर मचा रहा है कि यहां पर कुछ काम ठीक नहीं हो रहा। ये लोग सिवाय मनियार का ढोल पीटने के और कुछ नहीं करते। जिस तरह का बजट इस सरकार ने पे ा किया है ऐसा बजट आज तक किसी सरकार ने नहीं किया। जो इन लोगों ने

जनता में यह भय फैलाया हुआ था कि पता नहीं सरकार कितने टैक्स लगायेगी, जिससे इन्होंने जनता में हाहाकार मचवा दिया था वह सब इस बजट में पे ा होने पर जनता ने देख लिया। अब जनता बजट के समर्थन में जय जय कार के नारे लगा रही है, यह हमारे जनमानस को भी पता है। मैं अपने साथियों को यह बात बताना चाहता हूं कि विपक्ष, सरकार द्वारा भाराब बंदी के बारे में बड़ा भाोर मचा रहा था। मैं सदन में बताना चाहूंगा कि मैंने अपने हल्के के 4 सजपा के लोगों को भाराब का काम करने के सिलसिले में गिरफ्तार करवाया है। उनका सारे नारायणगढ़ में जलूस निकाला गया। इन लोगों ने मेरे खिलाफ एक मैमोरेंडम नारायणगढ़ के एस0डी0एम0 को दिया, जो कि आज भी उनके पास मौजूद है। उपाध्यक्ष महोदय, वित्त मंत्री जी ने जो बजट पे ा किया है उसका मैं अपनी तरफ से तथा अपने हल्के की जनता की तरफ से समर्थन करता हूं। अंत में मैं आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेता हूं। धन्यवाद।

श्री राम जी लालः उपाध्यक्ष महोदय, अभी इन्होंने बोलते हुए कहा कि सजपा के चार लोगों को भाराब का काम करते हुए पकड़वाया है। इस संबंध में मैं कहना चाहूंगा कि यदि सजपा का एक भी आदमी इस काम में पकड़ा गया हो तो मैं विधान सभा से इस्तीफा दे दूंगा या ये दे दें। (विध्न)

श्री उपाध्यक्षः आप बैठें अब श्री मेहता जी बोलेंगे।

श्री भीम सेन मेहता (इन्द्री): उपाध्यक्ष महोदय, मैं बजट पर बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। सबसे पहले मैं आपका धन्यवाद करता हूं कि अपने विचार व्यक्त करने का अवसर दिया। हमारी सरकार ने वर्श 1997–98 का जो बजट हरियाणा की जनता के सामने पे ा किया है वह सारे का सारा हरियाणा की जनता के हित में है। स्पीकर साहब, आप जानते हैं कि हरियाणा सरकार के पास आज पैसे कि कितनी कमी है। इतनी आर्थिक तंगी के बावजूद भी हमारी सरकार ने अपने बजट में किसी पर कोई नया कर नही लगाया। मैं तो यही कहूंगा कि इससे अच्छा बजट हो ही नहीं सकता। मैं इस बजट के लिए अपने मुख्यमंत्री जी और वित्त मंत्री जी का आभार प्रकट करता हूं और इस बजट का समर्थन करता हूं। यह बजट किसान के हित के लिए पे ा किया गया है। आपने देखा होगा कि सरकार ने किसानों के यंत्र, ट्रैक्टर के टायरों पर सेल्ज टैक्स में कमी करके एक बहुत ही अच्छा काम किया है। इसी प्रकार से रिक ाा चालकों को भी सुविधा दी गई है। इन कामों के लिए मैं वित्त मंत्री जी को बधाई देता हूं।

उपाध्यक्ष महोदय, अब मैं अपने हल्के इन्द्री की समस्याओं की तरफ सरकार का ध्यान आकर्शित करना चाहूंगा। वहां पर पिछले 15–20 सालों से विकास के नाम पर एक ईंट भी नहीं लगी और न ही वहां विकास के काम के लिए कोई वि ोश ध्यान दिया गया। मेरे हल्के में ि ाक्षा के प्रति भी बिल्कुल ध्यान नहीं दिया गया। वहां पर कोई स्कूल मिडल से हाई और हाई से

प्लस दो का नहीं बनाया गया। न ही वहां पर कोई कालेज है, जिससे युवा पीढ़ी के बच्चे ि ाक्षा प्राप्त कर सकें। हरियाणा के अन्दर सरकार की नीति है कि लड़कियों के लिए मुफ्त ि ाक्षा दी जाये लेकिन जब वहां पर कालेज ही नहीं तो लड़कियां ि ाक्षा कैसे प्राप्त कर सकें। उनके मां–बाप घर से ज्यादा दूर उनको भेजना ठीक नहीं समझते जिस कारण वे उच्च ि ाक्षा प्राप्त करने में असमर्थ हैं। हमारे इलाके में वहां से 25–30 किलोमीटर के फासले पर एक कालेज है। (इस समय अध्यक्ष पदासीन हुए) माननीय मुख्य मंत्री जी से मेरा अनुरोध है कि वे स्पै ाली मेरे हल्के इन्द्री की तरफ वि ोश ध्यान देने की कृपा करें। पिछले 15–20 साल की अवधि में वहां पर कोई विकास का कार्य नहीं हुआ है और वहां पर कोई भी कालेज नहीं खोला गया है। कोई भी अच्छी ि ाक्षा संस्थान वहां पर नहीं है। कोई भी आई0टी0आई0, जे0बी0टी0 सैंटर हमें वहां पर नहीं मिली है। इसलिए मैं माननीय मुख्य मंत्री जी से अनुरोध करूंगा कि मेरे हल्के में कोई जे0बी0टी0 तथा आई0टी0आई0 खोलने की कृपा करें ताकि वहां के लोगों को भी कुछ व्यावसायिक ि ाक्षा मिल सके। मेरे हल्के इन्द्री के गांव खेड़ा में श्री सोमनाथ के नाम से पिछली सरकार ने यह घोशणा की थी कि एक हाई स्कूल खोला जाएगा लेकिन आज तक वह हाई स्कूल वहां पर नहीं खोला गया है। मेरा सरकार से अनुरोध है कि वहां पर जल्दी ही एक हाई स्कूल खोला जाए। जहां तक सड़कों की हालत का सम्बन्ध है, मैं माननीय मुख्य मंत्री जी का ध्यान इस ओर दिलाना चाहूंगा कि

हल्के इन्द्री में सभी सड़कें टूटी पड़ी हैं, ओर उनकी हालत काफी खस्ता है इसलिए मेरी प्रार्थना है कि सड़कों की मुरम्मत जल्दी ही करवाने की कृपा करें। डब्ल्यू0जे0सी0 पर दो पुल सरकार ने बनाने के लिए मन्जूर किय हैं लेकिन अभी तक उन पर काम भुरू नहीं हुआ है, इन पुलों को भी भीघ्र ही बनवाया जाए ऐसा मेरा निवेदन है। अध्यक्ष महोदय, हमारे भाहर के अन्दर बस स्टैंड है। भाहरवासियों की समस्या यह है कि जो बस स्टैंड तक नहीं जाती ं और बाहर से ही चली जाती हैं। बसें बस स्टैंड से बाहर रूकती हैं और वहां प्रोपर जगह न होने के कारण अक्सर दुर्घटनाएं होती रहती हैं। वहां पर दुर्घटनाओं से बचने के लिए भी यह जरूरी है कि बसें बस स्टैंड के अन्दर जाएं ताकि लोगों को बस स्टैंड का भी फायदा हो। सरकार द्वारा ऐसे निर्दे ा चालकों को दिए जाएं कि वे बसें बस स्टैंड के अन्दर ले जाया करें ताकि लोग उससे फायदा उठा सकें (घंटी) अध्यक्ष महोदय, भाराब बंदी के बारे में विपक्ष के साथियों ने काफी कुछ कहा है। कोई भी सरकार या कोई भी मुख्य मंत्री आए या कोई भी व्यक्ति मुख्य मंत्री बने वह इस प्रकार का कानून ही बना सकता है और वह कानून लोगों को दे सकता है लेकिन उस कानून की पालना तो लोगों ने ही करनी होती है। हमारे विपक्षी माननीय साथियों को खुल कर यह कहना चाहिए कि क्या वे इस भाराब बंदी को मानते हैं या नहीं मानते हैं। उन्हें लोगों के बीच में इस बात को स्वीकार करना चाहिए। अगर वे लोगों का भला चाहते हैं तो विपक्ष के भाईयों को चाहिए कि वे सरकार को इस मामले में सहयोग दें। अगर इनका सहयोग

सरकार को मिलता है तो भाराब बन्दी में 100 प्रति ात कामयाबी मिल सकती है और वहां पर कम्पलीट भाराब बन्दी लागू हो सकती है, भाराब जैसी लानत हमे ाा के लिए हरियाणा से खत्म हो सकती है। अध्यक्ष महोदय, इन्हीं भाब्दों के साथ मैं इस बजट का स्वागत करते हुए, इस भाानदार बजट को पे ा करने के लिए सरकार को बधाई देते हुए इसका पूर्ण समर्थन करता हूं। आपने मुझे इस बजट पर बोलने के लिए जो समय दिस है इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं।

श्री नरपेन्द्र सिंह (बाढड़ा): अध्यक्ष महोदय, वर्श 1997–98 के बजट पर बोलने के लिए आपने मुझे समय दिया उसके लिए आपका बहुत बहुत धन्यवाद। 12 मार्च, 1997 को माननीय वित्त मंत्री जी ने जो बजट पे ा किया है मैंने उसका पूरी तरह से अवलोकन किया है। मैं अपनी तरफ से यह कह सकता हूं कि यह बजट हरियाणा प्रदे ा के हर वर्ग के लिए उचित तथा बहुत ही बढ़िया है जिसके लिए वित्त मंत्री बधाई के पात्र हैं। इस बजट में कोई भी नया कर नहीं लगाया गया है। अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं कि हमारा प्रदे ा कृशि प्रधान प्रदे ा है और वि ोश रूप से कृशि के लिए सब से ज्यादा प्रावधान इस बजट में रखा गया है। सबसे ज्यादा धन सिंचाई की व्यवस्था और बिजली के लिए रखा गया है। हमारे विपक्ष के माननीय साथियों ने बजट पर बोलते हुए इसकी आलोचना तो की है लेकिन ऐसा कोई भी सुझाव नहीं दिया है जिससे कृशि क्षेत्र में कोई सुधार किया जा

सकता हो। इस बजट के बारे में मैं इतना कह सकता हूं कि यह बजट हरियाणा प्रदे ा की जनता की खु ाहाली के लिए और प्रदे ा के विकास के लिए पे ा किया गया है। अध्यक्ष महोदय, यह मैं अपनी तरफ से कह सकता हूं कि इस बजट को ठीक ढंग से हमारी सरकार लागू करेगी तथा पूरा हरियाणा प्रदे ा अच्छे ढंग से विकास करेगा। यहां पर बिजली के बारे में बात आई। कई दिनों से सदन के अन्दर भी और बाहर भी बिजली चर्चा का विशय बना हुआ है। अध्यक्ष महोदय, मैं उस क्षेत्र से हूं जहां पर सबसे ज्यादा बिजली का प्रयोग होता है। यहां पर विपक्ष के जो सदस्य बिजली की चर्चा करते हैं, ये उस बारे में जानते नहीं हैं। अध्यक्ष महोदय, आज तक हरियाणा में बिजली के लिए सबसे ज्यादा आन्दोलन हमारे यहां से हुए हैं और ये आन्दोलन किस लिए हुए हैं ये आन्दोलन हुए हैं बिजली पूरी देने के लिए। वहां पर आन्दोलन इसलिए नहीं हुए हैं कि बिजली के रेट बढ़ गये या बिजली के बिलों को माफ किया जाए। आज हमारा एरिया कृशि के मामले में बिजली के ऊपर निर्भर है और यहां पर उनको भिखारी बनाने के बारे में बात कही जा रही है। जबकि मैं यह कहता हूं कि वहां लोगों को बिजली चाहिए। अध्यक्ष महोदय, एक राजनीतिक घटना के बारे में अखबार में एक एडिटोरियल छपा है वह मैं यहां पर आपको पढ़ कर सुना देता हूं।

''निजीकरण के विरोध का अंदरूनी कारण वास्तव में कुछ और हो मगर इसे एक सैद्धांतिक जामा पहना दिया है। प्रायः

ऐसे मामलों में राजनेताओं को सहानुभूति मिल जाती है, क्योंकि असल मुद्दे जनता के सामने पहुचं नहीं पाते। लोकप्रियतावादी राजनीति की मजबूरी यह है कि वह आम आदमी के हितों का बहाना ढंढ़ती है। यह अजीब बात है कि बिजली के निजीकरण का विरोध इसी आम आदमी के नाम पर किया जा रहा है। हरियाणा में चल रहे गंभीर बिजली संकट से आखिर निपटा कैसे जाए, निजीकरण के विरोधी यह नहीं बता पाते। बिजली चोरी रोकने, उत्पादन बढ़ाने और बकाया रकम की वसूली की कोई योजना निजीकरण के विरोधियों के पास नहीं है। वे राज्य बिजली बोर्ड की रूग्णता के बारे में बात नहीं करना चाहते और न यूनियनबाजी के खिालफ बोलने का नैतिक साहस जुटा पाते हैं। इसी तरह किसान हितों की रक्षा की आड़ में यह बात नजरंदाज कर दी जाती है कि किसानों पर बिजली बोर्ड के करोड़ों रुपये बकाया है और इसकी वसूली न हुई तो उससे होने वाले नुकसान से कृशि क्षेत्र भी नहीं बच पाएगा।

फिलहाल पांच जिलों में निजीकरण की योजना भाुरू करने का प्रस्ताव है। प्रारंभ में ही इतना विरोध हो रहा है, तो भविश्य में उत्पन्न होने वाली स्थिति का अनुमान आसानी से लगाया जा सकताहै। लेकिन यहां 'बकरे की अम्मा कब तक खैर मनाएगी' वाली कहावत चरितार्थ हो रही है। हरियाणा की औसतन 370 लाख यूनिट बिजली रोज चाहिए। उपलब्धता केवल 250 लाख की है। आने वाले महीनों में 450 लाख यूनिट की मांग होने का

अनुमान है। उत्पादन में वृद्धि और चोरी पर रोक की आ ाा करना बेकार है। राज्य बिजली बोर्ड का घाटा लगातार बढ़ता जा रहा है। राजनैतिक नेतृत्व, नौकर ाही और टेक्नोक्रैट सभी की जवाबदेही है कि बिजली बोर्ड को 1986–87 में हो रहा 372.75 करोड़ का घाटा 1994–95 तक 1753.61 करोड़ कैसे हो गया। बोर्ड पर राश्ट्रीय ताप बिजली निगम, कोल इंडिया लि0 और रेलवे की जो करोड़ों रुपये की रकम बकाया है, उसकी अदायगी की तो चर्चा ही नहीं हो रही। यह त्रासद स्थिति मुफ्तखोरी की संस्कृति को बढ़ावा देने के कारण उत्पन्न हुई। ऋण के भार से निरंतर पिसता जा रहा बिजली बोर्ड आने वाले दिनों में जनता का क्या कल्याण कर पाएगा, निजीकरण के विरोधियों के पास इस प्र न का कोई उत्तर नहीं हो सकता। जब जब निहित स्वार्थ खतरे में होते हैं तो कोई न कोई मुद्दा बना लिया जाता है। निजीकरण के विरोध पर भी यही बात लागू होती है। लेकिन यह सब अब बहुत दिन तक चलने वाला नहीं।

''अध्यक्ष महोदय,'' मैं आपके माध्यम से यह बताना चाहता हूं कि जहां तक बिजली की बात है तो जब चुनाव हुए तो मेरे क्षेत्र मे विपक्ष के नेता श्री ओम प्रका ा चौटाला जी आए और इन्होंने लोगों से वोटों के लिए मांग की और कहा कि अगर हमारी सरकार सत्ता में आयी तो हम बिजली कि बकाया बिल्ज माफ कर देंगे। लेकिन दूसरी तरफ मेरी तरफ से चौधरी बंसीलाल जी हमारे क्षेत्र में वोट मांगने के लिए गए और उन्होंने कहा कि

आपके जो बिजली के बिल्ज है, वह आपकसे भरने पड़ेंगे और अध्यक्ष महोदय, नतीजा यह हुआ कि 27 हजार वोटों से वहां की जनता ने मुझे जिताकर भेजा। इसी तरह से हमारे साथ लगता हुआ हल्का लोहारू है वहां से श्री सोमबीर सिंह को 36 हजार वोटों से लोगों ने जिताया है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन में कहना चाहूंगा कि लोगों को बिजली की आव यकता है इसलिए बिजली का प्रबन्ध किया ही जाना चाहिए। आज बिजली के रेट्स के कोई मायने नहीं हैं बल्कि जरूरत के समय किसानों को बिजली मिलनी चाहिए और इसी का प्रबन्ध हमारी सरकार इस बजट के माध्यम से करने जा रही है। मैं इस बजट का पूरी तरह से स्वागत करता हूं और चौधरी बंसीलाल जी एवं वित्त मंत्री जी को इस बात के लिए बधाई देता हूं कि उन्होंने किसानों को बिजली देने के लिए अपने बजट में प्रावधान रखा है। अध्यक्ष महोदय, इसके बाद मैं झज्जर के चुनाव प्रचार में गया। वहां का चुनाव एक जनमत संग्रह साबित हुआ। मैंने वहां पर देखा कि चौटाला साहब अपनी गाड़ियों के काफिले के साथ वहां घूम रहे थे। इनके काफिले की एक गाड़ी के ऊपर इन्हीं की पार्टी की एक नेत्री जो उस समय वहां पर मधुर भाशण दे रही थी और उसका टेप बज रहा था। मैं आपको उसके भाशण के कुछ अं ा बताना चाहूंगा। वे कह रही थी कि झज्जर का उपचुनाव बहुत महत्वपूर्ण है और यह प्रदे ा की सरकार के लिए हरियाणा के लोगों का जनमत संग्रह होगा। इसलिए अगर आप हविपा एवं भाजपा के समर्थित उम्मीदवार को वोट देंगे तो जनता यह मानेगी और इसका

यह प्रभाव जायेगा कि हरियाणा प्रदे ा की जनता ने इस सरकार को स्वीकार कर लिया है लेकिन अगर आप इनके उम्मीदवार के विरूद्ध वोट देंगे तो यह माना जाएगा कि हरियाणा की जनता ने इस सरकार को अस्वीकार कर दिया है। लेकिन अध्यक्ष महोदय, नतीजा सबके सामने है और वहां से हमारी उम्मीदवार 36 हजार वोट लेकर जीती है। इन्हीं की पार्टी के कथानानुसार वह चुनाव हरियाणा प्रदे ा की जनता का जनमत संग्रह था। इसके बाद मैं कांग्रेस के साथी जोकि इस समय सदन में मौजूद नहीं हैं, से कहना चाहूंगा। पिछले दिनों उन्होंने काफी बातें कहीं और उनके कुछ तथा कथित नेता हमारे भिवानी जिले में तथा उसके आसपास यह प्रचार करने में लगे हुए हैं कि बिजली का निजीकरण किसानों के हित में नहीं है। अध्यक्ष महोदय, कांग्रेस पार्टी जिसका पिछले दिनों में भाासन भी हरियाणा प्रदे ा में रहा है, वह किसी भी प्रकार से किसानों के हक में नहीं है। मैं उस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करता हूं जहां पर कादमा कांड में पांच किसानों की जानें गयी थी। लेकिन आज वहीं कांग्रेस पार्टी के लोग किसानों के हक की बात करते हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं यह कह सकता हूं कि वे लोग किसी भी प्रकार से किसानों के हितैशी नहीं हो सकते। उनकी नीतियां किसान विरोधी रही हैं। अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से मैं कांग्रेस पार्टी के एक सदस्य श्री रणदीप सिंह सुर्जेवाला से जो कि इस समय सदन में नहीं है, कहना चाहूंगा कि उन्होंने अपने भाशण में बजट के बारे में बहुत विस्तार से चर्चा की। चौधरी जगन्नाथ जी के मुताबिक वे कांग्रेस पार्टभ् में सबसे

ज्यादा पढ़े लिखे विधायक हैं। उन्होंने बताया था कि बजट में महिलाओं के लिए 22 करोड़ रुपये रखे हैं और अगर हरियाणा प्रदे ा में कुल बच्चों की संख्या से इसको भाग किया जाए तो एक के हिस्से में केवल 105 रुपये या इतने ही कुछ आएंगे। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन को बताना चाहूंगा कि जिस हिसाब से उन्होंने बजट को एंटरप्रेट किया, वह बात किसी के गले नहीं उतर सकती। 1575 करोड़ रुपये का बजट हमारे वित्त मंत्री जी ने पे ा किया है। यह पैसा भी अटैची में भरकर नहीं रख हुआ है बल्कि उस पैसे को भी हरियाणा की जनता से टैक्सों के रूप में लेने की उनकी योजना है। बजट में आमदनी और खर्चे का हिसाब होता है। बजट में नकदी रुपया नहीं होता। श्रीमान सुर्जेवाला जी यहां पर नहीं हैं मगर मैं उनको बताना चाहूंगा कि सदन में कहा गया एक एक भाब्द इतिहास बन जाता है और प्रैस में बैठे हुये लोग हरियाणा की जनता को एक एक बात बताते हैं कि हरियाणा प्रदे ा के ये प्रतिनिधि किस प्रकार की बातें यहां पर करते हैं। अध्यक्ष महोदय, अभी दोदिन पहले जब छुट्टी थी तो मैं किस प्रकार से अपने पुराने इतिहास को देख रहा था। अखबारों को देख रहा था तो उस दौरान मेरे सामने एक ऐसा अखबार आया। यह पींग अखबार जनवरी, 1991 का है और रोहतक में छपता है मैं इसे लेकर आया हूं उसमें यह लिखा था कि–

''इतिहास यह लिखेगा कि . . . .मूर्ख था।

यह बात मैं श्री रणदीप सुर्जेवाला को बताना चाहता हूं जो किसी भी प्रकार की रचनात्मक बातें न करके सदन को गुमराह करने की बातें करते हैं। यहां बैठकर प्रदे ा की जनता को खु ाहाली और भलाई की बात करनी चाहिए। इस प्रकार से मैं इस बजट का समर्थन करता हूं। 1997–98 का यह बजट हरियाणा प्रदे ा की जनता के लिए खु ाहाली लेकर आएगा।

श्री ओम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, फिर चर्चा में चौधरी देवीलाल का जिक्र आया है जो व्यक्ति इस हाउस का सम्मानित सदस्य नहीं है जो यहां अपना स्पश्टीकरण नहीं दे सकती उसकी चर्चा यहां करने में ये ले ामात्र भी संकोच नहीं करते। आप अपने तौर पर भी एक्सपंज नहीं करवाते।

श्री नरपेन्द्र सिंह: स्पीकर सर, मैंने अखबार का उल्लेख किया है। (विध्न)

श्री अध्यक्ष: श्री नरपेन्द्र सिंह जी ने नाम नहीं लिया। उन्होंने तो एक अखबार तो कि 9 से 14 जनवरी 1991 का है। उसको कोट किया है। (विध्न)

श्री ओम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, किसी रैफरैंस में किसी ऐसे व्यक्ति का नाम नहीं आ सकता है जो इस सदन में अपना स्पश्टीकरण नहीं दे सकता है।

श्री अध्यक्ष: जब आपके सदस्य बोलते हैं कि चौधरी देवी लाल जी ने यह किया वह किया आपको कोई आपत्ति नहीं

होती। मैं यह कहता हूं कि रूल तो सभी के लिए एक समान रूप से लागू होता है।

श्री ओम प्रका ा चौटाला: तो इसमें आपकी दिलचस्पी बढ़ती है।

श्री अध्यक्ष: मेरी दिलचस्पी की कोई बात नहीं है।

श्री धीरपाल सिंह: स्पीकर सर, ऐसी कोई परम्परा नहीं है।

श्री अध्यक्ष: परम्परा तो सभी पर लागू होती होगी। जब आपके सदस्य उनका नाम बार बार लेते हैं तब आपको आपत्ति नहीं होती।

श्री ओम प्रका ा चौटाला: वह चौधरी देवी लाल की सरकार का नाम आता है।

श्री अध्यक्ष: यह जो चौधरी देवी लाल जी का नाम लिया गया है उसे कार्यवाही से निकाल दिया जाए।

श्री अ ोक कुमार (थानेसर): स्पीकर सर, 12 मार्च, 1997 को माननीय वित्त मंत्री श्री चरण दास भाोरेवाला जी नेजो बजट हमारे सामने पे ा किया मैं उसके विरोध में खड़ा हुआ हूं। (विध्न) भाोरेवाला जी से पूरे प्रदे ा के लोगों को बड़ी आ ाा थी। खासतौर से व्यापारी वर्ग को बहुत ज्यादा आ ाा थी लेकिन जब चौधरी बंसी लाल जी की सरकार इस प्रदे ा में बनी और

उन्होंने इस प्रदे ा के व्यापारियों पर जो टैक्स लगाए थे। लाला चरण दास जी क्योंकि खुद व्यापारी हैं उन्होंने सोचा था कि वे कुछ राहत देंगे मगर इस बजट को पढ़कर उनको कोई राहत नहीं मिली। चौधरी बंसी लाल जी की सरकार बनते ही ईंट भट्टे की लाइसैंस फीस 400 से बढ़ाकर 2 हजार रुपये कर दी। इसी तरह बिल्डिंग मैटीरियल की फीस 100 से बढ़ाकर एक हजार रुपये कर दी। मिट्टी तेल के थोक विक्रेता पर फीस 20 रुपये से बढ़ाकर दा हजार रुपये कर दी, मिट्टी के तेल पर परचून विक्रेता पर फीस पांच रुपये से बढ़ाकर एक हजार रुपये कर दी गई है। स्पीकर सर, यह सारी फीसें टैक्स रूप में 11 करोड़ रुपये की हैं। यह फर्क व्यापारियों पर पड़ेगा और व्यापारियों से ही जनता पर पड़ेगा। तो इन्होंने यह जो कर लगाया है व्यापार वर्ग और इस प्रदे ा की जनता में एक घोर निरा ाा हुई है। आज प्रदे ा के अन्दर इस सरकार ने जो वायदे किये थे कि 24 घंटे बिजली मिलेगी लेकिन आज बिजली का हरियाणा प्रदे ा में बुरा हाल है। भाराबबंदी का जिक्र भी आया। स्पीकर सर, आज प्रदे ा के अन्दर भाराब बंदी जब लागू करने की बात आई तो हमारी पार्टी के नेता चौधरी ओम प्रका ा चौटाला जी ने अपने सदस्यों की तरफ से एक आ वासन दिया था और कहा था कि हम इसका समर्थन करते हैं और हम आज भी इसका समर्थन करते हैं। परन्तु स्पीकर सर, आज प्रदे ा के अन्दर भाराब का भी बिजली की तरह ही निजीकरण किया गया है। हमारे कुरूक्षेत्र जिले के एस0पी0 जिन्होंने भाराबबंदी को लागू करने के लिए सरकार को काफी

योगदान दिया और भाराब की तस्करी बिल्कुल नहीं होने दी लेकिन पिछले दिनों हरियाणा विकास पार्टी के सांसद कुरूक्षेत्र आये और अपने कार्यकर्ताओं के साथ एक मीटिंग की। उस मीटिंग में उनके कार्यकर्ताओं ने कहा की यह पुलिस कप्तान हमारी बात नहीं सुनता उस दिन के बाद कुरूक्षेत्र में भाराब धड़ाधड़ बिक रही है। किसके कहने पर बिक रही है जब से ये सांसद महोदय आये हैं तब से कुरूक्षेत्र में भाराब खूब बिकनी भाुरू हो गई है। दूसरा इन्होंने कहा कि 24 घंटे बिजली देंगे। (विध्न)

बैठक का समय बढ़ाना

कृशि मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल): स्पीकर सर, मैं आपसे अनुरोध करूंगा कि सदन का समय एक घंटे के लिए ओर बढ़ा दिया जाये।

Mr. Speaker: Is it the sence of the House that the time of the House be extended by one hour?

Voices: Yes, Sir.

Mr. Speaker: The time of the House is extended by one hour.

वर्श 1997–98 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री अ ाोक कुमार: 24 घंटे बिजली देने का काम इस सरकार ने नहीं किया है। आज प्रदे ा में चर्चा चलती है कि बिजली पानी गुल और भाराब फुल। आज इस प्रदे ा के अन्दर

यह चर्चा आम है। मेरे हल्के में चावल ज्यादा पैदा होता है। मैं माननीय मुत्री जी से अनुरोध करूंगा कि हमारे पिपली में सन् 1990 से एक 132 के0वी0का सब स्टे ान मंजूर पड़ा है कृपया उसको वहां बनवाने का काम करें। दूसरा सिंचाई के बारे में मैं कहना चाहूंगा कि जब तक दादूपुर नलवी नहर नहीं बनती तब तक हमारे क्षेत्र के लोगों तक पानी नहीं पहुंच सकता। स्पीकर सर, हमारे क्षेत्र के लोगों की जो जमीन है उसका वाटर लेवल 70 से 80 फीट नीचे चला गया है और लोगों को पानी निकालने कि लिए गहरे गड्डे खोदने पड़ते हैं। जब तक दादूपुर नलवी नहर नहीं बनती तब तक लोगों के लिए पानी की समस्या बनी हुई हे। चौधरी देवी लाल जी ने दादूपुर नलवी नहर बनाने का वायदा किया था कि इस नहर का काम भीघ्र पूरा किया जायेगा। इस बजट के अन्दर और गसर्नर एड्रैस के अन्दर इस नहर का बिल्कुल जिक्र नहीं किया गया है। मैं सरकार से अनुरोध करूंगा कि इस नहर का काम भीघ्र पूरा किया जाये। स्पीकर सर, दूसरी एस0वाई0एल0 नहर का जिक्र आता है। हमारे से होकर यह नहर जाएगी। पिछले पांच छः साल से जब भी पंजाब में फ्लड आता है तो इस नहर में फ्लड का पानी छोड़ दिया जाता है। यह नहर पहले पंजाब में बननी थी लेकिन पहले हरियाणा के अन्दर बना दी गई जिससे किसानों को काफी नुकसान हो रहा है। पिछले 5 साल से हमारे ज्योतिसर के पास का सारा एरिया डूब जाता है। जिसकी वजह से 3–4 गांव जैसे गुलाबगढ़, नरकासारी, जोगनी इत्यादि में जमींन हैं, उसमें पानी भर जाता हे और वहां पर किसानों की

फसल का नुकसान होता है। पिछले दिनों जब ये मुख्य मंत्री बने थे तो इन्होंने इस क्षेत्र का दौरा किया था तथा एक एस्केप बनाने के लिए वायदा किया था। वैसे वह एस्केप बन गया, यह तो बात ठीक है। लेकिन नहरों में से जो पानी टूटता है उसके लिए कुछ नहीं किया। कुरूक्षेत्र की तरफ से जो सरस्वती का पानी स्कैप हैड से निकलकर बीबीपुर लेक को जाता है, उस पानी को निकलवाने के लिए कोई भी प्रावधान बजट में नहीं रखा गया है। जिसकी वजह से बरसात के दिनों में किसानों के खेतों में बरबादी हो जाती है। (घंटी) अध्यक्ष महोदय, ि ाक्षा मंत्री महोदय से मैं कहना चाहता हूं कि पिछले दिनों मैंने एक प्र न किया था कि हरियाणा गवर्नमैंट कालेजिज की संख्या बताई जाए। इन्होंने जो संख्या बताई, उससे मुझे बड़ी हैरानी होती है, क्योंकि उसके अंदर कुरूक्षेत्र, कैथल, यमुनानगर इन जिलों में कोई भी गवर्नमैंट कॉलेज नहीं है। मैं सरकार से अनुरोध करूंगा कि जैस कि बजट में प्रावधान किया गया है कि दो नउ कॉलेज बनाए जाएंगे। हमारे कुरूक्षेत्र के अंदर जहां पर कोई भी गवर्नमैंट कॉलेज नहीं है, वहां पर यह कॉलेज बनाने का प्रयत्न यह सरकार करें। दूसरी बात किसानों के बारे में है। चाहे कोई भी सरकार हो, जब वह लोगों के बीच में जाती है तो किसानों में भिन्न भिन्न प्रकार के वायदे किए जाते हैं। चौ0 बंसी लाल जी ने भी किसानों को गुमराह किया है। इन्होंने कहा था कि गन्ने का रेट सबसे ज्यादा दूंगा। इसके बारे में पहले भी विस्तार से चर्चा हो चुकी है। आज जो किसान गन्ना बीजता है, उसकी हालत बहुत खराब है। सरकार ने

76, 78 व 80 रुपये गन्ने का रेट फिक्स किसा था लेकिन उनको गन्ने का भाव 52 रुपये व 62 रुपये मिल रहा है तथा इसके अंदर भी 9 रुपये, 10 रुपये प्रति क्विंटल का भाड़ा काटा जाता है जो इस प्रदे ज्ञ के किसानों के साथ अन्याय है। मैं सरकार से अनुरोध करता हूं कि जो किराया किसानों से काटा जाता है, वह न काटा जाए क्योंकि पहले ऐसी कोई भी प्रथा नहीं थी। (घंटी) तीसरे, इस सरकार ने बनने से पहले बेरोजगार युवकों को कहा था कि उनको गैस एजैंसियां, पैट्रोल पम्पस वगैरह दिए जाएंगे। लेकिन इसके विपरीत सरकार ने बनते ही एक उपहार उनको दिया है कि दो साल के लिए नौकरियों पर प्रतिबंध लगा दिया। इसके लिए मैं सरकार से एक मांग करना चाहूंगा कि जो हमारे लड़के इस दौरान ओवर–एज हो जाएंगे क्या सरकार उनको इस दो साल का बैनिफिट देगी। मैं चाहूंगा कि उन लड़कों को दो साल का बैनिफिट जरूर मिलना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, कर्मचारियों के बारे में बहुत जिक्र आया तथा बहिन जी ने भी कहा कि उनको बहुत राहत दी है। कर्मचारियों के बारे में मैं ि ाक्षा मंत्री जी से अनुरोध करूंगा कि ये पिछले दिनों कुरूक्षेत्र गए थे। स्कूल के टीचर्ज जब इनको मिले तो इन्होंने कहा था कि कुरूक्षेत्र की पावन भूमि पर मैं आपको वचन देता हूं कि आपकी पैं ान स्कीम लागू कर दी जाएगी। परन्तु भााायद ि ाक्षा मंत्री कुरूक्षेत्र का वह वचन भूल गये हैं। इसलिए मैं इनको वह वचन याद दिला देता हूं कि उन टीचर्ज की वह मांग पूरी करें। इसके अतिरिक्त कुरूक्षेत्र युनिवर्सिटी के कर्मचारियों के लिए भी पैं ान लागू की जाए। बुढ़ापा पैं ान 65

वर्श की आयु पूरी होने पर चौ0 देवी लाल जी की सरकार ने इसलिए भ्ाुरू की थी कि यह बुढ़ापा सम्मान पैं ान बन सके। पिछली सरकार ने भी तथा इस सरकार ने भी इसमें कुछ कंडी ान लगा दी। इनको खत्म किया जाए तथा हर 60 वर्श के व्यक्ति को बुढ़ापा सम्मान पैं ान दी जाए। (घंटी) अध्यक्ष महोदय, मैं केवल एक मिनट और लूंगा। चौधरी बंसी लाल जी एक बार कुरूक्षेत्र गए थे। उन्होंने वहां पर कहा था कि कुरूक्षेत्र एक धार्मिक स्थान है। यह हरियाणा में ही नहीं बल्कि पूरे दे ा के अंदर एक महत्वूपर्ण धार्मिक स्थल माना जाता है। तीर्थयात्रा के लिए हजारों लोग यहां पर आते हैं। कुरूक्षेत्र के रेलवे ओवर ब्रिज ठीक नहीं हैं। मुख्य मंत्री जी ने वहां पर घोशणा की थी कि यह पुल दोबारा बनवाया जाएगा तथा इसके साथ साथ एक नया पुल जोड़ा जाएगा। मेरी आपके माध्यम से मुख्य मंत्री जी से प्रार्थना है कि वह फलाई ओवर बनाने का काम जल्दी से जल्दी करें। धन्यवाद।

कृशि मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल): अध्यक्ष महोदय, आज सदन में बजट पर चर्चा हो रही है। सदन के सभी माननीय सदस्यों ने अपने–अपने सुझाव रखे हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से आदरणीय वित्त मंत्री जी को मुबारिकबाद देता हूं कि उन्होंने एक बहुत ही अच्छा बजट हरियाणा प्रदे ा की जनता की भालाई के लिए पे ा किया है। खास करके इस प्रदे ा के किसानों को, गरीब आदमियों को, जो सभी तरह के कर्मचारी भाई

हैं उनको और सभी उद्योगपतियों को हमारे वित्त मंत्री जी ने इस बजट में राहत दी है। उन सभी की बातों को मद्धेनजर रखते हुए हमारे वित्त मंत्री जी ने उनकी जो बातें हैं उनको बहुत अच्छे ढंग से इस बजट में प्रस्तावित किया है। अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं कि कई सालों के बाद इस प्रदे ा ने अपना खोया हुआ गौरव स्थाापित करने के लिए इस सरकार को सदन में भेजा है। हरियाणा विकास पार्टी और भारतीय जनता पार्टी के गठबंधन की चौधरी बंसी लाल जी की सरकार हरियाणा के उस खोए हुए गौरव को दोबारा स्थापित करने की पूरी कोि ा ा कर रही है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपको पिछले दिनों कि याद दिलाना चाहता हूं जब हम और आप विपक्ष में बैठा करते थे उस समय हमारी पार्टी के नेता और आज के मुख्य मंत्री चौधरी बंसी लाल जी बहुत सुन्दर ढंग से अपनी बातों को जनता की भलाई के लिए बहुत अच्छे–अच्छे सुझाव दिया करते थे। उस समय भाायद ऐसा कोई समय नहीं आया जब चौधरी बंसी लाल जी ने इस सदन की और हरियाणा की जनता को गुमराह किया हो। चौधरी बंसी लाल जी ने हमे ाा अपने दिल से इस प्रदे ा के 36 बिरादरी के लोगों की भलाई की बात कही है। चौधरी बंसी लाल जी ने प्रदे ा के लोगों की भलाई के बारे में अच्छी अच्छी बातें कह करके इस सदन में एक अच्छी रिवायत खड़ी की। हम इस बात को मानते हैं कि विपक्ष को सरकार की आलोचना करने का अधिकार है लेकिन विपक्ष को हरियाणा की जनता को गुमराह करने का कोई अधिकार नहीं है। विपक्ष को यह अधिकार भी नहीं है कि इस प्रदे ा के

हितों को एक तरफ रख करके अपनी निजी दु मनी को मद्धेनजर रखते हुए छींटाक ाी करे या एक दूसरे को नीचा दिखाने की बात करे। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से याद दिलाना चाहता हूं कि चौटाला साहब ने इस बजट के बारे में तरह तरह की टिप्पणियां की हैं और कहा है कि यह बजट नीरस है यह बजट दि ााहीन है। इन बातों के सिवाय इनके पास कोई बात नहीं। चौटाला साहब अपनी बातों को और प्रभावी ढंग से कह सकते थे लेकिन इनके दिमाग में कोई अच्छी बात हो तो ये कहें और सरकार को सुझाव दें लेकिन इनके पास अच्छी बात है ही नहीं। मैं कहता हूं कि अगर हमारी तरफ से कोई गलत बात हुई है या हमारे वित्त मंत्री जी ने हरियाणा की जनता की भलाई की कोई बात छोड़ दी है तो उसके बारे में ये हमें कहें लेकिन हम काफी दिन से देख रहे हैं कि इनके पास सिवाय बुरी बात कहने के और कुछ नहीं है और न ही इनको बुरी बात के सिवाय कोई दूसरी बात दिखाई देती है। ये अपने समय को भूल जाते हैं। अध्यक्ष महोदय, हमारी दो पार्टियों के गठबंधन को चौधरी बंसी लाल जी के नेतृत्व अपने आप में एक बहुत बड़ा गौरव महसूस कर रही है कि हमारी सरकार हरियाणा प्रदे ा का चहुंमुखी विकास करने के लिए प्रयास कर रही है। अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने इस प्रदे ा में भाराबबंदी लागू की लेकिन भाराबबंदी के बारे में चौटाला साहब ने और उनकी पार्टी के दूसरे सदस्यों ने तथा दूसरे विपक्ष के भाईयों ने आज तक यह बात नहीं कही कि इस प्रदे ा की भलाई के लिए यह एक अच्छा काम किया गया है हम

इसका समर्थन करते हैं। अध्यक्ष महोदय, हिन्दुस्तान का वह भाराब का माफिया इस बात को अच्छी तरह से जानता है कि अगर हरियाणा में भाराबबंदी सफल लागू हो ई और इसको लोग अपना लेते हैं तो यह एक अकेले हरियाणा का सवाल नहीं होगा। अध्यक्ष महोदय, यह भाराब माफिया जानता है और आप भी जानते हैं कि आज हरियाणा में भाराब बंदी लगी हुई है, कल यू0पी0 और हिमाचल प्रदे ा में होगी तो फिर तमाम दे ा के राज्यों में भाराब बंदी होगी और सारी महिलाएं भाराब बंदी की मांग करेंगी। अध्यक्ष महोदय, जो विदे ाी ताकतें इस हिन्दुस्तान को कमजोर करना चाहती हैं वह भाराब का माफिया इनके हाथों में, ओम प्रका ा चौटाला व भजन लाल के हाथों में खेल रहा है। ये झूठा सच्चा प्रचार करते रहते हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से इनसे यह अनुरोध करना चाहता हूं कि इनके बुरे कर्मो की सजा यह हरियाणा प्रदे ा की जनता पिछले कई सालों से भुगत रही है और आज भी ये रात को सोते हुए चीफ मिनिस्टर बनने का सपना लेते हैं। अध्यक्ष महोदय, यह सारा सदन जानता है और तमाम हरियाणा प्रदे ा की जनता जानती है कि जब इनके पास 87 एम0एल0ए0 थे तब इनकी हरियाणा में पूरी सरकार थी, केन्द्र में इनकी सरकार थी, तब ये मुख्यमंत्री नहीं बन सके तो अब क्या ये मुख्य मंत्री बनेंगे। हमारे पर ये कटाक्ष करते हैं। कहते हैं कि हमने उद्योगों की भलाई के लिए कुछ नहीं सोचा। अध्यक्ष महोदय, एक दफा ये कहने लगे कि भाहरों की तरक्की के लिए केवल 15 करोड़ रुपये दिये हैं। मैंने उसी समय कहा था कि श्री ओम प्रका ा

चौटाला भाहरों की भलाई करते हुए अच्छे नहीं लगते। मैं इनसे पूछना चाहता हूं कि जब ये जबर्दस्ती इस प्रदे ा के 3–4 बार मुख्यमंत्री बने तो उस वक्त इन्होंने हरियाणा प्रदे ा की भलाई के लिए क्यों नहीं सोचा। ये और इनके पिताश्री जलसों में यह बात कहते थे कि ये भाहरी लुटेरे हैं। कभी ये पंजाबी भाईयों को लुटेरे कहा करते थे तो कभी बनियों को लुटेरे कहा करते थे। बनिया बिरादरी को भी इन्होंने बदनाम किया। जिस बनिया बिरादरी से इस दे ा का सबसे बड़ा सपूत महात्मा गांधी संबंध रखते थे उनको लूटेरा कहते थे। ये कहा करते थे कि भाहरों में रहने वाले लोग हरियाणा की जनता को लूटना चाहते हैं। अपने राज में इन्हें भाहरों की चिंता नहीं रहती थी। आज हमारे राज में जहां हमने भाई चारे को कायम किया है। जहां भाहरों में बढ़ती हुई गुण्डागर्दी को कम किया है, वहां पर ये हमको बदनाम करने लगे हैं। अध्यक्ष महोदय, यह हमारे पर लांछन लगा देते हैं। इसी तरीके से अध्यक्ष महोदय, ये उद्योगों के लिए सुझाव देते हैं। यहां पर सब सदस्य बैठे हैं। आप उन दिनों को याद कीजिए जिन दिनों श्री ओम प्रका ा चौटाला का राज था। ये किस तरीके से उद्योगपतियों को डराया धमकाया करते थे। मैं हाउस की जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि गन्नौर में एक बी0एस0टी मिल है वह इस हरियाणा का गर्व हुआ करती थी। उस मिल में गन्नौर के आसपास के इलाके के हजारों बेरोजगार बच्चों को रोजगार मिलता था। श्री ओम प्रका ा चौटाला उन दिनों मुख्य मंत्री हुआ करते थे। ये उनसे उस की टर्न ओवर का 10 परसैंट

जबर्दस्ती मांगते थे जिस कारण मिल के मालिक को मिल बंद करनी पड़ी और अध्यक्ष महोदय, उसका नतीजा यह हुआ कि बी0एस0टी0 आज भी बंद है। (विध्न) अध्यक्ष महोदय, जब ये बोलते हैं तो हम बीच में नहीं बोलते।

श्री ओम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, मैंने पहले भी कहा था और अब फिर दोहराता हूं कि यह कर्ण सिंह दलाल अनर्गल बात कहने का आदी है। निरंतर अनर्गल बात करता है। बेसलेस और निराधार बात करता है। अगर ऐसी बात रिकार्ड में हो तो बताएं, मैं राजनीति छोड़ दूंगा। लेकिन यह इस किस्म की अनर्गल बात इस सदन में न कहें, बद किस्मती से यह इस जिम्मेवार पद पर बैठा हुआ है, इसको ऐसी बात नहीं कहनी चाहिए। यह इनका बात करने का कोई तरीका है, जो जी में आये अनर्गल बातें कहता जाये। बात करने की कोई सीमा होती है। यह पता नहीं क्यों अपनी औकात भूल जाता है। मंत्री बन गया तो कोई खुदा बन गया। किसी के भी खिलाफ कोई गलत बात कह कर अनर्गल बात कहता जाये। इनको इस तरह की वाहियात बातें नहीं करनी चाहिए।

श्री कर्ण सिंह दलाल: अध्यक्ष महोदय, ये कैसे बोल रहे हैं यह आप देख ही रहे हैं।

मुख्यमंत्री (श्री बंसी लाल): अध्यक्ष महोदय, यह जो बात कह रहे हैं बिल्कुल सही कह रहे हैं। रौनक सिंह से पूछ लें कि वह मिल बंद क्यों हुई थी?

श्री ओम प्रका ा चौटाला: स्पीकर साहब, जिन्हें इस बात का ज्ञान नहीं कि तुम क्या कहने जा रहे हो, एक अनर्गल बात निरंतर कहे जा रहा है। किसी के भी खिलाफ जो दिल में आए वह कहते रहें, यह क्या कोई अच्छी रिवायत है।

श्री अध्यक्ष: कृपया आप बैठें। कर्ण सिंह जी आप अपनी बात जल्दी खत्म करें।

श्री कर्ण सिंह दलाल: अध्यक्ष महोदय, बहुत दु:ख की बात है, भाायद श्री ओम प्रका ा चौटाला समझते हैं कि जैसे ये खुद असत्य कहते हैं, सदन को गुमराह करते हैं, दूसरे लोग भी इनकी तरह बात करते होंगे। लेकिन मै। अध्यक्ष महोदय, फिर अपनी बात को दोहराना चाहता हूं और मैं आपके माध्यम से दसवत देता हूं कि इस सदन के माननीय सदस्यों की एक कमेटी बना दीजिए तो यह कमेटी उस बी0एस0टी0 मिल में जाकर देखे और उसके मालिक से पूछे। गन्नौर इलाके के लोगों से मिलें। उन बेरोजगार बच्चों सेमिले जिनके भविश्य के साथ री ओम प्रका ा चौटाला के राज में यह मिल बंद हुई थी या नहीं। यही नहीं अध्यक्ष महोदय, इस हरियाणा के सदन के अन्दर इन्होंने हमारे ऊपर आरोप लगाया कि हमारे राज में कारखानों के मालिक

नोयडा और दूसरे राज्यों में पलायन कर रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, इनके मुह से यह बात भाोभा नहीं देती। हरियाणा की धरती पर जब इनका रराज था तो इन्होंने हरियाणा के उद्योगपतियों का इतना उत्पीड़न किया था कि ये उद्योगपतियों से टर्न ओवर का 10% मांगते थे। यह पैसा उनसे जबरदस्ती वूसल किया जाता था। उनको डराने धमकाने के लिए और पैसा वसूल करने के लिए अधिकारियों को उनके पास भेजा जाता था। अपने ग्रीन ब्रिगेड के गुण्डो को उन कारखानों में जबरदस्ती भर्ती करने के लिए भेजा करते थे। अध्यक्ष महोदय, ये लोग हम पर इल्जाम लगाते हैं कि हमारे राज में उद्योगों का पलायन हो रहा है। आज भारतीय जनता पार्टी और हरियाणा विकास पार्टी की सरकार चौधरी बंसी लाल जी के कु ाल नेतृत्व में काम कर रही है और इस दे ा के उद्योगपति हरियाणा की तरफ दौड़े चले आ रहे हैं। हर तरीके से हरियाणा का विकास हो रहा है। हमारे दे ा के उद्योगपति औद्योगिक विकास और नई योजनाओं के लिए हमारे पास सुझाव भिजवा रहे हैं (विध्न) अध्यक्ष महोदय, इनको तो एम0ओ0यू0 की पड़ी हुई है जब कि पिछले राज में चौधरी भजन लाल जी के भाासन काले में और इनके राज में जो भ्रश्टाचार के बीज इन लोगों ने बोये हैं, जो बदनामियां इस प्रदे ा की इनकी सरकारें कर चुकी हैं, पिछले राज्यों में अधिकारियों के माथे पर जो कलंक लग चुके हैं उनको कैसे धोया जा सकता है? चौधरी बंसी लाल जी की सरकार किसी भी प्रकार की जल्दी में नहीं है। हम कोई भी गलत काम नहीं करना चाहते हैं। प्रदे ा की जनता के साथ

हम बड़ी तसल्ली के साथ वही काम करेंगे जो प्रदे ा की जनता के लिए और उनकी भलाई के लिए हों। अध्यक्ष महोदय, इनकी पार्टी के विधायक तरह तरह की चर्चा करते हैं। यह इनका कसूर नहीं है क्योंकि वे नये हैं और इसको समझते नहीं हं कि इनके राज में हरियाणा में क्या क्या बातें हुई हैं। अध्यक्ष महोदय, क्या यह वही हरियाणा प्रदे ा और चौधरी ओम प्रका ा चौटाला नहीं हैं जिनके राज में बिहार की तर्ज पर ज्यादती हुई और बन्दूक की नोक पर बूथ कैप्चरिंग की जाती थी। अध्यक्ष महोदय, मैं इनकी इस ज्यादती का जीता जागता सबूत हूं। इनके राज में हमारे फरीदाबाद में पार्लियामैंट का बाई–इलैक ान हुआ था। इनकी पार्टी के जो नुमायन्दे थे, आज वे कांग्रेस पार्टी के नुमायन्दे बने हुए हैं। चौधरी ओम प्रका ा चौटाला अपने ईमान और धर्म से कहें कि क्या इनके ग्रीन ब्रिगेड के लोगों ने हमारे लोगों को हमारी बहन बेटियों की छातियों पर बन्दूक रख कर वोट डालने से नहीं रोका? क्या उन्होंने वहां पर बूथ कैप्चरिंग नहीं की थी? क्या ग्रीन ब्रिगेड के लोगों को वहां से उन लोगों ने भगाया नहीं था? उस वक्त भारीफ आदमी वोट डालने से डरता था। हरियाणा प्रदे ा में यह चर्चा होने लगी थी कि अगर ओम प्रका ा चौटाला का राज दोबारा कायम हो गया तो वे इसे दूसरा बिहार बना देंगे या दूसरा उत्तर प्रदे ा बना देंगे। अध्यक्ष महोदय, पिछली दफा भी मैंने यह कहा था कि इनके राज में मेहम में जो कुछ हुआ था उसने सारे हिन्दुस्तान में एक मिसाल कायम कर दी थी, सारी दुनियां के सामने अपने आप में यह एक मिसाल थी जिसके कारण

सारी दुनियां के सामने हरियाणा के लोगों के सिर भार्म से झुक गये थे। अध्यक्ष महोदय, इनका लड़का मेहम के गांव बैंसी में जबरदस्ती बूथ कैप्चर करने के लिए गया था। बैंसी गांव के लोगों ने इनके लड़के के सामने हाथ जोड़े और वे लोग उसके सामने ड़िगिड़ाये कि हमारे गांव का भाईचारा है इसे खराब न करें। भाईचारे की वजह से आपकी पार्टी के वोट आपके नुमाइन्दे को मिलेंगे और दूसरी पार्टी के वोट दूसरी पार्टी के नुमाईन्दे को मिलेंगे इसलिए आप यहां पर जबरदस्ती न करें। इनके लड़के को यह बात रास नहीं आई और उसने वहां पर जबरदस्ती गोलियां चलाई। जब उन्होंने वहां पर गोलियां चलाई तो वहां के लोगों ने उनका मुकाबला किया। इनके एक एस0पी0 हुआ करते थे उसने इनके बेटे के साथ पुलिस की टुकड़ियां खड़ी कर दीं। अध्यक्ष महोदय, इसका नतीजा यह हुआ कि जब गांव के लोग उनकी गोलियों से घायल हुए और मरे तो सारे गांव के लोगों ने मिल कर इनके लड़के को बैंसी के स्कूल में घेर लिया। वहां के एस0पी0 ने चौटाला से फोन पर बात की कि श्रीमान जी आपके लड़के को गांव के लोगों ने घेर लिया है क्योंकि उसने निहत्थे लोगों पर गोलियां चलाई। वहां पर आज ऐसा माहौल है कि उनको बचाना बहुत मु कल है। अध्यक्ष महोदय चौटाला साहब उस एस0पी0 से कहते हैं कि चाहे हजारों ला ों बिछानी पड़ जाएं, चाहे लोगों की कितनी भी तबाही हो लेकिन मेरा बेटा जिन्दा आना चाहिए (विध्न) अध्यक्ष महोदय, ये लोग सच्चाई नहीं सुनना चाहते हैं। . . . . . .

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मैंने आपसे पहले भी यह अनुरोध किया था और फिर मैं इस बात को दोहराता हूं कि इस सदन में श्री कर्ण सिंह दलाल को बोलते हुए यह भी ध्यान नहीं रहता है कि ये क्या बोल रहे हैं। इस तरीके की भाशा का ये इस्तेमाल कर रहे हैं और आप उसे सुन रहे हैं (विध्न)

श्री अध्यक्षः दलाल साहब ने बाद में जो बात कही है उसे रिकार्ड न किया जाये। दलाल साहब, आप थोड़ा मर्यादा में रह कर बोलें तो ज्यादा ठीक रहेगा।

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, इस प्रकार के भाब्दों को कार्यवाही से निकालने की बात नहीं है। (विध्न एवं भाोर) . . . . .

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, इस सदन की गरिमा और मर्यादा को कायम रखा जाना बहुत ही जरूरी है (ाोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, ये सम्मानित सदस्य हैं, इनको जनता ने चुनकर भेजा है और इनके लिए ये गुलाम भाब्दों का इस्तेमाल कर रहे हैं इनको इस बात के लिए माफी मांगनी चाहिए।

श्री अध्यक्षः आप बैठ जाएं। आप धीरपाल जी से पूछें जो इन्होंने कहा है (ाोर एवं व्यवधान) यह जो दोनों तरफ से भाब्द कहे गये हैं इनको कार्यवाही से निकाल दिया जाए।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, हमारे एक साथी यहां पर नहीं बैठे हुए हैं उन्होंने हरिजनों के उत्थान के लिए बहुत सारे विचार यहां पर दिये हैं। मैं इन सभी भाईयों को उन दिनों की याद दिलाना चाहता हूं जब हरिजनों को नौकरियां सरेआम सड़कों पर बेची जाती थी। यहां तक कि राजस्थान से लोगों को, अपने रि तेदारों को चुनाव जीतने के लिए हरियाणा में नौकरियां दी जाती थी। अब आज ये हरिजनों के कल्याण और उत्थान की बात हमें सिखाते हैं। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा में बेचारे राज्यपाल महोदय एस0सी0 जाति से सम्बन्धित थे। (विध्न) अध्यक्ष महोदय, बेचारा उन्हें इन्होंने बनाया था। हमारे लिए वे तब भी महामहिम थे और आज भी हमारे लिए और हरियाणा की जनता के लिए महामहिम हैं। किस तरीके से महामहिम का काला मुंह इनके पिताश्री ने करवाया। जिनके बारे में ये कहते हैंकि उनका नाम इज्जत से लो। अध्यक्ष महोदय, हम इनकी खरीदी हुई जायदाद नहीं हैं जैसा ये चाहेंगे वैसा हम बोलेंगे। अध्यक्ष महोदय, हमने उनको उजागर करके ही हरियाणा की सत्ता को सम्भाला है। हमने इनकी मेहरबानी से सत्ता नहीं सम्भाली है। ये एमझते हैं कि हरियाणा के अन्दर भजपा और हविपा पार्टी इनकी महरबानी से राज कर रही है। कहीं पर ये कर्मचारियों में जाते हैं कि मैं पहले दिन ही सरकार तोड़ दूंगा और कहीं भूगर मिल में जाते हैं कि आप एक हफ्ता हड़ताल कर दें, तो मैं यह सरकार तोड़ दूंगा और तुम्हारी तनख्वाहें दोगुनी कर दूंगा। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा इनसे यह कहना चाहूंगा कि ये अपने दिमाग से यह बहम निकाल

दें। हम पांच साल तक इनकी छाती पर बैठ कर राज करेंगे और आने वाल 15–20 साल इसी तरह इनकी सेवा करेंगे। अध्यक्ष महोदय, वृद्ध अवस्था पैं ान के बारे में इनके विधायक बहुत कहते हैं कि चौधरी देवी लाल के राज में मिली थी। आज हमारी सरकार बिजली का सुधारीकरण करने जा रही है और हरियाणा प्रदे ा की जनता ने इसका स्वागत किया है। ये लोगों को गुमराह कर रहे हैं कि हम बिजली का निजीकरण करने जा रहे हैं तो इससे हरियाणा के लोगों का नुकसान होगा। इन्हें अपने दिन याद नहीं है। अध्यक्ष महोदय, हम इनका सम्मान करेंगे अगर ये सच्ची बात करेंगे। आज इन्होंने वृद्ध अवस्था पैं ान देने की बात हरियाणा के लोगों के सामने रखी है। अध्यक्ष महोदय, मैं सदन से यह बताना चाहूंगा कि जब हरियाणा के अन्दर टयूब्वैल्ज पर बिजली की दरें सबसे पहले बढ़ाई गई थी तो वे चौधरी देवी लाल के राज में ही बढ़ाई गई थीं। जिन लोगों को पैं ान मिली उस बारे में लोग यह कहते हैं कि चौधरी देवी लाल ने लोगों को क्या दिया, उन्होंने एक ट्यूब्वैल के ऊपर एक हरियाणा का बूढ़ा चेप दिया। आज ये हमारे अन्दर कसूर निकालते हैं।

इसी तरह से अध्यक्ष महोदय, इन्होंने बजट के बारे में और भी तरह तरह की बाते कहीं हैं। अध्यक्ष महोदय, इन्होंने मुझे बीच में टोक दिया था और मैं अपनी बात भूल गया था। मैं यह कहना चाहता था कि बैंसी गांव में जब एस0पी0 ने इनको फोन किया था तो इन्होंने एस0पी0 को यह कहा था कि वहां पर अगर

हजारों लोगों की जान भी लेनी पड़े तो पीछे नहीं हटना, मुझे मेरा बेटा चाहिए। (विध्न) अगर मैं उस वक्त पास बैठा होता तो वहां पर नजारा कुछ और ही होता। हम ऐसे लोग नहीं हैं, हमारे खून में भी वही जो ा है जो आप दूसरों से उम्मीद करते हैं। हम ऐसे नहीं हैं कि हमारी आंखों के सामने निर्दोश लोगों पर गोलियां चलती रहे और हम आंख बन्द करके तमा ाा देखते रहें। हमने आपकी गुण्डागर्दी का मुकाबला 1979 में किया था जब आपने चौधरी बंसी लाल जी को हराने के लिए अपने गुण्डे भेजे थे। मैं वहीं कर्ण सिंह दलाल हूं जिसने हांसी के अन्दर आपके गुण्डों का इलाज किया था। (विध्न) जो बात मैं इनको सुनाना चाहता हूं उसको ये सुनना ही नहीं चाहते हैं। उस बैंसी गांव में उस एस0पी0 ने इनके लड़के को बचाने के लिए क्या क्या तरीके अपनाए, वह मैं आपको बताना चाहता हूं। जब उसको और कोई तरीका नजर नहीं आया तो उसने एक तरीका अपनाया क्योंकि उसे अच्छी तरह से पता था कि अगर इनका बेटा अपने कपड़ों में वहां गया तो उस गांव के लोग उसको पहचान लेंगे इसलिए उस एस0पी0 ने एक ऐसे सिपाही की वर्दी इनके बेटे को पहना दी जो अपने माता पिता का इकलौता बेटा था। इनका तो बेटा पुलिस वालों की वर्दी पहनकर वहां से भीड़ से निकल गया लेकिन जब वह सिपाही जो इनके बेटे की ड्रैस में था, उस गांव में गया तो उसको गांव के लोगों के आक्रो ा का सामना करना पड़ा। इसके बाद जो वहां हरियाणा की जनता के सामने हुआ, वह किसी से छिपा हुआ नहीं है। अध्यक्ष महोदय, इस दुनिया में वि वास से

बड़ी कोई चीज नहीं हो सकती। आज इस दुनिया के अंदर विचारों के बन्धन में बंधकर अपने मां बाप को, अपने परिवारों को छोड़कर लोग नेताओं की भारण में जाते हैं तो इसलिए कि वे हमरा संरक्षण करेंगे, वे हमारा सुधार करेंगे और वे हमारे भविश्य की देखभाल करेंगे। अध्यक्ष महोदय, वह अमीर सिंह बेचारा चौटाला साहब को अपना बाप और भाई मानता था लेकिन इन्होंने अपना चुनाव बचाने के लिए, अपनी झूठी प्रतिश्ठा के लिए उसकी हत्या किस तरीके से महम में करवायी, यह हरियाणा प्रदे ा की जनता से छिपी हुई बात नहीं है। जबकि आज हमें ये रास्ते बताते हैं कि हरियाणा का राज किस तरीके से हम चलाएं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपको बताना चाहूंगा कि जन चेतना मंच के नाम से एक इ तहार छपा है। एक तरफ तो ये कहते हैं कि हमी पार्टी गरीबों की पार्टी है लेकिन मैं आपको अखबारों की कतरनों के आधार पर बताना चाहता हूं। ये तो कहते हैं कि चौधरी देवी लाल का नाम यहां पर न लिया जाए लेकिन मैं कहता हूं क्यों न लिया जाए। अगर इस हरियाणा प्रदे ा का कोई भी आदमी चाहे वह उप प्रधानमंत्री रह चुका हो, चाहे वह मुख्यमंत्री रह चुका हो, मंत्री रह चुका हो, विधायक रह चुका हो या फिर वह अब विधायक हो लेकिन अगर उसने कोई गलती की है या अगर उसने कोई गलत बात कही है तथा यदि उसने इस हरियाणा के मान सम्मान को ठेस पहुंचाई है तो हमें यहां पर भी उसके बारे में कहने का अधिकार है। अध्यक्ष महोदय, अभी पिछले दिनों जब बढ़ौत में अजीत सिंह का इलैक ान हुआ था तो इनके पिता ने वहां पर जो

ब्यान दिया, उसके बारे में आपको मैं बताना चाहूंगा। इस बारे में अखबार में एक हैडिंग दिया हुआ है इसका भीर्शक है 'मोर्चा दे ा के विघटन पर आमादा' चौधरी देवीलाल। अध्यक्ष महोदय, उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि विघटन के कगार पर खड़े राश्ट्र की एकता एवं अखंडता तभी संभव है जब इस दे ा में जाट राज हो। अध्यक्ष महोदय, ये फिर क्या इस हरियाणा प्रदे ा का भला करेंगे? इनके काले कारनामें हरियाणा की जनता से छिपे हुए नहीं हैं। अध्यक्ष महोदय, इन्होंने पिछले राज में 'अजगर' का नारा दिया था कि अगर दे ा को बचाना है तो हमें अजगर की भारण में जाना पड़ेगा। सर अजगर का मतलब था – अ से अहीर, ज से जाट, ग से गुजर और र से राजपूत। इसके अलावा बाकी सारी बिरादरी ये इस प्रदे ा के अंदर मानते ही नहीं है। इन्होंने यह भी कहा कि उत्तर प्रदे ा में जहां पर सप्त ऋशि नामक महापुरूश हुए हैं उसने नेहरू, इंदिरा, लाल बहादुर भाास्त्री, चरण सिंह, बी0पी0 सिंह, चन्द्र ोखर और राजीव गांधी जैसे नेता पैदा किए हैं लेकिन फिर भी वह प्रदे ा अभी तक पिछ़ा हुआ है। आगे इन्होंने यह भी कहा कि यदि जाट एकजुट हो जाते हैं तो उनके समक्ष कोई भी भाक्ति ठहर नहीं सकती। अध्यक्ष महोदय, ये आज जातिवाद का नारा देकर इस प्रदे ा की भोली भाली जनता की भावनाओं को भड़काना चाहते हैं, इस प्रदे ा में रहने वाले गरीब लोगों के मान सम्मान को अपने पैरां के नीचे कुचलना चाहते हैं, लेकिन हरियाणा जी जनता इनको कभी भी बर्दा त नहीं करेगी। ये स्वप्न लेना छोड़ दें। इनके कभी तो 22 विधायक, कभी 11 विधायक या कभी

चार विधायक से ज्यादा नहीं हो सकते। इससे ज्यादा विधायक देने का हरियाणा के लोग इनको मौका नहीं देंगे। अध्यक्ष महोदय, आज की सरकार को बदनाम करने के लिए अब ये बी0जे0पी0 एक राश्ट्रीय पार्टी है वह दे ा की एकता और अखंडता के लिए दिन और रात एक किये हुए हैं। दे ा की एकता और अखंडता के लिए बी0जे0पी0 के कार्यकर्ता अपने आपको समर्पित होकर रखते हैं लेकिन अध्यक्ष महोदय, ये अब बी0जे0पी0 के बारे में भी कहते हैं। जबकि चुनावों से पूर्व इनका बी0जे0पी0 से गठबन्धन नहीं हुआ था तो इन्होंने कहा था कि भारतीय जनता पार्टी एक सम्प्रदायिक पार्टी है जो कि हिन्दु कोर्ड खेलकर साम्प्रदायिकता को भड़काना चाहती है। इन्होंने बी0जे0पी0 के नेताओं पर आरोप लगाया था कि इस पार्टी के नेता साम्प्रदायिकता को बढ़ावा देते हैं तथा इनका प्रदे ा में कोई जनाधार नहीं है। अध्यक्ष महोदय, उस समय तो यह बी0जे0पी0 के बारे में ऐसी ऐसी बातें कहा करते थे और अब ये कुछ और ही कहते हैं। ये अच्छी तरह से जानते है। कि अगर चौधरी बंसीलाल जी का राज थोड़े दिनों तक रहा या उनके नेतृत्व में अगर विकास के काम इसी तरह से चलते रहे अगर गुंडागर्दी इस हरियाणा प्रदे ा से खत्म होती रही और भाई चारा इसी तरह से कायम होता रहा तो अगले 20 साल तक चौधरी बंसी लाल इस प्रदे ा पर राज्य करेंगे। आज केवल चौधरी बंसी लाल जी को नीचा दिखाने के लिए चौटाला साहब कहते हैं कि ''मैं भारतीय जनता पार्टी से हाथ मिलाने को तैयार हूं'' अध्यक्ष महोदय, इनका क्या सिद्धान्त है? अध्यक्ष महोदय, हमारे नेता

चौधरी बंसी लाल जी पर हमें गर्व है हालांकि चुनाव में इनके साथ भी गड़बड़ हुई थी। आपको याद होगा कि उस समय चौधरी देवी लाल जी की पार्टी का राज कायम होने लग रहा था। चौधरी बंसी लाल जी भी तो ाम से इलैक ान लड़ रहे थे इनके मुकाबले में जो सजपा की पार्टी का कैंडीडेट था उसने देखा की जीत हमारी पार्टी की होने जा रही है। उस समय वोटों की गितनी चल रही थी तो सजपा के कैंडीडेट ने सोचा कि चौधरी देवी लाल का राज बनने लग रहा है तो उस गिनती के दौरान इनकी पार्टी के लोगों ने पर जबरदस्ती कब्जा करना भुरू कर दिया। इन्होंने जबरदस्ती हरियाणा का फैसला कर लिया। उस समय डी0जी0पी0 श्री जुत ी हुआ करते थे उन्होंने चौधरी बंसी लाल जी को फोन पर कहा कि चौधरी साहब आपको जबरदस्ती हराया जा रहा है अगर आपका आदे ा हो तो मैं अपनी पुलिस की बटालियन को लेकर वहां जाता हूं। अध्यक्ष महोदय, ये दे ा के राजपूत हैं ये चाहते तो कह देते कि मार दो हजारों लोगों को, मैं वहां से जीतकर निकल जाना चाहता हूं। लेकिन इन्होंने कहा कि आप वहां नहीं जाएं अगर आप वहां पुलिस लेकर जाएंगे तो वहां जो लोगों की भावनाएं भड़की हुई हैं वे और भड़क जाएंगी। मुझे अकेले को आपने वहां से जितवा भी दिया तो इसका मुझे कोई फायदा नहीं होगा। मेरी जीत के लिए पुलिस की गोलियां लोगों को उड़ाए यह मैं नही सह सकता। अध्यक्ष महोदय, विचार धारा यह होती है। विधारधारा यह नहीं होती कि अपने बेटे को बचाने के लिए हजारों आदमियों को मौत के घाट उतारना पड़े तो कोई बात नहीं लेकिन

मेरे बच्चे को जिन्दा लेकर आओ। अध्यक्ष महोदय, मैं इनसे फिर अनुरोध करता हूं कि ये हमारे विधायकों पर, हमारे अधिकारियों पर आंख निकालना बंद कर दें। ये आंख निकालेंगे तो हमारे विधायक इनसे डरने वाले नहीं है, ये आंख निकालेंगे तो इनसे हमारे विधायक डरने वाले नहीं हैं। अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी के नेतृत्व में हरियाणा विकास पार्टी और भारतीय जनता पार्टी गठबंधन दिन–दूनी रात चौगुनी तरक्की कर रहा है। सदन के माध्यम से मैं एक बार फिर माननीय वित्त मंत्री को मुबारिकबाद देता हूं कि इन्होंने जनता की भलाई को देखते हुए जो बजट प्रस्ततु किया है वह पारित किया जाए। धन्यवाद।

ि ाक्षा मंत्री (श्री राम बिलास भार्मा): अध्यक्ष महोदय, बजट पर बहस का हम जवाब दे रहे हैं और आपने परम्परा को ठीक से निभाते हुए बजट पर सबसे पहले इस सदन के विपक्ष के नेता चौधरी ओम प्रका ा चौटाला को बुलाया और उनके बाद बजट पर चौधरी वीरेन्द्र सिंह बोले, धर्मबीर गाबा बोले, रामपाल माजरा बोले, मेहम से बलबीर सिंह बोले, जय सिंह राणा बोले, बेरी वाले वीरेन्द्र पाल बोले। रणदीप सिंह सुर्जेवाला ने अपनी बात कही। रमे ा खटक, सतपाल सांगवान और राजी लाल जी ने अपने विचार रखे। श्री आनंद भार्मा ने अपनी बात कही, हर्श कुमार जी बोले, मनीराम डबवाली वाले बोले। श्री सतनारायण लाठर, श्री चंद्र भाटिया बोले। किलोई से हमारे माननीय साथी श्री कृश्ण हुड्डा जी बोले। राजकुमार सैनी ने अपनी बात कही। इन्द्री से

भीम सैन मेहता बोले। बाढ़ड़ा से नृपेन्द्र सिंह जी बोले। कुरूक्षेत्र से श्री अ ाोक कुमार जी बोले। चौधरी साहब ने फरमाया कि चौधरी बंसी लाल ने अपनी कुर्सी बचाने के लिए हरियाणा में अब तक का सबसे बड़ा भारी भरकम मुत्री मंडल बना दिया। मैं इनको बताना चाहूंगा कि हमारे माननीय मुख्य मंत्री समेत श्री मंडल की कुल संख्या 27 ह। इससे पहले की जो सरकार थी उसमें 37 का मंत्री मंडल था और इनके अलावा चेयरमैन वगैरा की संख्या अलग थी। हम इनकी इस बात को भी मानते हैं क्योंकि आप जानते हैं कि जब मिलीजुली सरकार होती है तो अक्सर ऐसा होता है। परन्तु इस सरकार ने बड़ा भारी खर्चा बचाया है हमारे साथियों को यह बहम था वे इस बारे में प्रचार कर रहे थे। जब नगरपालिका के कर्मचारियों ने भाहर की नालियों और सड़कों की कुछ दिन सफाई नहीं करी थी तो हमारे माननीय सदस्य उनको भड़काते थे कि तुम 10 दिन तक डटे रहो तब तक इस सरकार को हम तोड़ देंगे। इसी तरह रोहतक की भूगर मिल को इन्होंने बन्द करवाया और किसानों को कहा कि दस दिन तक तुम गन्ना इधर उधर कर दो भूगर मिल में तम जाने दो तब तक यह सरकार टूट जायेगी। परन्तु स्पीकर सर, समय किसी को नहीं बख्भाता। चौधरी बंसीलाल जी के नेतृत्व वाली हमारी हविपा–भाजपा गठबन्धन सरकार के बारे में इन्होंने बड़ा बबेला खड़ किया था। आज नौ महीने इस सरकार को बने हुए हो गए हैं। आप जानते हैं कि आज हर आदमी की अपनी प्राथमिकतायें होती हैं, अपनी पंसद होती है। चौधरी ओम प्रका ा जी हरियाणा के तीन बार मुख्यमंत्री रहे एक बार पांच

महीने, एक बार पांच दिन और एक बार 13 दिन। स्पीकर सर, पंडित भगवत दयाल जी थोड़ी देर तक हरियाणा के मुख्यमंत्री रहे और चौधरी भजन लाल जी 12 वर्शों तक हरियाणा के मुख्यमंत्री रहे। चौधरी बंसी लाल जी पहले हरियाणा के मुख्य मंत्री रहे थे तब से लेकर इस सरकार के आने से पहले तक बहुत से लोग आये और चले गये लेकिन चौधरी बंसी लाल जी के समय में जो बिजली की तारें बिछाई गई थीं और यह बात हम डंके की चोट कह सकते हैं कि चौधरी बंसीलाल ने आज से 20 साल पहले जिन खम्बों और तारों को जोड़ा था उसके बाद इस बारे में कोई काम नहीं हुआ। 1975 में पानीपत में एक जनरे ान प्लांट की नींव रखी गई और वह 1982 में संपूर्ण हो पाया। इस बीच में बिजली की खपत बहुत बढ़ गई है और आज ये साथी कहते हैं कि खाना खाते समय बिजली नहीं है, अस्पतालों में बिजली नहीं है। आज बिजली हरियाणा के लोगों का जीवन बन गई है और पिछले समय में किस तरह बिजली मांगते हुए किसानों पर गाली चलाई गई थी पांच आदमी बाढ़डा में, चार आदमी निसिंग में, तीन आदमी नारनौंद में और चार आदमी नारनौल में बिजली मांगते हुए गोली का ि ाकार हुए थे। आज किस तरह से पिछले दिनों की कमी को कैसे पूरा किया जा सकता है। इस बारे में हमारी सरकार विचार कर रही है। चौधरी बंसीलाल के नेतृत्व की हविपा–भजपा गठबन्धन की सरकार ने 11 मई को सत्ता संभाली है उस समय बिजली बोर्ड का घाटा 1675 करोड़ रुपये था और 875 करोड़ रुपया कोयले का और रेल भाड़ा, एन0टी0पी0सी0 और

एन0एच0पी0सी0 को देना था अगर इसको भी इसमें जोड़ा जाये तो कुल 2400 करोड़ रुपये का घाटा बनता है। चौटाला साहब कहते हैं कि उनके समय में 8 करोड़ का घाटा था वह कागजों में ही होगा जब मुख्यमंत्री जी ने पिछला रिकार्ड चैक करवा कर पता करवाया तो पता चला कि चौटाला साहब के समय बिजली बोर्ड का घाटा 91 करोड़ रुपये का था।

स्पीकर सर, जब हम ने बिजली बोर्ड को संभाला था 245 करोड़ रुपये की बिजली बोर्ड की देनदारियां थीं और एक्यूमुलेटिड लौसिज थे। उस समय लोग यह कल्पना कर रहे थे कि बिजली बोर्ड का स्विच ऑफ हो जायेगा। भाराबबंदी के मामले में हमारे ऊपर तस्करों का दबाव था। एक माफिया पूरे अंडर वर्ल्ड में पनपा हुआ था। अध्यक्ष महोदय, यह वेदों की धरती है, ऋशि–मुनियों की भूमि है तथा गीता के संदे ा वाली भूमि है। लोग अचम्भा करते थे कि यहां भाराब कैसे बंद हो सकती है। इसको बंद करने से 600 करोड़ रुपये का घाटा प्रति वर्श यह सरकार उठा रही है। जिस दिन से इस सरकार ने कार्यभार संभाला है? उसी दिन से कुल मिलाकर के 3000 करोड़ रुपये का घाटा है। हमारे सत्ता पक्ष के साथी ने ठीक ही कहा कि हरियाणा में एक हलचल थी तथा कुछ भाई यह प्रचार कर रहे थे कि यह सरकार कर्मचारियों को वेतन नहीं दे सकेगी। यह सरकार बहुत घाटा खा रही है। लेकिन मैं चौधरी बंसी लाल जी को बधाई देना चाहता हूं कि उन्होंने जो भाराबबंदी का वायदा किया था, वह वैसे

का वैसा ही अपनी दृढ़ प्रतिज्ञा से लागू कर दिया है। (थंपिंग) आज चाहकर भी हमारे विपक्ष के माननीय नेता कुछ नहीं कह सकते। चौधरी भजन लाल जी तो सदन से चले गये। उन्होंने कहा था कि भाराबबंदी के कारण आपस में झगड़े में भिवानी जिले में 10–12 आदमी मारे गये। इस बारे में श्री सतपाल सांगवान ने कुछ कहकर गुनाह कर लिया। लेकिन अध्यक्ष महोदय, 5 तारीख से यह सदन चल रहा है और उन्होंने भाायद 6 तारीख को यह बात कही थी लेकिन आज तक उन्होंने उनके नामों की लिस्ट सदन में प्रस्तुत नहीं की है। वे कभी कहते हैं कि दिल्ली वाले कुर्ते की जेब में वह लिस्ट भूल से छोड़ आये। कभी कोई बहाना कर दिया तो कभी कोई बहाना कर दिया। (हंसी) अध्यक्ष महोदय, हम इनका बहुत आदर करते हैं क्योंकि वे बहुत ही वरिश्ठ सदस्य हैं तथा कई वर्शों तक इन्होंने मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठकर हरियाणा के लोगों की सेवा की है। हमारी श्री ओम प्रका ा चौटाला के प्रति कोई दुर्भावना नहीं है, हमारी चौधरी भजन लाल जी के प्रति भी कोई दुर्भावना नहीं है। लेकिन अगर ये इस प्रकार की बात करके सनसनीखेज अफवाहें फैलाएं तो अच्छी बात नहीं है। अध्यक्ष महोदय, आज यह सरकार 3000 हजार करोड़ रुपये का घाटा उठाकर चल रही है। चौधरी भजन लाल जी बात कर रहे थे कि बहु–बेटियों की इज्जत महफूज नहीं है। मैं कहना चाहता हूं कि आप भी उस समय इस सदन में थे, जब रेणुका स्कूल से पढ़कर आ रही थी तो जालिमों ने उसके साथ मुहं काला किया, फिर उसकी ला ा के टुकड़े टुकड़े करके नहर में डाल दिये थे।

लेकिन आज तक कोई पकड़ा नहीं गया। सु ीला एक सभ्य घर की बेटी थी, उस अध्यापिका थी। उसने एक आफिसर के बेटे को नकल करने से मना कर दिया। उसका आज तक पता नहीं चला है। द्रौपदी खुराना नाम की एक लड़की को झांसा दिया गया कि नौकरी दिलाऊंगा। वह आज तक अपने घर वापिस नहीं लौटी है। भूतमाजरा की कुसम और बिमला नाम की दो लड़कियों का आज तक पता नहीं चल सका। उनका पिता कि ान लाल आज भी पागलों की तरह से उनकी चप्पलें उठाकर घूम रहा है। जिनके मुख्य मंत्रित्व काल में बहनों की लाज नहीं बचती थी, वे आज कहते हैं कि बहू–बेटियों की इज्जत सुरक्षित नहीं है। मैं माननीय सदस्यों को कहना चाहता हूं कि इस तरह की घटना इस सरकार के समय में नहीं हुई है। आज ये कानून और व्यवस्था की बात करते हैं जो कि ठीक नहीं है। मैं कहना चाहता हूं कि कानून और व्यवस्था की स्थिति आज हरियाणा में पहले से बेहतर है। पुलिस पहले भी वही थी और आज भी वही है, लेकिन सवाल इस बात का है कि नेतृत्व करने वाला कौन है? आज हरियाणा में अपरोधों में कमी आई है। जिस कारण से हरियाणा का नाम बदनाम होता था, आज ऐसी कोई भी घटना हरियाणा में नही घट रही है। आज द्रौपदी का चीरहरण नहीं होता है। यह वह भूमि है जिसको भगवान् श्री कृश्ण ने पाप व पुन्य के फैसले के लिए चुना था। 'यत्र पूज्यते नारीत्वः, तत्र रमन्ते देवताः, इस मंत्र को हरियाणा का हर नागरिक जपता है। आज नारी का सम्मान होता है। महाभारत की लड़ाई में हरियाणा के बुजुर्गों ने पुन्य के साथ खड़े होने का

आहवान् किया है। परंतु स्पीकर साहब, विपक्ष के मायने केवल आलोचना ही नहीं होता, कई बार विपक्ष में रह करके भी किसी अच्छी बात की प्र ांसा करनी चाहिए। स्पीकर साहब, भाुरू में चौटाला साहब ने भाराबबंदी के बारे में कहा था कि यह अच्छा काम है इसका हम समर्थन करते हैं। इनकी तरफ से इस तरह का कोई थोथा फायर कर देना की एच0वी0पी0 का कोई कार्यकर्ता भाराब बिकवा रहा है या बी0जे0पी0 का कोई कार्यकर्ता भाराब बिकवा रहे हैं और हमारे किसी विधायक का नाम ले देने से कोई बात नहीं बनती। भाराब बंदी का एक बहुत बड़ा संकल्प है। स्पीकर साहब महात्मा गांधी ने एक बार कहा था कि यदि मुझे हिन्दुस्तान का प्राईम मिनिस्टर बना दें तो हिन्दुस्तान में मैं सबसे पहले न ाबन्दी और भाराबबंदी लागू करूंगा लेकिन महात्मा गांधी जी 30 जनवरी 1948 को इस हिन्दुस्तान से विदा हो गए उसके बाद यदि कोई सूरमा आया या कोई प्र ाासक आया जिसने गांधी बाबा का वह सपना साकार किया वह तो चौधरी बंसी लाल जी हैं। वह चौधरी बंसी लाल जी की सरकार है। (थम्पिंग) आज स्पीकर साहब, कहने में और करके दिखाने में बहुत बड़ा अंतर है। इस बजट के बारे में यह कह दिया कि अगरबत्ती और धूप बत्ती से टैक्स खत्म कर दिया। हां स्पीकर साहब, हम हरियाणा में गौरव ाली हरियाणा का निर्माण करना चाहते हैं। हम हरियाणा की नैतिकता जगाना चाहते हैं। हम हरियाणा को इसके पुराने वैभव के स्थान पर पहुंचाना चाहते हैं। हमने भाराबबंदी लागू की है। हम इन महानुभावों से प्रार्थना करना चाहते हैं कि आप कोई

धर्म कर्म कर लो, अपने लोक प्रलोक को सुधार लो। स्पीकर साहब, हरियाणा में जो लोग भाराब पीते थे उनको किसी काम में तो लगाना था। मुरारी बापू की रोहतक में कथा और आ ाराम बापू की करनाल में कथा करवाई। स्पीकर साहब, हमने अगरबत्ती और धूपबत्ती से जानबूझ कर टैक्स हटाया है ताकि मेरे विरोधी पक्ष के भाईयों को सद्बुद्धि आ जाए हमने हरियाणा की धार्मिक भावनाओं का अगरबत्ती और धूपबत्ती से टैक्स हटा करके आदर किया है। हरियाणा के लोग अपने ईश्ट के सामने अपनी श्रद्धा से अगरबत्ती और धूपबत्ती का प्रयोग करते हैं अपने पर्यावरण को भाुद्ध रखने के लिए उसका प्रयोग करते हैं और भाराब की बदबू से हरियाणा को बचाया जा सके उसके लिए उसका प्रयोग करते हैं। इन्हीं बातों को ध्यान में रख कर हमने अगरबत्ती और धूपबत्ती से टैक्स हटाया है। स्पीकर साहब, ओम प्रका ा चौटाला ने कहा कि अगरबत्ती और धूपबत्ती से टैक्स इसलिए खत्म कर दिया चूंकि बी0जे0पी0 के लोग मंदिर मस्जिद की राजनीति करना चाहते हैं। स्पपीकर साहब यह दे ा तो मंदिरों को दे ा है। यहां तो जब बारि ा होती है तो उस समय जब इस दे ा का अनपढ़ किसान अपने खेत में हलसोतिया करता है तो उसकी घरवाली खेत में उसकी रोटी ले कर जाती है और उसके लिए मिठाई ले कर जाती है उस हाली को मौली बांधती है वह बाजरे का पिंडा ले कर जाती है तब भी गणे ा जी की पूजा होती है। स्पीकर साहब, हिन्दुस्तान कोई हजार दो हजार साल पुराना दे ा नहीं है यह कोई लाख दो लाख साल पुराना दे ा नहीं है। इस दे ा का तो

सृश्टि के प्रारम्भ से ही प्रादुर्भाव हुआ है। यह सृश्टि के साथ जन्म लेता है और सृश्टि के साथ ही विलय होता है। यह अनुश्ठान का दे ा है। यह संकल्प का दे ा है। यह श्रद्धा और वि वास का दे ा है। इस दे ा में जब कोई आदमी अनुश्ठान करता है जब कोई आदमी भ्ाुभ संकल्प करता है, जब कोई आदमी अपना कोई नया इरादा बनाता है तो वह उसका मंदिर में धूपबत्ती लगा कर संकल्प करता है। स्पीकर साहब, चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी ने कह दिया कि यह जो बजट पे ा किया गया है यह कोई बजट नहीं लगता यह तो ऐसे लगता है जैसे दिवाली का पूजन किया गया है। उनकी यह बात ठीक है। स्पीकर साहब, हमारे यहां जो पुराने बही खातों का परिवर्तन होता था और नए बही खातों की जो भ्ाुरूआत होती थी वह दिवाली हो ही होती थी। आज भी हमारे प्रदे ा में पुराने बही खातों को दिवाली के दिन ही नए बही खातों में बदला जाता है। चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी ने ठीक बात कही और उन्होंने ठीक टिप्पणी की। हम दिवाली को भ्ाुभ त्यौहार मानते हैं, हम दिवाली को लक्ष्मी का त्यौहार मानते हैं इसलिए हमने इस बजट का संकल्प इस महीने सदन में प्रस्तुत किया है। हम इसको दिवाली के त्यौहार जैसा ही मानते हैं। चौटाला साहब ने एक बात किसानों के ट्रैक्टर्ज के कर्जे लेने के बारे में कही। उन्होंने कहा कि किसान ट्रैक्टर के लिए मार्किटिंग बोर्ड से कर्जा लेंगे, हैफ्ड से कर्जा लेंगे और जो मुनाफे के अदायरे हैं उनसे कर्जा लेंगे लेकिन वे केन्द्रीय सरकार की सलाह के बिना कर्जा नहीं ले सकेंगे। स्पीकर साहब, मुझे पता नहीं चौटाला साहब को

इस तरह की स्पीच कौन तैयार करके देता है। स्पीकर साहब, चौटाला साहब कह रहे थे कि पिछले 9 महीने के दौरान कोई एम0ओ0यू0 सिगनेचर नहीं हुआ एक तरफ तो ये कह रहे हैं कि बिजली बोर्ड को बेच दिया है अन्दरखाने इनकी बात हो गई। चौटाला साहब एक तरफ तो कह रहे हैं कि कोई एम0ओ0यू0 सिगनेचर नहीं हुआ और दूसरी तरफ में फर्मा रहे हैं कि इस सरकार ने बिजली का निजीकरण कर दिया, बिजली बोर्ड के कर्मचारियों की छंटली करने का मन बना लिया है, और किसानों की सबसीडाइज्ड बिजली को हम महंगा कर देंगे। स्पीकर साहब, या तो हम भाब्दों का अर्थ नहीं जानते या फिर चौटाला साहब को हम अक्षर से अक्षर से पढ़ाना चाहते हैं या फिर हम को वह बात बताना नहीं चाहते जिसको यक कहना चाहते हैं। यह बात ळीक है कि चौधरी बंसी लाल के नेतृत्व वाली एच0वी0पी0 व बी0जे0पी0 की गठबन्धन की सरकार ने आज तक कोई एम0ओ0यू0 साईन नहीं किया और न ही हम आगे कोई एम0ओ0यू0 साईन करने का इरादा रखते हैं। यह गुपचुप बात हुआ करती है। हम तो डंके की चोट पर इस सदन के सामने सब कुछ रखेंगे। ग्लोबल टैण्डर्ज इन्वाईट करेंगे। जो सबसे ठीक लगेगा जो सबसे कम्पीटेंट लगेगा और जो क्वालिटी जनरेट करके दिखायेगा उसको इस पूरे सदन की सहमति से हम इन्वाइट करेंगे। हमने कोई एम0ओ0यू0 साईन नहीं किया और न करने का इरादा है। (विध्न)

श्री ओम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, इनके 9 महीने के भाासनकाल की अवधि में कोई एम0ओ0यू0 साईन नहीं हुआ। (विध्न) क्या आप एम0ओ0यू0 का मतलब जानते हो।

श्री राम बिलास भार्मा: स्पीकर साहब, हम एम0ओ0यू0 का मतलब अच्छी तरह जानते हैं। एम0ओ0यू0 का मतलब है मैमोरेंडम आफ अन्डर स्टेडिंग। It is always between the two parties.

श्री ओम प्रका ा चौटाला: कोई नया कारखाना इन 10 महीने के अर्से में लगाया हो तो बताओ। आप यह कहते हैं कि एम0ओ0यू0 साईन नहीं करेंगे तो यह जाहिर है कि कोई नया काम हो ही नहीं रहा। जब कोई नया कारखाना लगेगा तो उसके लिए बिजली चाहिए, पानी चाहिए और पैसा चाहिए। आपने कुछ किया हो तो बताएं।

श्री राम बिलास भार्मा: स्पीकर साहब, हर सरकार की अपनी प्राथमिकताएं हुआ करती हैं। सरकार के मुखिया की अपनी प्राथमिकताएं हुआ करती है। स्पीकर साहब, आदरणीय ओ0पी0 चौटाला का यह भाशण है। 1990 में संयोग से मैं भी इस महान का सदस्य था। स्पीकर साहब, 19 मार्च 1990 को मैंने डिजनीलैंड के ऊपर एक प्र न इस सदन में रखा। यह सवाल नं0 उस समय की सूची अनुसार 1100 था। इसके ऊपर आधे घंटे की डिस्क ान हुई थी। मोटे तौर पर आधे घंटे की चर्चा में कहा गया कि 28342 एकड़ जमीन सोहना हल्के की ग्वाल की पहाड़ी, दमदमा गांव और

उसके आसपास के गांव के एरिया की होगी। फिर मैंने यह बताया कि ये छोटे छोटे गुजरों और अहीरों के गांव है। आधी जमीन इनकी पहाड़ी है। तीन चार किल्ले के ये किसान हैं। ये लोग गाय भैंस पालते हैं और उसके दूध को दिल्ली में बेच कर अपना गुजारा करते हैं। यह उनकी जमीन का जो अधिग्रहण किया जा रहा है वह नहीं किया जाना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, उस समय के माननीय मुख्यमंत्री ओ0पी0 चौटाला ने फरमाया था कि इससे हरियाणा का टैक्स बढ़ेगा हमने कहा कि टैक्स कैसे बढ़ेगा तो इन्होंने कहा कि यहां पर डिजनीलैंड बनेगा, एम्यूजमेंट पार्क बनेगा। यह कहने लगे कि लोग इसको देखने के लिए आएंगे अध्यक्ष महोदय, हमने कहा कि 5 किलो दूध बेचकर जो गुजारा करते हैं वह एम्यूजमेंट पार्क कैसे देखेंगे। तब इन्होंने फरमाया था कि यह दिल्ली हवाई अड्डे के नजदीक है। अमरीका से लोग आएंगे। 25 डालर देंगे और मैंने कहा था कि गोबर थाप कर जो लोग गुजारा करते हैं उनको टैक्स कैसे मिलेगा और ये उस समय उसका जवाब नहीं दे पाये थे। मैं कहना चाहता हूं कि आज बिजली की खपत पहले से बीस गुणा बढ़ी है। एक करोड़ यूनिट हरियाणा की अपनी बिजली है। आज सानी प ुओं का चारा बिजली से काटा जाता है, आटा पिसता है तो बिजली पीसती है। दूध को बिलोया जाता है या ठण्डा गर्म किया जाता है तो बिजली द्वारा किया जाता है। किसान का ट्यूबवैल चलता है तो बिजली से चलता है और फिर स्पीकर साहब, गांव में दूध–बिजली से बिलोया जाता है यह बात रामपाल माजरा ने भी कही थी कि इस सरकार

के समय में दूध बिलोया नहीं जा रहा क्योंकि समय पर बिजली नहीं आ रही, न भााम को धूप–बत्ती हो रही है। धूप–बती पर टैक्स हटाया तो यूं आलोचना करते हैं। दूध ठीक से नहीं बिलोया जा रहा तो उसकी चिंता कर रहे हैं, आलोचना कर रहे हैं। एक बार सिरसा भाखड़ा नहर ताजा ताजा खुदी तो हमारे एक नेता हुआ करते थे उन्होंने कोई अपनी बात कहनी होती थी। गांव के भोले लोग होते हैं। उनको आंकड़ों से लेना देना कुछ नहीं होता। वे बहुत जोर से बोलते थे कि अरे कोई छाछ पीकर डंड बैठक लगा कर पहलवान बनते देखा है। उससे लोग पूछते थे कि आप कहना क्या चाहते हैं। वे कहते थे कि जो पानी भाखड़ा का आपको मिल रहा है यह तो बिजली निकला हुआ पानी मिल रहा है। इसमें फीका पानी है। मक्खन निकला हुआ पानी है। बिजली के मामले में हमने कोई कुछ किसी कम्पनी को लिख कर नहीं दिया। कोई मेज पर हमारी बातचीत नहीं हुई सिर्फ चर्चा है। हरियाणा में चौधरी बंसी लाल जी मुख्य मंत्री हो और एच0वी0पी0 और बी0जे0पी0 के संवेदन ाील विधायक हो एवं यदि राज्य में बिजली का संकट हो फिर भी अगर बिजली सरकार की पहली प्राथमिकता न हो तो मैं समझता हूं वह सरकार गुनाहगार होती। मैं सदन के सामने यह बताना चाहता हूं कि चौधरी बंसी लाल जी ने अपनी सारी भाक्ति बिजली के ऊपर लगा दी है। अगले साल के लिए हमने योजना बनाई है कि एक हजार मेगावाट अतिरिक्त बिजली का उत्पादन करेंगे। (विध्न)

श्री ओम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय . . . .

श्री अध्यक्ष: चौटाला साहब, आप अपनी सीट पर बैठें (विध्न) चौटाला साहब, आप चेयर की परमि ान के बिना बोल रहे हैं इसलिए आपने जो कुछ भी कहा है वह रिकार्ड नहीं किया जाएगा। चौटाला साहब जो बोल रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाए।

श्री राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, बजट के बारे में मैं बता रहा था और सरल भाशा में मैं अपनी बात समझा रहा था लेकिन चौटाला साहब जो बात कह रहे हैं वह तो वही फोके पानी वाली बात कर रहे हैं और वैसे ही रौला मचा रहे हैं। स्पीकर सर, इनकी बात पर मुझे भोखचिल्ली की एक कहानी याद आती है जो कि अक्सर गांव में सुनाई जाती है। एक बार चार आदमियों के पास कुछ पैसा था तो उन्होंने सोचा कि कोई धन्धा करें। एक ने एक सुझाव दिया तो दूसरे ने दूसरा सुझाव दिया कि यह धन्धा कर लेते हैं तीसरे ने कोई और सुझाव दिया तथा चौथे ने कोई और सुझाव रखा कि भई सब मिल कर यह धन्धा कर लेते हैं। आखिर में वे सब इस बात पर राजी हो गये कि गांव के गौहर में गन्ने की खेती करने का धन्धा कर लेते हैं लेकिन उनमें से कोई एक कहने लगा कि गन्ने कि खेती तो कर लेंगे लेकिन साथ ही यह गांव पड़ता है और यहां से बच्चे आएंगे तथा गन्ने तोड़–तोड़ कर खाएंगे इससे हमें घाटा हो जाएगा। इस प्रकार से उन्होंने इस बारे सोचना भुरू कर दिया कि इसका क्या इलाज किया जाए। (विध्न)

बैठक का समय बढ़ाना

कृशि मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल): अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं कि हाउस का समय आधे घण्टे के लिए बढ़ा लिया जाए।

Mr. Speaker: Is it the senses of the House that the time of the House be extended by half an hour?

आवाजें: ठीक है जी।

श्री अध्यक्ष: हाउस का समय आधे घंटे के लिए बढ़ाया जाता है।

वर्श 1997–98 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री राम बिलास भार्मा: स्पीकर सर, मैं यह कह रहा था कि वे यह कहने लगे कि इसका क्या इलाज किया जाए। उनमें से एक कहने लगा कि चलो गांव को आग लगा देते हैं न गांव रहेगा और न ही बच्चे आ कर गन्ने खाएंगे। अध्यक्ष महोदय, इस प्रकार से गन्ने के ख्याली विचार में ही गांव को आग लगा दी। जब गांव को आग लग गई तो लोग आग बुझाने में लग गए कोई पानी डाल रहा था तो कोई आग पर रेत डाल कर बुझाने में लगा हुआ था। लेकिन वे चारों गांव के लोगों पर हंस रहे थे और कह रहे थे कि और गन्ने चूंघ लो और गन्ने चूंघ लो। अध्यक्ष महोदय, हमारे ये भाई तो इसी प्रकार की बात कर रहे हैं अभी कोई बात नहीं हुई, कोई फैसला नहीं हुआ है, बिजली का कोई निजीकरण

अभी तक नहीं हुआ है, लेकिन इन भाईयों ने वैसे ही रौला मचा दिया। फ्लोरि ा जो कि हमारे सेठ कि ान दास के बेटे की फैक्टरी है, उसका टैक्स घटा दिया। अध्यक्ष महोदय, मैं हाउस से यह बात कहना चाहता हूं कि व्यापारियों का एक व्यापार मण्डल माननीय मुख्य मंत्री जी से मिला था। अध्यक्ष महोदय, हमने 8 चीजों पर टैक्स घटाया है। जूते के ऊपर 12% टैक्स था, उसको घटा कर हमने 4% किया है। इसके अलावा 200/– रुपये तक के जूते पर भी टैक्स समाप्त कर दिया क्योंकि यह जूता गरीब आदमी पहनता है। फर्नीचर पर 10% टैक्स था, उसको घटा कर 4% किया गया है। सरसों किसान पैदा करता है इसलिए उस पर भी हमने टैक्स घटा दिया है। इसी प्रकार से इलैट्रोनिक्स गुड्ज और इलैक्ट्रिकल गुड्ज पर भी हमने टैक्स घटाया है क्योंकि दूसरी स्टेट्स की बजाए ये चीजें यहां पर मंहगी बिक रही थी। व्यापार मण्डल के साथ हमारी रिसोर्सिज कमेटी की तीन बैठकें हुई। व्यापारियों ने पूरा टैक्स देने का भी आ वासन दिलाया। अध्यक्ष महोदय, अर्थ– ाास्त्र का यह नियम है कि Minimum rates of taxes, means the maximum realisation of taxes. This is the basic philosophy of revenue collection.

अध्यक्ष महोदय, 8 चीजों पर हमने टैक्स में राहत दी है और ये कह रहे हैं कि सेठ कि ान दास का टैक्स घटाया है। टैक्स घटाने के बावजूद भी हमारा टैक्स रियलाईजे ान बढ़ा है। पिछले साल जो टैक्स रैवैन्यू था उससे ज्यादा टैक्स रैवैन्यू हमें इस साल प्राप्त हुआ है।

श्री मनीरामः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। मैं यह जानना चाहता हूं कि यह जो आपने टैक्स घटाया है वह 31 मार्च तक घटाया है या हमे ाा के लिए घटाया है।

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, मनीराम जी ने टैक्स से सम्बन्धित बात पूछी मैं इनका स्वागत करता हूं। हमारे पास व्यापारियों का एक प्रतिनिधि मण्डल आया था और उन्होंने हमें कहा था कि आप टैक्स कम कर दें और टैक्स कम करने से आपके पास तीन गुणा टैक्स नहीं आया तो आप हमारा टैक्स दोबारा से बढ़ा देना। अध्यक्ष महोदय, हमने 6 महीने तक उनका टैक्स कम करके देख लिया हमें पहले से काफी ज्यादा टैक्स मिला है और हमें रैवेन्यू में काफी फायदा हुआ है। अब हम इसको लागू रखेंगे। (विध्न)

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, हमने किसानों के ट्रैक्टर के टायर पर टैक्स 10 प्रति ात से पांच प्रति ात किया है। यह इनको क्या पता नहीं है।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः यह जो बिजली की सबसिडी 498 करोड़ रुपये है इस का क्या करेंगे?

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, मैं इनको बताना चाहूंगा कि किसानों की सबसिडी जैसे पहले है वह बदस्तूर जारी रहेगी। (विध्न)

श्री राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब ने पहले बोलते हुए 360 करोड़ रुपये की बात कही थी। मैं इनको यह बताना चाहूंगा कि यह 423 करोड़ हैं। जिस पैसे की बात चौटाला साहब कर रहे थे आप जानते हैं कि वर्ल्ड बैंक से जो सहायता का प्रावधान है उसे हम बजट में नहीं द ार्ा सकते हैं। जो भी पैसा वर्ल्ड बैंक से लेने की बात हो रही है उसको हम पहले नही द ार्ा सकते हैं। हां जब कर्ज मिल जाएगा तो हम खुलमखुला आप सबको बताएंगे। जिबली को बढ़ाने के बारे में हमने सभी आफिसर्ज को, सभी मैम्बर्ज को लेकर 10–10, 12–12 घंटे चर्चा की है और अधिकारियों से कहा है कि इस बारे में सोचें। हमारी कोि ा ा है और हम कोि ा ा कर रहे हैं कि कौन सी ऐसी ऐजैन्सी है जो हमें कर्जा दे सकती है। (विध्न) चौटाला साहब ने एक सौ करोड़ रुपये की बात कही। मैं इनको बताना चाहूंगा कि यह हमारी एडजस्टमैंट की बात है, किताबी एडजस्टमैंट की बात है। अध्यक्ष महोदय, आज हरियाणा में बिजली की मांग की जाती है। आज ये कहते हैं कि हम यह कहते थे कि हम बिजली उत्पादन को प्राथमिकता देंगे। ये कहते हैं मुख्यमंत्री जी ने यह वायदा किया था कि किसानों को गांवों में 24 घंटे बिजली देंगे। आज भी हम यह बात कहते हैं कि हम 24 घंटे बिजली देंगे। (विध्न) अध्यक्ष महोदय, बिजली के मामले में मैं यह कहना चाहता हूं कि एक बार एक मियां बीबी लड़ रहे थे कि छोरे को डाक्टर बनाएंगे। उसकी बीबी कह रही थी कि इंजीनियर बनाएंगे। इतने में एक साधु वहा आ गया और वह उनसे पूछने

लगा कि आप क्यों लड़ रहे हो। उस औरत का पति कहने लगा कि हम इसलिए लड़ रहे हैं कि यह लड़के को इंजीनियर बनाना चाहती है जबकि मैं चाहता हूं कि वह डाक्टर बने। साधु ने उनसे कहा कि आप लड़के से तो पूछ लो कि वह क्या बनना चाहता है। वे दोनों कहने लगे कि लड़का तो अभी हुआ ही नहीं। अध्यक्ष महोदय, इन मित्रों की भी हालत ऐसी ही है यानि अगर ये किसी मुद्दे पर आलोचना करें फिर तो ठीक है लेकिन ये कहते हैं कि कमी ान भी खा लिया, हरियाणा में किसानों की बिजली के रेट्स भी बढ़ गये, बिजली बोर्ड के कर्मचारियों की छंटनी भी हो गयी और सबसिडी भी घटा दी। अध्यक्ष महोदय, जबकि अभी तक एम0ओ0यू0 भी साईन नहीं हुआ। आलोचना का भी आधार होता है। दस का सौ तो बनाया जा सकता है, सौ का दो सौ तो बनया जा सकता है। लेकिन जीरो से सौ नहीं बनाया जा सकता, दो सौ नहीं बनाया जा सकता। (विध्न) अध्यक्ष महोदय, इनको तो दूसरों के बैडरूम में झांकने की बुरी आदत पड़ गयी है। ले देकर बिजली बोर्ड की चोरी को ही स्वीकार कर लेते तब भी बात ठीक थी लेकिन they have contessed everything, आखिर में ये कह देते हैं कि चौधरी जसवन्त सिंह से कहला दो। वे भी कहेंगे। स्पीकर सर, उन्होंने कैटेगरीकली कहा है कि I am in favour of privatisation, as far as generation is concerned.

श्री ओम प्रका ा चौटालाः आप यह बात उनसे भी तो पूछ लें कि उन्होंने ऐसा कहा भी है या नहीं। चौधरी जसवन्त सिंह ने ऐसा नहीं कहा। आप गलत कह रहे हैं। (विध्न) अध्यक्ष

महोदय, राम बिलास भार्मा जी ने अभी कहा है कि चौधरी जसवन्त सिंह ने यह कहा है कि निजीकरण ठीक है। वे इस सदन के सदस्य हैं इसलिए उनसे भी पूछ लिया जाए कि उन्होंने ऐसा कहा है या नहीं।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, राम बिलास जी ने जसवन्त सिंह के बारे में यह कहा है कि I am in favour of privatisation of generation not distribution.

श्री ओम प्रका ा चौटालाः लेकिन उनसे भी तो यह पूछ लिया जाए कि वे इस बात के फेवर में हैं या नहीं। वे इस सदन में बैठे हुए हैं। (विध्न)

श्री राम बिलास भार्माः मैं चौधरी जसवन्त सिंह के मामले में दूसरी बार उनकी उपस्थिति में कह रहा हूं कि वे पावर जैनरे ान के प्राईवेटाइजे ान के हक में हैं। वे अपनी बात कहेंगे। हम किसी को बोलने से रोकते नहीं हैं। अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब ने फर्माया कि ि ाक्षा के लिए बीस करोड़ रुपये बजट में रखे हुए हैं। लेकिन मैं उनकी जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि यह सरकार ि ाक्षा के मामले में बहुत बड़ा मौलिक परिर्वतन करने जा रही है। हमने बन्दे मात्रम प्राईमरी ि ाक्षा से भाुरू किया और विधानसभा तक ले आए। आज हरियाणा के सरकारी और गैर सरकारी विद्यालयों में बन्दे मात्रम राश्ट्रगीत जो कि बंकिमचन्द चैटर्जी ने लिखा है, भाुरू करवाया है तथा बच्चों में संस्कार प्रारंभ करवाया है और रविन्द्रनाथ टैगोर के राश्ट्रीयगान

से समापन किया है। मैंने भाुरू में ही कहा कि हम हरियाणा में उसकी पुरानी वैभव ाली एवं गौरव ाली संस्कृति को वापस लाना चाहते हैं। पहले हरियाणा में जो दुध दही का खान पान होता था, या हरियाणा में जो पहले वेदों का वास होता था तो हम उसी पुरानी संस्कृति की तरफ हरियाणा को ले जा रहे हैं। हमने इस बार डी0आई0ई0टी0 योजना के तहत चार जिलों के बजाए सात जिलों में कार्यक्रम प्रारंभ किया है। हमने प्राईमरी ि ाक्षा को बढ़ावा देने के लिए अलग से बजट में ऐलोके ान किया है। बलवंत सिंह मायना के मायना स्कूल का एवं मनीराम जी के मन्नावाली गांव के स्कूल का दर्जा बढ़ाने के लिए कहा है। (विध्न) मैं आपके हल्के के एक एक गांव के बारे में जानता हूं। इस बार हमने ि ाक्षा के लिए काफी पैसे का प्रावधान रखा है और जो जो विद्यालय दर्जा बढ़ाने के नोर्म्ज पूरे करेंगे, हम उन सभी का दर्जा बढ़ाएंगे। सबसे ज्यादा स्कूलों का दर्जा इस बार सरकार बढ़ाएगी।

श्री ओम प्रका ा चौटाला: भार्मा जी, वर्श 1996–97 में इस बजट में प्लान और नॉन प्लान रेवेन्यू ऐक्सपैंडीचर था 721 करोड़ और 1997–98 में 741 करोड़ रुपया है केवल 20 करोड़ रुपये आपके पास हैं उस 20 करोड़ में आप यह मानकर चलिए कि 4 परसैंट इंक्रीज होगी यानि कि 4 परसैंट मंहगाई मान लें। 4 हजार मास्टर आपने रखे हैं और 5 हजार मास्टर और रखने जा रहे हैं। आप केवल 20 करोड़ रुपये में क्या–क्या करेंगे। यह

बताएं? दो कालेज खोलने के लिए भी आपने कहा है इस बजट के 20 नंबर पेज पर 98 नंबर पैरा में आपने कहा है कि दो नये कालेज बनाने जा रहे हैं तो 20 करोड़ रुपये में एक साल में क्या क्या करने जा रहे हैं जबकि एक इन्क्रीमैंट भी बढ़ेगा, महंगाई भत्ता बढ़ेगा। (विध्न)

श्री राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, पता नहीं कौन से आंकड़े की ये बात कर रहे हैं। स्पीकर सर, 1996–97 के मुकाबले 1997–98 में बजट में 765 करोड़ रुपया ि ाक्षा के लिए मुकर्रर किया गया है जब कि 1996–97 में 730 करोड़ रुपये का प्रावधान था। इसके अलावा 100 करोड़ रुपया ि ाक्षा विभाग के कर्मचारियों के टी0ए0डी0ए0 पर खर्च होगा जिसका बजट में अलग से प्रावधान है।

श्री ओम प्रका ा चौटाला: यह कौन से पेज पर कौन से पैरा में है आप यह बताइए। (विध्न)

श्री बंसी लाल: अध्यक्ष महोदय, आप इनका कोई इलाज करते हैं या हम करें? चौटाला जी, हर बात में उठकर खड़े हो जाते हैं। (ाोर एवं विध्न)

श्री ओम प्रका ा चौटाला: आप क्या ईलाज करेंगे। ईलाज करने की पावर स्पीकर साहब के पास है।

श्री अध्यक्षः चौटाला साहब, आप मेरी परमि ान के बिना बार बार बोल रहे हैं। इसलि आप बैठने का कृपा करें। (ाोर)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः स्पीकर साहब, मैं तो इनेस क्लैरिफिके ान सीक कर रहा हूं। (ाोर)

नियम 104 का निलम्बन तथा सदन की सेवा से सदस्य का निलम्बन

Argiculture Minister (Shri Karan Singh Dalal): Sir, I beg to move-

That Rule 104 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the House be suspended in its application to the motion regarding suspension of Shri Om Parkash Chautala, M.L.A.

Mr. Speaker: Motion moved-

That Rule 104 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the House be suspended in its application to the motion regarding suspension of Shri Om Parkash Chautala, M.L.A.

Mr. Speaker: Qustion is-

That Rule 104 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the House be suspended in its application to the motion regarding suspension of Shri Om Parkash Chautala, M.L.A.

The motion was carried.

Agriculture Minister (Shri Karan Singh Dalal): Sir, I also beg to move-

That Shri Om Parkash Chautala, M.L.A. be suspended from the service of the House for the remainder of the session for his misconduct, most irresponsible behaviour, unbecoming of the member of this august House and his grossly disoderly conduct in the House.

Mr. Speaker: Motion moved-

That Shri Om Parkash Chautala, M.L.A. be suspended from the service of the House for the remainder of the session for his misconduct, most irresponsible behaviour, unbecoming of the member of this august House and his grossly disoderly conduct in the House.

Mr. Speaker: Question is-

That Shri Om Parkash Chautala, M.L.A. be suspended from the service of the House for the remainder of the session for his misconduct, most irresponsible behaviour, unbecoming of the member of this august House and his grossly disoderly conduct in the House.

The motion was carried.

वाक आउट

श्री ओम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, हम सरकार के इस डिक्टोरियल ऐटीच्यूड के विरोध में वाक–आउट करते हैं।

(इस समय विपक्ष के नेता के निलंबन के मुद्दे के विरोध में समता पार्टी के सदन में उपस्थित सभी सदस्य वाक–आउट कर गये)

वर्श 1997–98 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, बजट में जो 628 करोड़ रुपया कर्मचारियों के लिए रखा है उसमें 100 करोड़ रुपया केवल ि ाक्षा विभाग के कर्मचारियों के लिए है, जिसके लिए आपने कहा कि यह दस प्रति ात की बढ़ौतरी है। परन्तु 1996–97 में यह 15 प्रति ात की वृद्धि है। बिजली बोर्ड के खजाने में तीन करोड़ का घाटा जब इस सरकार को मिला तो लोगों ने यह सोचा था कि यह सरकार बड़े भारी टैक्स लगायेगी लेकिन एक चीज पर भी टैक्स न लगाने से पूरे हरियाणा की दो करोड़ जनता ने राहत का अनुभव किया है। स्पीकर सर, पिछले दिनों जब हम अपने क्षेत्र में गये और बिजली के बारे में लोगों से बात की तो लोगों ने हमें बताया कि आपकी चिन्ता बिल्कुल सही है। आप जिबली का निजीकरण करें और बिजली की जनरे ान को बढ़ायें। पूरी हरियाणा की जनता ने इस बात को पसन्द किया है। स्पीकर सर, आपने सभी साथियों को बोलने का मौका दिया। कुछ सदस्यों ने अपने क्षेत्र के बारे में बातें भी कही। परन्तु उन्हें इस तरह की कोई भी बात हजम नहीं हो रही है। हरियाणा की जनता इस सदन की मालिक हैं। एक–एक मिनट में ये विपक्ष के साथी कहते हैं कि जनता देख लेगी। स्पीकर सर, पिछले 20 सालों से हम

जनता के सामने भूमिका अदा कर रहे हैं। पहले का जमाना चला गया, आज जनता राजनेताओं का फैसला गुण–दोश के आधार पर करती है। आज हरियाणा की जनता मानती है कि एक आदमी है जो जनता के दुख दर्द को सबसे पहले प्राथमिकता पर रखता है। वे चौधरी बंसी लाल जी ही हैं जिन्होंने पहले बिजलीकरण किया था। वे ही अब बिजली का सुधारीकरण, उदारीकरण कर सकते हैं और हरियाणा की जनता की जरूरतों के मुताबिक बिजली पैदा कर सकते हैं। चर्चा के दौरान इन्होंने इस बात को महसूस किया है और स्वीकार भी किया है कि हमारी सरकार ने बिजली के बारे में पहली प्राथमिकता दी है। मेरे माननीय साथियों के पास न तो कोई आंकड़े हैं और न ही कोई कहने की बात है। इन बातों से जन भावना को ठेस पहुंचती है। इतने आर्थिक संकट के बोझ के बाद और केन्द्र सरकार से भी इस सरकार को सहयोग न मिलने के बाद भी एक संतुलित बजट, इतना सुखद बजट, हरियाणा की जनता के दुख दर्द को सबसे पहले प्राथमिकता पर रखनेवाला बजट, गांव व भाहर पर कोई बोझ न डालने वाला बजट हमारे वित्त मंत्री महोदय श्री चरण दास भाोरवाला जी ने प्रस्तुत किया है जिसके लिए मैं उनको बधाई देता हूं और इस सदन से गुजारि । करता हूं कि इस बजट को सर्वसम्पति से पास करें।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, सदन की कार्यवाही का पांच मिनट का समय और बढ़ा दिया जाये।

श्री अध्यक्षः अभी तो बाहर मिनट बाकी हैं इसलिए समय बढ़ाने की जरूरत नहीं है।

वित्त मंत्री (श्री चरण दास): अध्यक्ष महोदय, मैं तो बजट पर बोलने के लिए तैयारी कर रहा था और चौधरी ओम प्रका ा चौटाला जी के बारे में कुछ कहना चाहता था। मैं उनका भाशण बड़ी पे ौंस से सुन रहा था और अब कुछ सुझाव उनको बताना चाहता था लेकिन वे चले गये हैं। अध्यक्ष महोदय, 1997–98 के बजट के बारे में हुई चर्चा के बारे में अपना उत्तर आपके सामने रखना चाहता हूं। स्पीकर सर, मेरे विपक्ष के भाई खासतौर से चौधरी ओम प्रका ा चौटाला ने अपने भाब्दों से इस सदन को गुमराह करने की कोि ा ा की है। स्पीकर सर, श्री रामबिलास भार्मा जी ने तथा दूसरे साथियों ने विस्तार से अपनी चर्चा की है तथा सारे विपक्ष के भाईयों ने भी दिल से और अंतरंग से इस बजट की तारीफ की है कि सरकार ने अच्छा बजट पे ा किया है। मैं आपसे प्रार्थना करूंगा कि यह बजट सर्वसम्मति से पास कर दिया जाए।

धन्यवाद।

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, हम इस पर वोटिंग करायेंगे।

श्री अध्यक्षः अगर कोई नया सदस्य ऐसी बात कहे तो बात ठीक है। धीरपाल जी, आप चौथी बार चुनकर इस सदन में

आये हैं। इस पर कोई वोटिंग नहीं होती है। वोटिंग तो डिमांडज पर होती है। Now the House stands adjourned till 9.30 a.m. tomorrow.

***20.50 hrs.**

(The Sabha then *adjourned till 9.30 a.m. on Tuesday, the 18th March, 1997).